



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

साप्ताहिक
WEEKLY

सं. 30।
No. 30।

नई दिल्ली, जुलाई 18—जुलाई 24, 2010, शनिवार/आषाढ़ 27—श्रावण 2, 1932
NEW DELHI, JULY 18—JULY 24, 2010, SATURDAY/ASADHA 27—SHRAVANA 2, 1932

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह पृथक संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं
Statutory Orders and Notifications Issued by the Ministries of the Government of India
(Other than the Ministry of Defence)

कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय

(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

नई दिल्ली, 14 जुलाई, 2010

का.आ. 1793.—केन्द्रीय सरकार एतद्वारा दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना अधिनियम, 1946 (1946 का अधिनियम सं. 25) की धारा 6 के साथ पठित धारा 5 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उत्तर प्रदेश राज्य सरकार, गृह (पुलिस) अनुभाग-II, लखनऊ की सहमति से अधिसूचना सं. 1690/6-पी-II/2010-362 एम./2010 दिनांक 22 मई, 2010 के तहत आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 (1955 का अधिनियम सं. 10) की धारा 3/7 एवं भारतीय दण्ड संहिता, 1860 (1860 की एक्ट सं. 45) की धारा 407 के अंतर्गत मामला अपराध सं. 182/10, 183/10 एवं 184/10 तथा भारतीय दण्ड संहिता, 1860 की (1860 की एक्ट सं. 45) की धारा 457 एवं 380 के अंतर्गत मामला अपराध सं. 185/10, जोकि अलीनगर पुलिस स्टेशन, जिला चन्दौली (उत्तर प्रदेश) में पंजीकृत हैं और उक्त अपराधों अथवा इस संव्यवहार के दौरान किए गए तथा इसी तरह के तथ्य से उभरने वाले अन्य अपराध/

अपराधों से संबंधित अथवा इससे जुड़े हुए प्रयासों, दुश्प्रेरणों एवं षडयन्त्रों की जांच करने के लिए दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना के सदस्यों की शक्तियों एवं उनके क्षेत्राधिकार का समूचे उत्तर प्रदेश में विस्तार करती है।

[सं. 228/46/2010-एवीडी-II]

मुकेश चतुर्वेदी, अवर सचिव

MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC
GRIEVANCES AND PENSIONS

(Department of Personnel and Training)

New Delhi, the 14th July, 2010.

S.O. 1793.—In exercise of the powers conferred by sub-Section (1) of Section 5 read with Section 6 of the Delhi Special Police Establishment Act, 1946 (Act No. 25 of 1946), the Central Government with the consent of the State Government of Uttar Pradesh, Home (Police) Section-II, Lucknow vide Notification No. 1690/6-P-II/2010-362M/2010 dated 22nd May, 2010, hereby extends the powers and jurisdiction of the members of the Delhi Special Police Establishment to the whole of the State of Uttar Pradesh

for investigation of Case Crime Nos. 182/10, 183/10 and 184/10 under sections 3/7 of the Essential Commodities Act, 1955 (Act No. 10 of 1955) and section 407 of the Indian Penal Code, 1860 (Act No. 45 of 1860) and Case Crime No. 185/10 under sections 457 and 380 of the Indian Penal Code, 1860 (Act No. 45 of 1860) all registered at Police Station Alinagar, District Chandauli (Uttar Pradesh) and attempts, abetments and conspiracies in relation to or in connection with the above mentioned offences and any other offence/offences committed in course of the same transaction or arising out of the same facts.

[No. 228/46/2010-AVD-II]

MUKESH CHATURVEDI, Under Secy.

नई दिल्ली, 15 जुलाई, 2010

का.आ. 1794.—केन्द्रीय सरकार एतद्वारा अपराध प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का अधिनियम सं. 2) की धारा 24 की उप-धारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए चारा घोटाला केस यथा आरसी 20(ए)/96-पीएटी, आरसी 47(ए)/96-पीएटी और आरसी 68(ए)/96-पीएटी और अन्य मामले, विशेष न्यायाधीश की अदालत में एसीबी रांची के अपीलीय न्यायालय में लंबित दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना द्वारा स्थापित मामलों के संबंध में झारखंड राज्य, रांची में अथवा विधि द्वारा स्थापित पुनरीक्षण अथवा अन्य मामलों के अपील, पुनरीक्षण का संचालन करने के लिए श्री बी.एम.पी. सिंह, अधिवक्ता को विशेष लोक अभियोजक के रूप में नियुक्त करती है।

[सं. 225/25/2009-एवीडी-II]

मुकेश चतुर्वेदी, अवर सचिव

New Delhi, the 15th July, 2010

S.O. 1794.—In exercise of the powers conferred by sub-section (8) of Section 24 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act No. 2 of 1974), the Central Government hereby appoints Shri B.M.P. Singh, advocate as Special Public Prosecutor for conducting prosecution of Fodder Scam Cases viz. RC. 20(A)/96-PAT, RC. 47(A)/96-PAT and also other cases pertaining to ACB/Ranchi pending trial in the court of Special Judge, Ranchi instituted by Delhi Special Police Establishment in the State of Jharkhand at Ranchi and appeals, revisions or other matters connected therewith or incidental thereto in the appellate/revision or any other court.

[No. 225/25/2009-AVD-II]

MUKESH CHATURVEDI, Under Secy.

नई दिल्ली, 16 जुलाई, 2010

का.आ. 1795.—केन्द्रीय सरकार एतद्वारा दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का अधिनियम सं. 2) की धारा 24 की उप-धारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए पटना उच्च न्यायालय, पटना, बिहार में आर.सी. 4(एस)/99/एस.आई.सी.-IV/

नई दिल्ली/सीबीआई (बृज बिहारी प्रसाद की हत्या का मामला, पूर्व मंत्री), तथा अपीलों, पुनरीक्षणों या उक्त वाद से उद्भूत अन्य मामलों का पुनरीक्षण या विधि द्वारा स्थापित संचालन करने के लिए श्री तेजिन्दर सिंह दोआबिया वरिष्ठ अधिवक्ता, भारतीय उच्चतम न्यायालय को स्पेशल कौन्सिल के रूप में नियुक्त करती है।

[सं. 225/13/2010-एवीडी-II]

मुकेश चतुर्वेदी, अवर सचिव

New Delhi, the 16th July, 2010

S.O. 1795.—In exercise of the powers conferred by sub-section (8) of Section 24 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act No. 2 of 1974), the Central Government hereby appoints Shri T. S. Doabia, Senior Advocate, Supreme Court of India as Special Counsel for conducting case No. RC. 4(S)/99/SIC. IV/ND (Brij Bihari Murder case) in Patna High Court in all appeals/revisions at Patna and any other matter conferred therewith or incidental thereto.

[No. 225/13/2010-AVD-II]

MUKESH CHATURVEDI, Under Secy.

नई दिल्ली, 19 जुलाई, 2010

का.आ. 1796.—केन्द्रीय सरकार एतद्वारा अपराध प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का अधिनियम सं. 2) की धारा 24 की उप-धारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नैनीताल में उत्तराखंड उच्च न्यायालय में दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना द्वारा अन्वेषण किए जा रहे मामलों में अभियोजन, अपील, पुनरीक्षण या मामलों से उद्भूत अन्य प्रक्रियाओं का संचालन करने के लिए सर्वश्री अरविन्द वशिष्ठ तथा विवेक शुक्ला, एडवोकेट्स को केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के विशेष लोक अभियोजक के रूप में नियुक्त करती है।

[सं. 225/39/2009-एवीडी-II]

मुकेश चतुर्वेदी, अवर सचिव

New Delhi, the 19th July, 2010

S.O. 1796.—In exercise of the powers conferred by sub-section (8) of Section 24 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act No. 2 of 1974), the Central Government hereby appoints S/Shri Arvind Vashist and Vivek Shukla, Advocates as Special Public Prosecutor of the Central Bureau of investigation in the Uttarakhand at Nainital for conducting prosecution, appeals, revisions or other matters arising out of the cases investigated by the Delhi Special Police Establishment.

[No. 225/39/2009-AVD-II]

MUKESH CHATURVEDI, Under Secy.

वित्त मंत्रालय

(वित्तीय सेवाएं विभाग)

नई दिल्ली, 14 जुलाई, 2010

का. आ. 1797.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंध एवं प्रकीर्ण उपबंध) स्कीम, 1970/1980 के खंड 3 के उप-खंड (1) के साथ पठित, बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम,

1970/1980 की धारा 9 की उप-धारा 3(ज) और 3(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा, मुहम्मद अखरुज्जमान (जन्म तिथि : 24-11-1964) को अधिसूचना की तिथि से तीन वर्षों की अवधि के लिए अथवा अगले आदेशों तक, जो भी पहले हो, यूको बैंक के निदेशक मंडल में अंशकालिक गैर-सरकारी निदेशक के रूप में नामित करती है।

[फा. सं. 9/46/2009-बीओ-1]

सुमिता डावरा, निदेशक

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Financial Services)

New Delhi, the 14th July, 2010

S.O. 1797.—In exercise of the powers conferred by sub-section 3(h) and (3-A) of Section 9 of The Banking Companies (Acquisition & Transfer of Undertakings) Act, 1970/1980 read with sub-clause (1) of clause 3 of The Nationalised Banks (Management & Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970/1980, the Central Government hereby nominates Md. Akhruzzaman (DoB : 24-11-1964) as part-time non-official director on the Board of Directors of UCO Bank for a period of three years from the date of notification or until further orders, whichever is earlier.

[F. No. 9/46/2009-BO-I]

SUMITA DAWRA, Director

नई दिल्ली, 14 जुलाई, 2010

का.आ. 1798.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंध एवं प्रकीर्ण उपबंध) स्कीम, 1970/1980 के खंड 9(2) के उप-खंड (ख) के साथ पठित, बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम, 1970/1980 की धारा 9 की उप-धारा 3(छ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श करने के पश्चात् एतद्वारा, श्री राजेश एम. चतुर्वेदी (जन्म तिथि : 18-04-1959) को सनदी लेखाकार श्रेणी के अंतर्गत अधिसूचना की तिथि से तीन वर्षों की अवधि के लिए और/अथवा अगले आदेशों तक, जो भी पहले हो, इलाहाबाद बैंक के निदेशक मंडल में अंशकालिक गैर-सरकारी निदेशक के रूप में नामित करती है।

[फा. सं. 9/52/2009-बीओ-1]

सुमिता डावरा, निदेशक

New Delhi, the 14th July, 2010

S.O. 1798.—In exercise of the powers conferred by sub-section 3(g) of Section 9 of the Banking Companies (Acquisition & Transfer of Undertakings) Act, 1970/1980 read with sub-clause (b) of clause 9(2) of the Nationalised Banks (Management & Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970/1980, the Central Government, after consultation with Reserve Bank of India, hereby nominates Shri Rajesh M. Chaturvedi (DoB : 18-04-1959), as part-time non-official

director under Chartered Accountant category, on the Board of Directors of Allahabad Bank for a period of three years from the date of notification and/or until further orders, whichever is earlier.

[F. No. 9/52/2009-BO-I]

SUMITA DAWRA, Director

नई दिल्ली, 19 जुलाई, 2010

का. आ. 1799.—जीवन बीमा निगम अधिनियम, 1956 (1956 का 31) की धारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा, श्री अनूप प्रकाश गर्ग को अधिसूचना की तारीख से तीन वर्षों की अवधि के लिए अथवा अगले आदेशों तक, जो भी पहले हो, भारतीय जीवन बीमा निगम के निदेशक मण्डल में गैर-सरकारी सदस्य के रूप में नियुक्त करती है।

[फा. सं. ए-15011/1/2007-बीमा-III]

ललित कुमार, निदेशक, (बीमा)

New Delhi, the 19th July, 2010

S.O. 1799.—In exercise of the powers conferred by Section 4 of the Life Insurance Corporation Act, 1956 (31 of 1956), the Central Government hereby appoints Shri Anup Prakash Garg as Non-Official Member on the Board of the Life Insurance Corporation of India for a period of three years from the date of Notification or until further orders, whichever is earlier.

[F. No. A-15011/1/2007-Ins.-III]

LALIT KUMAR, Director (Insurance)

(राजस्व विभाग)

(केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड)

(आयकर)

नई दिल्ली, 15 जुलाई, 2010

का. आ. 1800.—जबकि केन्द्र सरकार ने आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) [जिसे बाद में उक्त अधिनियम के रूप में संदर्भित किया गया] की धारा 80झक की उप-धारा (4) के खंड (iii) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, (राजस्व विभाग, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड) की अधिसूचना संख्या का.आ. 51(अ), दिनांक 8 जनवरी, 2008 के तहत औद्योगिक पार्क के लिए स्कीम निर्मित एवं अधिसूचित किया है;

और जबकि मैसर्स इनफिनिटी इंपोर्टेक पार्क लिमिटेड, जिसका पंजीकृत पता इनफिनिटी, प्लॉट ए-3, ब्लाक-जीपी, सेक्टर V, साल्ट लेक इलेक्ट्रॉनिक्स काम्प्लेक्स, कोलकाता-700091 में है, ने प्लॉट सं. जी-1, ब्लाक जीपी, सेक्टर V, साल्ट लेक इलेक्ट्रॉनिक्स काम्प्लेक्स, कोलकाता-700091 में एक औद्योगिक पार्क विकसित किया है;

अतः अब आयकर नियमावली, 1962 के नियम 18ग के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 80झक की उप-धारा (4) के खंड

(iii) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और औद्योगिक पार्क स्कीम, 2008 के उपबंधों के अधीन केन्द्र सरकार एतद्वारा मैसर्स इनफिनिटी इंफोटेक पार्क लिमिटेड, कोलकाता को एक उपक्रम तथा प्लॉट सं. जी-1, ब्लॉक जीपी, सेक्टर V, साल्ट लेक इलेक्ट्रॉनिक्स कॉम्प्लेक्स, कोलकाता-700091 जिसे उक्त उपक्रम द्वारा विकसित तथा अनुरक्षित एवं प्रचालित किया जा रहा है, के रूप में उक्त खंड के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

2. उपर्युक्त औद्योगिक पार्क के शुरू होने की तिथि 28 मार्च, 2008 है।

3. अधिसूचना अवैध हो जाएगी तथा मैसर्स इनफिनिटी इंफोटेक पार्क लिमिटेड, ऐसी अवैधता की किन्हीं प्रतिक्रियाओं के लिए मात्र जिम्मेदार होगी, यदि—

- (1) आवेदन तथा इसके द्वारा प्रस्तुत परवर्ती दस्तावेज जिनके आधार पर केन्द्र सरकार द्वारा अधिसूचना जारी की जाती है, में गलत सूचना/झूठी जानकारी होगी अथवा कुछ वस्तुगत सूचना इसमें नहीं दी गई होगी;
- (2) यह औद्योगिक पार्क की अवस्थिति के लिए है जिसके हेतु एक अन्य उपक्रम के नाम से अधिसूचना पहले ही जारी कर दी गई है।

4. केन्द्र सरकार के अनुमोदन के बिना परियोजना प्लान में किसी संशोधन अथवा भविष्य में संसूचन अथवा आवेदक द्वारा किसी वस्तुगत तथ्य को उजागर न करने पर औद्योगिक पार्क का अनुमोदन अवैध हो जाएगा।

[अधिसूचना सं. 54/2010/फा.सं. 178/30/2009-आकानि-1]

पदम सिंह, अवर सचिव

(Department of Revenue)

(CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES)

(INCOME-TAX)

New Delhi, the 15th July, 2010

S.O. 1800.—Whereas the Central Government in exercise of the powers conferred by clause (iii) of sub-section (4) of Section 80-IA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), has framed and notified a scheme for industrial park, vide notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue, Central Board of Direct Taxes) number S.O. 51 (E), dated the 8th January, 2008;

And whereas M/s. Infinity Infotech Parks Limited, having its registered address at Infinity, Plot A-3, Block-GP, Sector-V, Salt Lake Electronics Complex, Kolkata-700091, has developed an Industrial Park at Plot No. G-1, Block-GP, Sector V, Salt Lake Electronics Complex, Kolkata-700091;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (iii) of sub-section (4) of Section 80-IA of the

said Act read with rule 18C of the Income Tax Rules, 1962, and subject to the provisions of Industrial Park Scheme, 2008, the Central Government hereby notifies M/s. Infinity Infotech Parks Limited, Kolkata as an undertaking and the project at Plot No. G-1, Block-GP, Sector V, Salt Lake Electronics Complex, Kolkata-700091, being developed and maintained and operated by the said undertaking, as an industrial park for the purposes of the said clause.

2. The date of commencement of the aforesaid Industrial Park is 28th March, 2008.

3. The notification will be invalid and M/s. Infinity Infotech Parks Limited shall be solely responsible for any repercussions of such invalidity, if—

- (i) the application and subsequent documents furnished by it, on the basis of which the notification is issued by the Central Government contains wrong information/misinformation or some material information has not been provided in it;
- (ii) it is for the location of the industrial park for which notification has already been issued in the name of another undertaking.

4. Any amendment of the project plan without the approval of the Central Government or detection in future, or failure on the part of the applicant to disclose any material fact, will invalidate the approval of the industrial park.

[Notification No.54/2010/F. No.178/30/2009-ITA-I]

PADAM SINGH, Under Secy.

CORRIGENDUM

New Delhi, the 19th July, 2010

S.O. 1801.—In respect of the Notification Number 28/2010 dated 22-4-2010 issued in the case of Institute of Bioinformatics, Bangalore following corrigendum is hereby issued :

The word mentioned in sub- paragraph (i) as research in social sciences may be read as scientific research.

The words mentioned in sub-paragraph (ii) research in social science or statistical research may be read as scientific research.

The words mentioned in sub-paragraph (iv) as research in social sciences may be read as scientific research.

The words mentioned in paragraph 2 sub-paragraph (c) research in social sciences or statistical research may be read as scientific research.

The word and figure mentioned in paragraph 2 sub-paragraph (e) as clause (iii) may be read as clause (ii)

Other terms and condition of the said Notification remain unchanged.

[F. No. 203/85/2009-ITA (II)]

AJAY GOYAL Director (ITA II)

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

नई दिल्ली, 26 मार्च, 2010

का. आ. 1802.—दंत चिकित्सक अधिनियम, 1948 (1948 का 16) की धारा 10 की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार भारतीय दन्त चिकित्सा परिषद् से परामर्श करने के बाद एतद्वारा उक्त अधिनियम की अनुसूची के भाग-1 में निम्नलिखित संशोधन करती है; अर्थात् :—

2. देवी आहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर द्वारा प्रदत्त दन्त चिकित्सा डिग्रियों की मान्यता के संबंध में दन्त चिकित्सक अधिनियम, 1948 (1948 का 16) की अनुसूची के भाग-1 में माडर्न डेंटल कालेज एवं अनुसंधान केन्द्र, इन्दौर के बारे में क्रम संख्या 26 के II के सामने स्तंभ 2 और 3 की मौजूदा प्रविष्टियों में निम्नलिखित प्रविष्टियाँ अन्तःस्थापित की जाएंगी :—

“दन्त शल्य चिकित्सा निष्णात

- | | |
|---|--|
| (i) प्रोस्थोडॉटिक्स
(यदि यह 22-08-2009
को अथवा उसके बाद
प्रदान की गई हो) | एमडीएस (प्रोस्थो.)
देवी आहिल्या विश्वविद्यालय,
इन्दौर |
| (ii) कन्जरवेटिव दन्त चिकित्सा
(यदि यह 21-08-2009
को अथवा उसके बाद
प्रदान की गई हो) | एमडीएस कन्ज. दन्त चिकित्सा
देवी आहिल्या विश्वविद्यालय,
इन्दौर |
| (iii) ओरल मेडिसिन
(यदि यह 22-08-2009
को अथवा उसके बाद
प्रदान की गई हो) | एमडीएस (ओरल मेडि.)
देवी आहिल्या विश्वविद्यालय,
इन्दौर |
| (iv) पेरियोडॉटिक्स
(यदि यह 27-08-2009
को अथवा उसके बाद
प्रदान की गई हो) | एमडीएस (पेरियो.)
देवी आहिल्या विश्वविद्यालय,
इन्दौर |
| (v) मुख शल्य चिकित्सा
(यदि यह 27-08-2009
को अथवा उसके बाद
प्रदान की गई हो) | एमडीएस (मुख शल्य
चिकित्सा)
देवी आहिल्या विश्वविद्यालय,
इन्दौर |

- | | |
|---|--|
| (vi) आर्थोडॉटिक्स
(यदि यह 25-08-2009
को अथवा उसके बाद
प्रदान की गई हो) | एमडीएस (आर्थो.)
देवी आहिल्या विश्वविद्यालय,
इन्दौर |
|---|--|

[फा.सं. वी. 12017/13/2005-डीई]

आर. शंकरन, अवर सचिव

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

New Delhi, the 26th March, 2010

S.O. 1802.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 10 of the Dentists Act, 1948 (16 of 1948), the Central Government, after consultation with the Dental Council of India, hereby, makes the following amendments in Part-I of the Schedule to the said Act, namely :—

2. In the existing entries of column 2 & 3 against II of Serial No. 26, in respect of Modern Dental College & Research Centre, Indore, in Part-I of the Schedule to the Dentists Act, 1948 (16 of 1948) pertaining to recognition of dental degrees awarded by Devi Ahilya Vishwavidyalaya, Indore, the following entries shall be inserted thereunder :—

“Master of Dental Surgery

- | | |
|---|---|
| (i) Prosthodontics
(if granted on or after
22-08-2009) | MDS (Prosthodontics),
Devi Ahilya Vishwa-
vidyalaya, Indore |
| (ii) Conservative Dentistry
(if granted on or after
21-08-2009) | MDS (Cons. Dent),
Devi Ahilya Vishwa-
vidyalaya, Indore |
| (iii) Oral Medicine
(if granted on or after
22-08-2009) | MDS (Oral Medicine),
Devi Ahilya Vishwa-
vidyalaya, Indore |
| (iv) Periodontics
(if granted on or after
27-08-2009) | MDS (Perio.),
Devi Ahilya Vishwa-
vidyalaya, Indore |
| (v) Oral Surgery
(if granted on or after
27-08-2009) | MDS (Oral Surgery),
Devi Ahilya Vishwa-
vidyalaya, Indore |
| (vi) Orthodontics
(if granted on or after
25-08-2009) | MDS (Ortho.),
Devi Ahilya Vishwa-
vidyalaya, Indore” |

[F. No. V. 12017/13/2005-DE]

R. SANKARAN, Under Secy.

नई दिल्ली, 22 जून, 2010

का. आ. 1803.— केन्द्रीय सरकार, दंत चिकित्सक अधिनियम, 1948 (1948 का 16) के खण्ड 10 के उप-खण्ड (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारतीय दंत परिषद् के परामर्श के बाद उक्त अधिनियम की अनुसूची के भाग-I में निम्नलिखित संशोधन करती है अर्थात् :-

2. दंत चिकित्सक अधिनियम, 1948 (1948 का 16) की अनुसूची के भाग-I क्रम संख्या 86 के बाद निम्नलिखित प्रविष्टियां शामिल की जाएं अर्थात् :-

"87. पंडित रविशंकर शुक्ला यूनिवर्सिटी, रायपुर	रूंगटा दंत विज्ञान एवं अनुसंधान महाविद्यालय, भिलाई, छत्तीसगढ़ दंत शल्यक्रिया में स्नातक (यदि 27-10-2009 को या उसके बाद स्वीकृत)	बीडीएस, पंडित रवि शंकर शुक्ला यूनिवर्सिटी, रायपुर"
--	--	---

[फा. सं. वी. 12017/28/2004-डीई]

आर. शंकरन, अवर सचिव

New Delhi, the 22nd June, 2010

S. O. 1803.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 10 of the Dentists Act, 1948 (16 of 1948), the Central Government, after consultation with the Dental Council of India, hereby, makes the following amendments in Part-I of the Schedule to the said Act, namely :—

2. In Part-I of the Schedule to the Dentists Act, 1948 (16 of 1948) after Serial No. 86, the following serial number and entries shall be inserted, namely :—

"87. Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur	Rungta College of Dental Sciences & Research, Bhilai, Chhattisgarh Bachelor of Dental Surgery (if granted on or after 27-10-2009)	BDS, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur"
--	---	---

[F. No. V. 12017/28/2004-DE]

R. SANKARAN, Under Secy.

नई दिल्ली, 28 जून, 2010

का. आ. 1804.— केन्द्रीय सरकार, दंत चिकित्सक अधिनियम, 1948 (1948 का 16) के खण्ड (10) के उप-खण्ड (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारतीय दंत परिषद् से परामर्श के बाद उक्त अधिनियम की अनुसूची के भाग-I में निम्नलिखित संशोधन करती है अर्थात् :-

2. दंत चिकित्सक अधिनियम, 1948 (1948 का 16) की अनुसूची के भाग-I क्रम संख्या 88 के बाद निम्नलिखित प्रविष्टियां शामिल की जाएं अर्थात् :-

"89. सुमनदीप विद्यापीठ यूनिवर्सिटी, बड़ोदरा	के.एम. शाह दंत महाविद्यालय एवं अस्पताल, बड़ोदरा
---	---

दंत शल्यक्रिया में परा स्नातक

-पीडोडोन्टीस-

(यदि 24-12-2009 को या उसके बाद स्वीकृत)

-ओरल पैथोलॉजी

एमडीएस (पेडो.), सुमनदीप

विद्यापीठ यूनिवर्सिटी, बड़ोदरा

एमडीएस (ओरल पैथो.), सुमनदीप

(यदि 23-12-2009 को या उसके बाद स्वीकृत)	विद्यापीठ युनिवर्सिटी, वड़ोदरा
-प्रोस्थोडान्टिस	एमडीएस (प्रोस्थो.),
सुमनदीप	
(यदि 24-12-2009 को या उसके बाद स्वीकृत)	विद्यापीठ युनिवर्सिटी, वड़ोदरा
-पेरियोडान्टिस	एमडीएस (पेरियो.), सुमनदीप
(यदि 24-12-2009 को या उसके बाद स्वीकृत)	विद्यापीठ युनिवर्सिटी, वड़ोदरा
-आर्थ्रोडोन्टीस	एमडीएस (आर्थ्रो.), सुमनदीप
(यदि 24-12-2009 को या उसके बाद स्वीकृत)	विद्यापीठ युनिवर्सिटी, वड़ोदरा
कम्यूनिटी डेंटिस्ट्री	एमडीएस (कॉम. डे.), सुमनदीप
(यदि 22-12-2009 को या उसके बाद स्वीकृत)	विद्यापीठ युनिवर्सिटी, वड़ोदरा
-ओरल मेडिसिन	एमडीएस (ओरल मेडि.), सुमनदीप
(यदि 23-12-2009 को या उसके बाद स्वीकृत)	विद्यापीठ युनिवर्सिटी, वड़ोदरा
-ओरल मेडिसिन	एमडीएस (ओरल मेडि.), सुमनदीप
(यदि 23-12-2009 को या उसके बाद स्वीकृत)	विद्यापीठ युनिवर्सिटी, वड़ोदरा
-ओरल एंड मैक्सिल्लोफेसियल सर्जरी	एमडीएस (ओरल सर्जरी), सुमनदीप
(यदि 24-12-2009 को या उसके बाद स्वीकृत)	विद्यापीठ युनिवर्सिटी, वड़ोदरा
-कंजरवेटिव डेंटिस्ट्री	एमडीएस (कान्स. डें.), सुमनदीप
(यदि 23-12-2009 को या उसके बाद स्वीकृत)	विद्यापीठ युनिवर्सिटी, वड़ोदरा

[फाइल संख्या बी. 12017/21/2005-डीई]

आर. शंकरन, अवर सचिव

New Delhi, the 28th June, 2010

S. O. 1804.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 10 of the Dentists Act, 1948 (16 of 1948), the Central Government, after consultation with the Dental Council of India, hereby, makes the following amendments in Part-I of the Schedule to the said Act, namely :—

2. In Part-I of the Schedule to the Dentists Act, 1948 (16 of 1948) after Serial No. 88, the following serial number and entries shall be inserted, namely :—

“89. Sumandeep K. M. Shah Dental College &
Vidyapeeth Hospital, Vadodara
University, Vadodara

Master of Dental Surgery

-Pedodontics (if granted on or after 24-12-2009)	MDS (Pedo.), Sumandeep Vidyapeeth University, Vadodara
Oral Pathology (if granted on or after 23-12-2009)	MDS (Oral Path.), Sumandeep Vidyapeeth University, Vadodara
Prosthodontics (if granted on or after 24-12-2009)	MDS (Prosth.), Sumandeep Vidyapeeth University, Vadodara
Periodontics (if granted on or after 24-12-2009)	MDS (Perio.), Sumandeep Vidyapeeth University, Vadodara
Orthodontics (if granted on or after 24-12-2009)	MDS (Ortho.), Sumandeep Vidyapeeth University, Vadodara
Community Dentistry (if granted on or after 22-12-2009)	MDS (Com. Dent.), Sumandeep Vidyapeeth University, Vadodara

Oral Medicine
(if granted on or after 23-12-2009)

Oral & Maxillofacial Surgery
(if granted on or after 24-12-2009)

Conservative Dentistry
(if granted on or after 23-12-2009)

MDS (Oral Med.), Sumandeep
Vidyapeeth University, Vadodara

MDS (Oral Surgery.), Sumandeep
Vidyapeeth University, Vadodara

MDS (Cons. Dent.), Sumandeep
Vidyapeeth University, Vadodara

[F. No. V. 12017/21/2005-DE]

R. SANKARAN, Under Secy.

नई दिल्ली, 29 जून, 2010

का. आ. 1805.— केन्द्रीय सरकार, दंत चिकित्सक अधिनियम, 1948 (1948 का 16) के खण्ड 10 के उप-खण्ड (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारतीय दंत परिषद् के परामर्श के बाद उक्त अधिनियम की अनुसूची के भाग-I में निम्नलिखित संशोधन करती है अर्थात् :—

2. दंत चिकित्सक अधिनियम, 1948 (1948 का 16) की अनुसूची के भाग-I क्रम संख्या 87 के बाद निम्नलिखित क्रम संख्या एवं प्रविष्टियां शामिल की जाएं अर्थात् :—

“88. जीवाजी महाराणा प्रताप दंत चिकित्सा एवं
युनिवर्सिटी, ग्वालियर अनुसंधान केन्द्र, ग्वालियर
दंत शल्यक्रिया में स्नातक
(यदि 8-9-2007 को या उसके बाद
स्वीकृत)

बीडीएस, जीवाजी
युनिवर्सिटी, ग्वालियर”

[फा. सं. वी. 12017/32/2002-डीई]

आर. शंकरन, अवर सचिव

New Delhi, the 29th June, 2010

S. O. 1805.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 10 of the Dentists Act, 1948 (16 of 1948), the Central Government, after consultation with the Dental Council of India, hereby, makes the following amendments in Part-I of the Schedule to the said Act, namely :—

2. In Part-I of the Schedule to the Dentists Act, 1948 (16 of 1948) after Serial No. 87, the following Serial number and entries shall be inserted, namely :—

“88. Jiwaji Maharana Pratap College of
University, Dentistry & Research Centre,
Gwalior Gwalior
Bachelor of Dental
Surgery
(if granted on or after
8-9-2007)

BDS, Jiwaji University, Gwalior”

[F. No. V. 12017/32/2002-DE]

R. SANKARAN, Under Secy.

विदेश मंत्रालय

(सीपीवी प्रभाग)

नई दिल्ली, 15 जुलाई, 2010

का. आ. 1806.—राजनयिक और कौंसलरी ऑफिसर (शपथ और फीस) के अधिनियम, 1948 की धारा 2 के खंड (क) के अनुसरण में, केंद्र सरकार एतद्वारा श्री शिवलाल मोना, सहायक को 5-7-2009 से भारत के राजदूतावास, दोहा में सहायक कौंसलर अधिकारी के कर्तव्यों का पालन करने के लिए प्राधिकृत करती है।

[सं. टी-4330/1/2006]

आर.के. पेरेरिडिया, अवर सचिव (कौंसलर)

MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS

(C. P. V. Division)

New Delhi, the 15th July, 2010

S. O. 1806.—In pursuance of the clause (a) of the Section 2 of the Diplomatic and Consular Officers (Oaths and Fees) Act, 1948 (41 of 1948), the Central Government hereby authorise Shri Shiv Lal Meena, Assistant in the Embassy of India, Doha to perform the duties of Assistant Consular Officer with effect from 5th July, 2010.

This issues in supersession of our gazette notification of even number dated 5th July, 2010.

[No. T. 4330/1/2006]

R. K. PERINDIA, Under Secy. (Consular)

नागर विमानन मंत्रालय

नई दिल्ली, 9 जुलाई, 2010

का. आ. 1807.— केन्द्रीय सरकार, राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उप-नियम (4) के अनुसरण में, नागर विमानन मंत्रालय के उपक्रम भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के कोलकाता स्थित नेताजी सुभाष चन्द्र बोस अंतराष्ट्रीय हवाई अड्डा, कोलकाता-700 052 जिसके 80 प्रतिशत से अधिक कर्मचारीवृन्द ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिसूचित करती है :

[सं. ई-11011/10/2010-रा.भा.]

चन्द्र भान नारनौली, निदेशक

MINISTRY OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 9th July, 2010

S. O. 1807.—In pursuance of sub-rule(4) of Rule 10 of the Official Languages (Use for the Official Purposes of the Union) Rules, 1976, the Central Government, hereby notifies the Office of the Airport Authority of India, Netaji Subhash Chandra Bose International Airport, Kolkata-700 052 of an under taking of Ministry of Civil Aviation, whereof, more than 80% staff have acquired the working knowledge of Hindi.

[No. E-11011/10/2010-OL]

C. B. NARNAULI, Director

भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय

(भारी उद्योग विभाग)

नई दिल्ली, 6 जुलाई, 2010

का. आ. 1808.— केन्द्र सरकार, राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उप-नियम (4) के अनुसरण में, निम्नलिखित कार्यालयों, जिनके 80% से अधिक अधिकारियों/कर्मचारियों ने हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, को अधिसूचित करती है :—

1. वीएचईएल, क्षेत्रीय प्रचालन प्रभाग
सी-2, आर्आईसीयूपी भवन, प्रथम तल,
विभूति खंड, गोमती नगर, राखनऊ-226010
2. वीएचईएल, क्षेत्रीय प्रचालन प्रभाग
एससीओ-129-130, प्रथम तल,
फ्लैट-17 सी, चंडीगढ़-160017

[सं. ई-11012/10/2010-वि.भा.]

सचिव, भारी उद्योग विभाग

MINISTRY OF HEAVY INDUSTRIES AND PUBLIC ENTERPRISES**(Department of Heavy Industry)**

New Delhi, the 6th July, 2010

S. O. 1808.—In pursuance of the sub-rule (4) of the Rule 10 of Official Language (Use for Official Purposes of the Union) Rules, 1976, the Central Government, hereby notifies the following offices whereof more than 80% staff have acquired the working knowledge of Hindi :—

1. BHEL, Regional Operations Division,
B-2, PICUP Bhavan, First Floor,
Vibhuti Khand, Gomati Nagar, Lucknow-226 010
2. BHEL, Regional Operations Division,
SCO-129-130, First Floor,
Sector-17C, Chandigarh-160 017

[No. E-11012/2/2010-Hindi]

AMBUJ SHARMA, Jt. Secy.

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय

(उपभोक्ता मामले विभाग)

भारतीय मानक ब्यूरो

नई दिल्ली, 28 जून, 2010

का. आ. 1809.—भारतीय मानक ब्यूरो नियम, 1987 के नियम 7 के उप-नियम (1) के खंड (ख) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्वारा अधिसूचित करता है कि जिन भारतीय मानकों के विवरण नीचे अनुसूची में दिए गए हैं वे स्थापित हो गए हैं :—

अनुसूची

क्रम संख्या	स्थापित भारतीय मानक(कों) की संख्या, वर्ष और शीर्षक	नये भारतीय मानक द्वारा अतिक्रमित भारतीय मानक अथवा मानकों, यदि कोई हो, की संख्या और वर्ष	स्थापित तिथि
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	आईएस 15797 : 2008 छतों पर वर्षा जल संग्रहण—मार्गदर्शी सिद्धांत	—	31-05-2008

इस भारतीय मानक की प्रतियाँ भारतीय मानक ब्यूरो, मानक भवन, 9, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110 002, क्षेत्रीय कार्यालयों : नई दिल्ली, कोलकाता, चण्डीगढ़, चेन्नई, मुम्बई तथा शाखा कार्यालयों : अहमदाबाद, बंगलौर, भोपाल, भुवनेश्वर, कोयम्बतूर, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, नागपुर, पटना, पूणे तथा तिरुवनन्तापुरम में बिक्री हेतु उपलब्ध हैं ।

[संदर्भ : डब्ल्यू आर डी/जी-117]

जे. सी. अरोड़ा, वैज्ञा.-एफ एवं प्रमुख जल संसाधन विभाग

MINISTRY OF CONSUMER AFFAIRS, FOOD AND PUBLIC DISTRIBUTION**(Department of Consumer Affairs)****BUREAU OF INDIAN STANDARDS**

New Delhi, the 28th June, 2010

S.O 1809.—In pursuance of clause (b) of sub-rule (1) of Rules (1) of Rule 7 of the Bureau of Indian Standards Rules, 1987, the Bureau of Indian Standards hereby notifies that the Indian Standards, particulars of which is given in the Schedule hereto annexed has been established on the date indicated against it :—

SCHEDULE

Sl. No.	No. and Year of the Indian Standards Established	No. and year of Indian Standards, if any, Superseded by the New Indian Standard	Date of Establishment
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	IS 15797 : 2008 Roop Top Harvesting Rainwater Guidelines	—	31-5-2008

Copy of the Standards is available for sale with the Bureau of Indian Standards, Manak Bhavan, 9, Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110 002 and Regional Offices : New Delhi, Kolkata, Chandigarh, Chennai, Mumbai and also Branch Offices : Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneswar, Coimbatore, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Nagpur, Patna, Pune, Thiruvananthapuram.

[Ref: WRD/G-117]

J. C. ARORA, Sc. F & Head Water Resources Deptt.

नई दिल्ली, 30 जून, 2010

का. आ. 1810.—भारतीय मानक ब्यूरो नियम, 1987 के नियम 7 के उप-नियम (1) के खंड (ख) के अनुसार में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्वारा अधिसूचित करता है कि जिन भारतीय मानकों के विवरण नीचे अनुसूची में दिए गए हैं वे स्थापित हो गए हैं :—

अनुसूची

क्रम संख्या	स्थापित भारतीय मानक की संख्या, वर्ष और शीर्षक	नये भारतीय मानक द्वारा अतिक्रमित भारतीय मानक अथवा मानकों, यदि कोई हो, की संख्या और वर्ष	स्थापित तिथि
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	IS 14452 : 2009/ISO 3758 : 2005 वस्त्रादि—प्रतीकों द्वारा केयर लेबल लगाने की संहिता-विशिष्ट (पहला पुनरीक्षण)	लागू नहीं	सितम्बर, 2009

अब यह भारतीय मानक बिक्री के लिये उपलब्ध होगा।

इस भारतीय मानक की प्रतियाँ भारतीय मानक ब्यूरो, मानक भवन, 9, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110 002, क्षेत्रीय कार्यालयों : नई दिल्ली, कोलकाता, चण्डीगढ़, चेन्नई, मुम्बई तथा शाखा कार्यालयों : अहमदाबाद, बंगलौर, भोपाल, भुवनेश्वर, कोयम्बतूर, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, नागपुर, पटना, पुणे तथा तिरुवनन्तापुरम में बिक्री हेतु उपलब्ध हैं।

[संदर्भ : टीएक्सडी/जी-25]

पी. भटनागर, वैज्ञा. 'एफ' एवं प्रमुख (टीएक्सडी)

New Delhi, the 30th June, 2010

S.O. 1810.—In pursuance of clause (b) of sub-rule (1) of Rules (1) of Rule 7 of the Bureau of Indian Standards Rules, 1987, the Bureau of Indian Standards hereby notifies that the Indian Standards, particulars of which is given in the Schedule hereto annexed has been established on the date indicated against it :—

SCHEDULE

Sl. No.	No. and year of the Indian Standards Established	No. and year of Indian Standards, if any, Superseded by the New Indian Standard	Date of Establishment
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	IS 14452 : 2009/ISO 3758 : 2005 Textiles—Care Labelling Code using Symbols—Specification (First Revision)	Nil	September 2009

Henceforth, this standard will be available for sale.

Copy of the Standards is available for sale with HQ at Bureau of Indian Standards, Manak Bhavan, 9, Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110 002 and its Regional Offices at New Delhi, Kolkata, Chandigarh, Chennai, Mumbai,

684 2254

नई दिल्ली, 13 जुलाई, 2016

प्रश्न 1812—भारतीय मानक ब्यूरो नियम, 1987 के नियम 7 के उप-नियम (1) के खंड (ख) के अनुसार भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा अधिबुधित करता है कि जिन भारतीय मानकों का विवरण नीचे अनुसूची में दिया गया है वे भारत में लागू होंगे—

कृषि	समाप्त भारतीय मानक की खिचक,	नये भारतीय मानक द्वारा अतिरिक्तित	स्थापित करें
संस्कृत	वर्ष और शीर्षक	भारतीय मानक अक्षर मानकों, यदि कोई हो, की संख्या और वर्ष	

(1)	(2)	(3)	(4)
	आइएस/आई एस ओ 15601 : 2003		विद्यमान
	निर्देशक और स्वसन उपकरण ऑक्सीजन में संगतता		
	आईएस/आई एस ओ 13485 : 2003	आई एस ओ 13485 : 2003	परामर्श
	नियंत्रण प्रणाली प्रबंधन प्रणाली नियामिक प्रणाली के लिये अपेक्षाएं		

३. मानकों की प्रतियाँ भारतीय मानक ब्यूरो, मानक भवन, ९, बाल गंगाधर तिलक मार्ग, नई दिल्ली, कोनकाता, बरुडीगढ़, चेन्नई, मुम्बई तथा साखा कार्यालयों, अजमेर, बाराली, बीकानेर, भुवनेश्वर, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, लखनऊ, पटना, पुणे तथा तिरुवनन्तापुरम में भिजाने के व्यवस्था हैं।

संदर्भ : पृष्ठ 101

पक्षीय शक्ति एक एवं प्रमत्त (१)

New Delhi, the 13th July, 1959

5. 1911--In pursuance of clause (b) of sub-rule (1) of Rule 1 of the Bureau of Indian Standards, 1908, the Bureau of Indian Standards hereby notifies that the Indian Standards particulars of which are in the Schedule hereto annexed have been established on the date indicated against each.

Sl. No.	No. and Year of the Indian Standard Established	No. and year of the old Standards if any, Superseded by the New Indian Standard	Date of Establishment
1	IS: 1555-1958	IS: 1555-1958	1958
2	IS: 1555-1958	IS: 1555-1958	1958
3	IS: 1555-1958	IS: 1555-1958	1958
4	IS: 1555-1958	IS: 1555-1958	1958
5	IS: 1555-1958	IS: 1555-1958	1958
6	IS: 1555-1958	IS: 1555-1958	1958
7	IS: 1555-1958	IS: 1555-1958	1958
8	IS: 1555-1958	IS: 1555-1958	1958
9	IS: 1555-1958	IS: 1555-1958	1958
10	IS: 1555-1958	IS: 1555-1958	1958
11	IS: 1555-1958	IS: 1555-1958	1958
12	IS: 1555-1958	IS: 1555-1958	1958
13	IS: 1555-1958	IS: 1555-1958	1958
14	IS: 1555-1958	IS: 1555-1958	1958
15	IS: 1555-1958	IS: 1555-1958	1958
16	IS: 1555-1958	IS: 1555-1958	1958
17	IS: 1555-1958	IS: 1555-1958	1958
18	IS: 1555-1958	IS: 1555-1958	1958
19	IS: 1555-1958	IS: 1555-1958	1958
20	IS: 1555-1958	IS: 1555-1958	1958
21	IS: 1555-1958	IS: 1555-1958	1958
22	IS: 1555-1958	IS: 1555-1958	1958
23	IS: 1555-1958	IS: 1555-1958	1958
24	IS: 1555-1958	IS: 1555-1958	1958
25	IS: 1555-1958	IS: 1555-1958	1958
26	IS: 1555-1958	IS: 1555-1958	1958
27	IS: 1555-1958	IS: 1555-1958	1958
28	IS: 1555-1958	IS: 1555-1958	1958
29	IS: 1555-1958	IS: 1555-1958	1958
30	IS: 1555-1958	IS: 1555-1958	1958
31	IS: 1555-1958	IS: 1555-1958	1958
32	IS: 1555-1958	IS: 1555-1958	1958
33	IS: 1555-1958	IS: 1555-1958	1958
34	IS: 1555-1958	IS: 1555-1958	1958
35	IS: 1555-1958	IS: 1555-1958	1958
36	IS: 1555-1958	IS: 1555-1958	1958
37	IS: 1555-1958	IS: 1555-1958	1958
38	IS: 1555-1958	IS: 1555-1958	1958
39	IS: 1555-1958	IS: 1555-1958	1958
40	IS: 1555-1958	IS: 1555-1958	1958
41	IS: 1555-1958	IS: 1555-1958	1958
42	IS: 1555-1958	IS: 1555-1958	1958
43	IS: 1555-1958	IS: 1555-1958	1958
44	IS: 1555-1958	IS: 1555-1958	1958
45	IS: 1555-1958	IS: 1555-1958	1958
46	IS: 1555-1958	IS: 1555-1958	1958
47	IS: 1555-1958	IS: 1555-1958	1958
48	IS: 1555-1958	IS: 1555-1958	1958
49	IS: 1555-1958	IS: 1555-1958	1958
50	IS: 1555-1958	IS: 1555-1958	1958
51	IS: 1555-1958	IS: 1555-1958	1958
52	IS: 1555-1958	IS: 1555-1958	1958
53	IS: 1555-1958	IS: 1555-1958	1958
54	IS: 1555-1958	IS: 1555-1958	1958
55	IS: 1555-1958	IS: 1555-1958	1958
56	IS: 1555-1958	IS: 1555-1958	1958
57	IS: 1555-1958	IS: 1555-1958	1958
58	IS: 1555-1958	IS: 1555-1958	1958
59	IS: 1555-1958	IS: 1555-1958	1958
60	IS: 1555-1958	IS: 1555-1958	1958
61	IS: 1555-1958	IS: 1555-1958	1958
62	IS: 1555-1958	IS: 1555-1958	1958
63	IS: 1555-1958	IS: 1555-1958	1958
64	IS: 1555-1958	IS: 1555-1958	1958
65	IS: 1555-1958	IS: 1555-1958	1958
66	IS: 1555-1958	IS: 1555-1958	1958

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	ISO 15001:2010 Manufacture and Release of Equipment Compatibility with CE Mark	---	Sept.	2019
2.	ISO 13485:2003 Medical Devices - Quality Management Systems-Requirements - Regulatory Processes	IR-15879:2001	Octob	2019

Shah Zaid Marg, New Delhi-110002 and Regional Offices : New Delhi, Kolkata, Chandigarh, Chennai, Mumbai. Also Branch Offices : Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Ghobaneswar, Coimbatore, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Lucknow, Nagpur, Patna, Pune, Thiruvananthapuram.

[Ref. 1, p. 11]

J. C. ASH KUMAR, Sc. F. & F. C. (C)

कोयला भंडारालय

नई दिल्ली, 14 जुलाई, 2010

का.आ. 1812.- केंद्रीय सरकार को प्रतीत होता है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में उल्लिखित अवस्थिति की भूमियाँ में कोयला अभिस्तरित किए जाने की संभावना है,

अतः अब, केंद्रीय सरकार, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 26) का धारा 4 की धारा 4(1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उस भूमि में कोयले का पूर्वोक्षण करने के अपने आशय की सूचना देती है;

इस अभिसूचना के अन्तर्गत आने वाले रेखांक संख्या ईसीएल/आरजेएमएल/एमओयूजेडए/एनओटीआई/03, तारीख 27 मार्च, 2009 का निरीक्षण उपायुक्त, जिला गोड्डा (झारखण्ड) के कार्यालय में या कोयला नियंत्रक, 1, काउंसिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता-700001 या कार्यालय में या निदेशक तकनीकी (प्रचालन), ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड सांकटोरिया, डाकघर-दिसैरगढ़, जिला बर्दवान (पश्चिमी बंगाल), पिन कोड-713333 के कार्यालय में किया जा सकता है।

इस अभिसूचना के अन्तर्गत आने वाली भूमि में, हितबद्ध सभी व्यक्ति उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (7) में निर्दिष्ट सभी शर्तों, शर्तों और दस्तावेजों का इस अभिसूचना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीख से नब्बे दिन के भीतर निदेशक तकनीकी (प्रचालन), ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, सांकटोरिया, डाकघर-दिसैरगढ़, जिला बर्दवान (पश्चिमी बंगाल), पिन कोड-713333 को भेजेंगे।

अनुसूची

ललमटिया कोयला खनन ब्लॉक (आठवाँ चरण)

जिला गोड्डा, झारखण्ड

रेखांक संख्या ईसीएल/आरजेएमएल/एमओयूजेडए/एनओटीआई/03, तारीख 27 मार्च 2009

क्रम सं.	विषय/प्रान्त	कोयला	ग्राम संख्या	जिला	क्षेत्र हेक्टर में (लगभग)	क्षेत्र एकड़ में (लगभग)	विषय/प्रान्त
1	लोहण्डिया	ललमटिया	45	गोड्डा	85.17	210.46	भूमि
2	लोहण्डिया का-आ	ललमटिया	46	गोड्डा	7.50	18.53	संपूर्ण
		कुल क्षेत्र			92.67	228.99	

कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 द्वारा ललमटिया कोयला खनन ब्लॉक (आठवाँ चरण) के अन्तर्गत अभिस्तरित किए जाने वाले क्षेत्र का सीमा विवरण।

सीमा विवरण : (क. 1 से क. 7)

का. क2 रेखा, जो जिला लोहण्डिया सं. 45 उर्कता मौजा सं. 43 एवं लोहण्डिया मौजा सं. 45 के प्लॉट संख्या 235 एवं 236 के सम्मिलित बिन्दु का से आरंभ होती है और पूर्ववर्ती भारत के राजपत्र में अधिसूचित सं. का.आ. 784 तारीख 8-3-1995 रेखा के साथ मेल खाती है अर्थात् लोहण्डिया मौजा सं. 45 के प्लॉट सं. 236 की उत्तरी सीमा तथा प्लॉट सं. 234, 232 के पश्चिमी एवं उत्तरी सीमा तथा प्लॉट सं. 245, 333 की उत्तरी सीमा तथा प्लॉट सं. 248 के पश्चिमी एवं उत्तरी सीमा तथा प्लॉट सं. 321, 332, 330, 329, 328, 327, 339 की पश्चिमी सीमा और प्लॉट सं. 342 के उत्तरी सीमा तथा प्लॉट सं. 344, 352, 351, 350, 349 और 392 को धुर्गो रस्ता से होकर लोहण्डिया सं. 45 के प्लॉट सं. 348, 392 और 397 (सड़क) के संगम बिन्दु क2 पर मिलती है जो कि पूर्ववर्ती से अधिसूचित रेखाएँ भारत सरकार के राजपत्र में अधिसूचित सं. का.आ. 784 तारीख 8-3-1995 और का.आ. 1285 तारीख 30-5-2001 रेखाओं का सम्मिलित बिन्दु है।

का. क3 रेखा, पूर्व वर्णित बिन्दु क2 से शुरू होकर अधिसूचना रेखा भारत सरकार के राजपत्र में अधिसूचित सं. का.आ. 1285 तारीख 30-5-2001 के साथ है, अर्थात् यह रेखा मौजा लोहण्डिया सं. 45 के प्लॉट सं. 415, 413 के उत्तरी सीमा तथा प्लॉट सं. 412 के पश्चिमी एवं उत्तरी सीमा तथा प्लॉट सं. 410, 409 की उत्तरी सीमा तथा प्लॉट सं. 408 की पश्चिमी सीमा एवं उत्तरी सीमा तथा प्लॉट सं. 407, 443, 460, 461, 467, 468, 454 के उत्तरी सीमा तथा प्लॉट सं. 800 के पश्चिमी एवं उत्तरी सीमा तथा प्लॉट सं. 801, 811 के उत्तरी सीमा होकर प्लॉट सं. 788 (सड़क) को पार करते हुए पुनः प्लॉट सं. 655 के उत्तरी सीमा के साथ जाती है एवं प्लॉट सं. 669, 668, 667 को पार करती है। पुनः यह रेखा प्लॉट सं. 665, 663 की उत्तरी सीमा तथा प्लॉट सं. 681, 682, 683 की पश्चिमी सीमा के साथ होते हुए मौजा लोहण्डिया सं. 45 के प्लॉट सं. 684, 685, 686 एवं 687 के साझा बिन्दु पर स्थित क3 पर मिलती है।

- क3-क4 रेखा, पूर्व वर्णित बिन्दु क3 से शुरू होकर पूर्ववर्ती अधिसूचना रेखा भारत सरकार के राजपत्र में अधिसूचित सं. का.आ. 1285 तारीख 30-5-2001 के साथ जाती है, अर्थात् मौजा लोहण्डिया सं. 45 के प्लॉट सं. 684 की उत्तरी सीमा तथा प्लॉट सं. 758 के पश्चिमी एवं उत्तरी सीमा तथा प्लॉट सं. 754, 755 के उत्तरी सीमा तथा प्लॉट सं. 751 (भाग) के पश्चिमी सीमा के साथ जाकर प्लॉट सं. 751 को पार करते हुए लोहण्डिया मौजा सं. 45 के प्लॉट सं. 747, 746 के उत्तरी सीमा तथा प्लॉट सं. 732 के उत्तरी एवं पश्चिमी सीमा तथा प्लॉट सं. 733 (भाग) के पश्चिमी सीमा एवं 715 के पश्चिमी सीमा एवं उत्तरी सीमा बराबर गुजरते हुए, लोहण्डिया मौजा सं. 45 एवं बसडीहा मौजा सं. 47 की सम्मिलित सीमा के साथ जाती है, साथ ही पूर्ववर्ती अधिसूचित रेखा भारत सरकार के राजपत्र में अधिसूचित सं. का.आ.1285 तारीख 30-5-2001 के साथ मौजा लोहण्डिया सं. 45 एवं बसडीहा मौजा सं. 47 की सम्मिलित सीमा पर बिन्दु क4 पर मिलती है।
- क4-क5 रेखा, लोहण्डिया मौजा सं. 45 एवं बसडीहा मौजा सं. 47 की सम्मिलित सीमा पर स्थित क4 से शुरू होकर लोहण्डिया मौजा सं. 45 एवं बसडीहा मौजा सं. 47 की सम्मिलित सीमा से गुजरते हुए लोहण्डिया मौजा सं. 45, बसडीहा मौजा सं. 47 एवं हररखा मौजा सं. 50 के त्रिसंधि स्तंभ पर स्थित बिन्दु क5 पर मिलती है।
- क5-क6 रेखा, लोहण्डिया मौजा सं. 45 बसडीहा मौजा सं. 47 एवं हररखा मौजा सं. 50 के त्रिसंधि स्तंभ पर स्थित बिन्दु क5 से शुरू होकर मौजा लोहण्डिया सं. 45 एवं हररखा मौजा सं. 50 के सम्मिलित सीमा से गुजरते हुए लोहण्डिया मौजा सं. 45, हररखा मौजा सं. 50 एवं रानीडीह मौजा सं. 53 के त्रिसंधि स्तंभ पर स्थित बिन्दु क6 पर मिलती है।
- क6-क7 यह रेखा लोहण्डिया मौजा सं. 45, हररखा मौजा सं. 50 एवं रानीडीह मौजा सं. 53 के त्रिसंधि स्तंभ पर बिन्दु क6 से शुरू होकर लोहण्डिया मौजा सं. 45 एवं रानीडीह मौजा सं. 53 की सम्मिलित सीमा से गुजरते हुए लोहण्डिया मौजा सं. 45, रानीडीह मौजा सं. 53 एवं डकैता मौजा सं. 44 के त्रिसंधि स्तंभ पर स्थित बिन्दु क7 पर मिलती है।
- क7-क1 रेखा मौजा लोहण्डिया सं. 45, रानीडीह मौजा सं. 53 एवं डकैता मौजा सं. 44 के त्रिसंधि स्तंभ पर बिन्दु क7 से शुरू होकर लोहण्डिया मौजा सं. 45 एवं डकैता मौजा सं. 44 की सम्मिलित सीमा से गुजरते हुए लोहण्डिया मौजा सं. 45, के प्लॉट सं. 218 (सड़क) को पार करती है एवं पुनः प्लॉट सं. 223, 224 के उत्तरी सीमा से गुजरते हुए लोहण्डिया मौजा सं. 45 एवं डकैता मौजा सं. 44 के साथ जाती है एवं अंतिम में मौजा लोहण्डिया सं. 45 एवं डकैता सं. 44 एवं लोहण्डिया मौजा प्लॉट सं. 235 एवं 236 के सम्मिलित बिन्दु पर स्थित बिन्दु क1 पर मिलती है, जोकि पूर्ववर्ती अधिसूचित रेखा भारत सरकार के राजपत्र में अधिसूचित सं. का.आ. 784 तारीख 8.3.1995 पर स्थित है।

नोट : मौजा लोहण्डिया बाजार सं.-46, पूर्ण रूप से मौजा लोहण्डिया सं. 45 के भीतर है।

[फा. सं.-43015/3/2010-पीआरआईडब्ल्यू]

एम. शहाबुद्दीन, अवर सचिव

MINISTRY OF COAL

New Delhi, the 14th July, 2010

S. O. 1812.—Whereas, it appears to the Central Government that coal is likely to be obtained from the lands in the locality mentioned in the Schedule hereto annexed;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisitions and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government hereby gives notice of its intention to prospect for coal therein;

The Plan bearing number ECL/RJML/MOUZA/NOTI/03, dated the 27th March, 2009, of the area covered by this notification can be inspected at the office of the Deputy Commissioner, District Godda (Jharkhand), or at the office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Kolkata - 700 001 or at the office of the Director Technical (Operation), Eastern Coalfields Limited, Sanctoria, P.O. Dishergarh, Dist. Burdwan (West Bengal), Pin Code - 713 333.

All persons interested in the land covered by this notification shall deliver all maps, charts and other documents referred in sub-section (7) of Section 13 of the said Act to the Director Technical (Operation), Eastern Coalfields Limited, Sanctoria, P.O. Dishergarh, Dist.- Burdwan (West Bengal), Pin Code -713 333 within ninety days from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

SCHEDULE

Lalmatia Coal Mining Block (Phase-VIII) District : Godda ; Jharkhand.

Plan number : ECL/RJML/MOUZA/NOTI/03, dated the 27th March, 2009

Sl. No.	Mouza/Village	Thana	Village number	District	Area in Hectares (Approximately)	Area in acres (Approximately)	Remarks
1.	Lohandia	Lalmatia	45	Godda	85.17	210.46	Part
2.	Lohandia Bazar	Lalmatia	46	Godda	7.50	18.53	Full
Total Area					92.67	228.99	

Boundary Description of the area falling in Lalmatia Coal Mining Block (Phase-VIII) being notified under sub-section (I) of Section 4 of the Coal Bearing Area (Acquisition & Development) Act, 1957.

Boundary Description (A 1 to A 7)

- A1-A2** The line starts from the Point A 1 situated at the common point on the common boundary of Mouza Dakaita No. 44 and Mouza Lohandia No. 45 and Plot Nos. 235 & 236 of Mouza Lohandia No. 45 and runs along the earlier Notification line Notified vide S. O. 784 dated 08-03-1995 in the Gazette of Govt. of India i.e. along Northern boundary of Plot No. 236 and Western & Northern boundaries of Plot Nos. 234, 232 and Northern boundary of Plot Nos. 245, 333 and Western & Northern boundaries of Plot No. 248 and Western boundary of Plot Nos. 321, 332, 330, 329, 328, 327, 339 and Northern boundary of Plot No. 342 and Eastern boundary of Plot Nos. 344, 352, 351, 350, 349 and 392 of Mouza Lohandia No. 45 and meets on the Point A2 situated at the junction of Plot No. 348, 392 and 397 (Road) of the Mouza Lohandia No. 45, which is also the common point of the earlier two Notification line Notified vide S.O. 784 dated 08-03-1995 and S.O. 1285 dated 30-05-2001 in the Gazette of Government of India.
- A2-A3** The line starts from the point A2 described above and runs along the earlier notification line notified vide S.O. 1285 dated 30-05-2001 in the Gazette of Govt. of India i.e. along Northern boundary of Plot Nos. 415, 413 Western & Northern boundaries of Plot Nos. 412 & Northern boundary of Plot Nos. 410, 409, Western & Northern boundaries of Plot No. 408, Northern boundary of Plot Nos. 407, 443, 460, 461, 467, 468, 454 and Western & Northern boundaries of Plot No. 800, Northern boundary of Plot Nos. 801, 811 and crosses over Plot No. 788 (Road) and again runs along the Northern boundary of Plot No. 655 and crosses over Plot Nos. 669, 668, 667 and runs along Northern boundary of Plot Nos. 665, 663 and Western boundaries of Plot Nos. 681, 682, 683 of Mouza Lohandia No. 45 and meets on the Point A3 situated at the junction of Plot Nos. 684, 685, 686 and 687 of Mouza Lohandia No. 45.
- A3-A4** The line starts from the point A3 described above and runs along the earlier Notification line, notified vide S.O. 1285 dated 30.05.2001 in the Gazette of Govt of India i.e. along northern boundaries of the Plot No. 684, Western and Northern boundaries of Plot No. 758, Northern boundaries 754, 755 and Western boundary of 751 (Part) of Mouza - Lohandia No. 45 and crosses over the Plot No. 751 and runs along the Northern boundary of Plot Nos. 747, 746 and again runs along the Western & Northern boundaries of Plot No. 732, Western boundary of Plot No. 733 (Part), Western & Northern boundaries of Plot No. 715 of Mouza Lohandia No. 45 and again runs along the Common boundary of Mouza Lohandia No. 45 and Mouza Bansdiha No. 47 as well as earlier Notification line vide Notification No. S.O. 1285 dated 30-05-2001 and the line meets on the point A4 situated on the common boundary of Mouza Lohandia No. 45 and Bansdiha No. 47.
- A4-A5** The line start from the Point A4 situated on the Common boundary of the Mouza Lohandia No. 45 and Mouza Bansdiha No. 47 and runs along the Common boundary of the Mouza Lohandia No. 45 and Mouza Bansdiha No. 47 and meets on the Point A5 situated on the tri-junction pillar of the Mouza Lohandia No. 45 Bansdiha No. 47 and Harrakha No. 50.
- A5-A6** The line starts from the point A5 situated at the tri-junction pillar of the Mouza - Lohandia No. 45, Bansdiha No. 47 and Harrakha No. 50 and runs along the Common boundary of the Mouza - Lohandia No. 45 and Harrakha No. 50 and meets on the Point A6 situated on the tri-junction pillar of the Mouza Lohandia No. 45, Harrakha No. 50 and Ranidiha No. 53.
- A6-A7** The line starts from the Point A6 situated on the tri-junction Pillar of the Mouza Lohandia No. 45, Harrakha No. 50 and Ranidiha No. 53 and runs along the common boundary of Mouza Lohandia No. 45 and Ranidiha No. 53 and meets on the point A7 situated on the tri-junction pillar of the Mouza Lohandia No. 45, Ranidiha No. 53 and Dakaita No. 44.
- A 7 - A1** The line starts from the Point A7 situated on the tri-junction pillar of the Mouza - Lohandia No. 45, Ranidiha No. 53 and Dakaita No. 44 and runs along the common boundary of the Mouza Lohandia No. 45 and Dakaita No. 44 and crosses over the Plot No. 218 (Road) of Mouza Lohandia No. 45 and runs along the Northern boundaries of the Plot Nos. 223, 224 and again runs along the common boundary of the Mouza Lohandia No. 45 and Dakaita No. 44 and eventually meets on Point A1 situated and the common point on common boundary of Mouza - Lohandia No. 45, Dakaita No. 44 and Plot Nos. 235 and 236 of Mouza Lohandia No. 45 and the Point is also situated on the earlier notification line vide notification No. 784 dated 08-03-1995 in the Gazette of India.

Note :— Mouza Lohandia Bazaar No. 46 is fully within the Mouza Lohandia No. 45.

[F. No. 43015/3/2010-PRIW-I]

M. SHAHABUDEEN, Under Secy

नई दिल्ली, 12 जुलाई, 2010

का.आ. 1814.—केन्द्रीय सरकार ने, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उप-धारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. आ. 514 तारीख 16-02-2010, जो भारत के राजपत्र, तारीख 20-02-2010 में प्रकाशित की गई थी, द्वारा उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में मध्यप्रदेश राज्य में बीना संस्थापन से राजस्थान राज्य में कोटा तक पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए बीना-कोटा पाइपलाइन परियोजना के माध्यम से भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा एक पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा की थी;

और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियां जनता को तारीख 24-04-2010 को उपलब्ध करा दी गई थी ;

और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) के अधीन केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है;

और केन्द्रीय सरकार ने, उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् और यह समाधान हो जाने पर कि उक्त भूमि पाइपलाइन बिछाने के लिये अपेक्षित है, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने का विनिश्चय किया है ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में पाइपलाइन बिछाने के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाता है;

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निदेश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार इस घोषणा के प्रकाशन की तारीख को केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय, सभी विल्लंगमों से मुक्त, भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड में निहित होगा ।

अनुसूची

तहसील : अटरू	जिला : बारां	राज्य-राजस्थान	
क्र. सं.	ग्राम का नाम	सर्वे नंबर	क्षेत्रफल हेक्टेयर में
1	2	3	4
1.	अटरू	302	0.0558
		303	0.0270
2.	खेडली बांसला	528	0.1350
		549	0.0216
		550	0.0828

[फा. सं. आर-31015/3/2008-ओआर-II]

ए. गोस्वामी, अवर सचिव

New Delhi, the 12th July, 2010

S.O. 1814.—Whereas by the notification of the Government of India, in the Ministry of Petroleum and Natural Gas, S.O. No. 514, dated the 16-2-2010 issued under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act) published in the Gazette of India dated the 20-2-2010, the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the land specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying a pipeline for transportation of Petroleum Products through Bina-Kota Pipeline Project from Bina terminal in the State of Madhya Pradesh to Kota in the State of Rajasthan by Bharat Petroleum Corporation Limited ;

And whereas, the copies of the said Gazette Notification were made available to the public on the 24-04-2010;

And whereas, the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Central Government;

And whereas the Central Government, after considering the said report and on being satisfied that the said land is required for laying the pipeline, has decided to acquire the right of user therein ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said land, specified in the Schedule, appended to this notification, is hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby directs that the right of user in the said land for laying the pipeline shall, instead of vesting in the Central Government, vest on the date of the publication of this declaration, in Bharat Petroleum Corporation Limited, free from all encumbrances.

SCHEDULE

Tehsil : Atru	District : Baran	State : Rajasthan	
S. No.	Name of Village	Survey No.	Area in Hectare
1	2	3	4
1.	Atru	302	0.0558
		303	0.0270
2.	Khedli Bansla	528	0.1350
		549	0.0216
		550	0.0828

[F. No. R-31015/3/2008-OR-II]

A. GOSWAMI, Under Secy.

नई दिल्ली, 12 जुलाई, 2010

का.आ. 1815.—केन्द्रीय सरकार ने, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उप-धारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. आ. 1886 तारीख 8-7-2009, जो भारत के राजपत्र, तारीख 11-7-2009, में प्रकाशित की गई थी, द्वारा उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में गुजरात राज्य में वाडीनार संस्थापन से मध्यप्रदेश राज्य में बीना तक कच्चे पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए वाडीनार-बीना पाइपलाइन परियोजना के माध्यम से भारत ओमान रिफाइनरीज लिमिटेड द्वारा एक पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा की थी;

और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियां जनता को तारीख 15-9-2009, से तारीख 17-12-2009 के दौरान उपलब्ध करा दी गई थी ;

और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) के अधीन केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है;

और केन्द्रीय सरकार ने, उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात्, और यह समाधान हो जाने पर कि उक्त भूमि पाइपलाइन बिछाने के लिये अपेक्षित है, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने का विनिश्चय किया है ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में पाइपलाइन बिछाने के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाता है ;

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार इस घोषणा के प्रकाशन की तारीख को केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाए, सभी विल्लंगमों से मुक्त, भारत ओमान रिफाइनरीज लिमिटेड में निहित होगा ।

अनुसूची

तहसील : चोटीला जिला : सुरेन्द्रनगर राज्य-गुजरात			
क्र. सं.	ग्राम का नाम	सर्वे नंबर	क्षेत्रफल हेक्टेयर में
1	2	3	4
1.	लाखामांची	96/5 पैकी	00.4325
2.	देवलीया	33/2 पैकी	00.0130
		31/2 पैकी	00.2370
		2/2 पैकी	00.1535
		2/2 पैकी	00.2900
		71/4 पैकी	00.4500

1	2	3	4
3.	थानगढ	225/1	00.1677
		321/1	00.1013
		227/2 पैकी	00.1731
		254/2	00.3769
		233/3	00.1350
		322/1 पैकी	00.3900
4.	रावरानी	13 पैकी	00.1100

[फा. सं. आर-31015/19/2009-ओआर-II]

ए. गोस्वामी, अवर सचिव

New Delhi, the 12th July, 2010

S.O. 1815.—Whereas by a notification of the Government of India, in the Ministry of Petroleum and Natural Gas. No. S. O. 1886, dated the 8-7-2009 issued under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act) published in the Gazette of India dated the 11-7-2009, the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the land specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for the transportation of Crude Oil through Vadinar-Bina Crude Pipeline Project from Vadinar in the State of Gujarat to Bina in the State of Madhya Pradesh by Bharat Oman Refineries Limited ;

And whereas, the copies of the said Gazette Notification were made available to the public during 15-9-2009 to 17-12-2009 ;

And whereas, the Competent Authority has, under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Central Government.

And whereas the Central Government, after considering the said report and on being satisfied that the said land is required for laying the pipeline, has decided to acquire the right of user therein ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said land, specified in the Schedule, is hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby directs that the right of user in the said lands for laying the pipeline shall, instead of vesting in the Central Government, vest on the date of the publication of this declaration, in Bharat Oman Refineries Limited, free from all encumbrances.

SCHEDULE

Tehsil : Chotila District : Surendra Nagar State : Gujarat

S. No.	Name of Village	Survey No.	Area in Hectare
1	2	3	4
1.	Lakhamachi	96/5 P	00.4325
2.	Devaliya	33/2 P	00.0130
		31/2 P	00.2370
		2/2 P	00.1535
		2/2 P	00.2900
		71/4 P	00.4500
3.	Thangadh	225/1	00.1677
		321/1	00.1013
		227/2 P	00.1731
		254/2	00.3769
		233/3	00.1350
		322/1 P	00.3900
4.	Raorani	13 P	00.1100

[F. No. R-31015/19/2009-OR-II]

A. GOSWAMI, Under Secy.

नई दिल्ली, 12 जुलाई, 2010

का.आ. 1816.—केन्द्रीय सरकार ने, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उप-धारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. आ. 2169 तारीख 12-8-2009, जो भारत के राजपत्र, तारीख 15-8-2009, में प्रकाशित की गई थी, द्वारा उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में गुजरात राज्य में वाडीनार संस्थापन से मध्यप्रदेश राज्य में बीना तक कच्चे पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए वाडीनार-बीना पाइपलाइन परियोजना के माध्यम से भारत ओमान रिफाइनरीज लिमिटेड द्वारा एक पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा की थी;

और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियां जनता को तारीख 9-10-2009, से 15-10-2009 के दौरान उपलब्ध करा दी गई थी ;

और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) के अधीन केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है;

और केन्द्रीय सरकार ने, उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् और यह समाधान हो जाने पर कि उक्त भूमि पाइपलाइन बिछाने के लिये अपेक्षित है, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने का विनिश्चय किया है ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा

करती है कि अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में पाइपलाइन बिछाने के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाता है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार इस घोषणा के प्रकाशन की तारीख को केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाए, सभी विल्लंगमों से मुक्त, भारत ओमान रिफाइनरीज लिमिटेड में निहित होगा ।

अनुसूची

तहसील : गोधरा जिला : पंचमहल राज्य-गुजरात

क्र. सं.	ग्राम का नाम	सर्वे नंबर	क्षेत्रफल हेक्टेयर में
1	2	3	4
1.	भीमा	1/52	00.8695
2.	गवाची	1/78	00.0960
3.	अंबाली	233 ए/4	00.0175
		233 ए/5	00.1407
4.	भामैया	72/1	00.1012
		324	00.3300
5.	गोधरा	674	00.1152
		996	00.3642
		1070	00.2910
6.	गोविंदी	188/पैकी 2	00.3300
		188 पैकी	00.1950
		171/पैकी 1	00.1200
		176	00.2250
7.	जाफराबाद	269 पैकी	00.4500
		304	00.2000
		269 पैकी	00.0500
		269 पैकी 3	00.0200
8.	गढ	16/2	00.0200
9.	केवडीया	113/पैकी	00.0471
10.	ओरवाडा	377	00.0696
11.	सालीया	427/बी	00.1500
		140/2	00.0500

[फा. सं. आर-31015/29/2009-ओआर-II]

ए. गोस्वामी, अव. सचिव

New Delhi, the 12th July, 2010

S.O. 1816.—Whereas by a notification of the Government of India, in the Ministry of Petroleum and

Natural Gas No. S. O. 2169, dated the 12-08-2009 issued under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act) published in the Gazette of India dated the 15-08-2009, the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the land specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for transportation of Crude Oil through Vadinar-Bina Crude Pipeline Project from Vadinar in the State of Gujarat to Bina in the State of Madhya Pradesh by Bharat Oman Refineries Limited ;

And whereas, the copies of the said Gazette Notification were made available to the public during 09-10-2009 to 15-10-2009 ;

And whereas, the Competent Authority has, under sub-section (1) of Section 6 the said Act, submitted report to the Central Government.

And whereas the Central Government, after considering the said report and on being satisfied that the said land is required for laying the pipeline, has decided to acquire the right of user therein ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said land, specified in the Schedule, is hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby directs that the right of user in the said land for laying the pipeline shall, instead of vesting in the Central Government, vest on the date of the publication of this declaration, in Bharat Oman Refineries Limited, free from all encumbrances.

SCHEDULE

Tehsil : Godhra District : Panchmahal State : Gujarat

S. No.	Name of Village	Survey No.	Area in Hectare
1	2	3	4
1.	Bhima	1/52	00.8695
2.	Gavachi	1/78	00.0960
3.	Ambali	233/A/4	00.0175
		233/A/5	00.1407
4.	Bhamiya	72/1	00.1012
		324	00.3300
5.	Godhra	674	00.1152
		996	00.3642
		1070	00.2910

1	2	3	4
6.	Govindi	188/P/2	00.3300
		188/P	00.1950
		171/P/1	00.1200
		176	00.2250
7.	Jafrabad	269/P	00.4500
		304	00.2000
		269/P	00.0500
		269/P/3	00.0200
8.	Gadh	16/2	00.0200
9.	Kevadiya	113/P	00.0471
10.	Orvada	377	00.0696
11.	Saliya	427/B	00.1500
		140/2	00.0500

[F. No. R-31015/29/2009-OR-II]

A. GOSWAMI, Under Secy.

नई दिल्ली, 12 जुलाई, 2010

का.आ. 1817.—केन्द्रीय सरकार ने, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उप-धारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. आ. 2487 तारीख 09-09-2009, जो भारत के राजपत्र, तारीख 12-09-2009, में प्रकाशित की गई थी, द्वारा उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में गुजरात राज्य में वाडीनार संस्थापन से मध्य प्रदेश राज्य में बीना तक कच्चे पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए वाडीनार-बीना पाइपलाइन परियोजना के माध्यम से भारत ओमान रिफाइनरीज लिमिटेड द्वारा एक पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन के अपने आशय की घोषणा की थी;

और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियां जनता को तारीख 16-11-2009, से 25-11-2009 के दौरान उपलब्ध करा दी गई थी ;

और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) के अधीन केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है;

और केन्द्रीय सरकार ने, उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो जाने पर कि उक्त भूमि पाइपलाइन बिछाने के लिये अपेक्षित है, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने का विनिश्चय किया है ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में पाइपलाइन बिछाने के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाता है ।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार इस घोषणा के प्रकाशन की तारीख को केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाए, सभी विल्लंगमों से मुक्त, भारत ओमान रिफाइनरीज लिमिटेड में निहित होगा।

अनुसूची

तहसील : लालपुर जिला : जामनगर राज्य-गुजरात			
क्र. सं.	गांव का नाम	सर्वे नंबर	क्षेत्रफल हेक्टेयर में
1	2	3	4
1.	सींगच	137/2	00.0463
		137/3	00.0755
		283 पैकी	00.3600
2.	जांखर	502 पैकी 1	00.0225
		146	00.2242
		145	00.1631
		77/1 पैकी	00.4950

[फा. सं. आर-31015/30/2009-ओआर-II]

ए. गोस्वामी, अवर सचिव

New Delhi, the 12th July, 2010

S.O. 1817.—Whereas by a notification of the Government of India, in the Ministry of Petroleum and Natural Gas. No. S. O. 2487, dated the 9-9-2009 issued under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act) published in the Gazette of India dated the 12-09-2009, the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the land specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for transportation of Crude Oil through Vadinar-Bina Crude Pipeline Project from Vadinar in the State of Gujarat to Bina in the State of Madhya Pradesh by Bharat Oman Refineries Limited;

And whereas, the copies of the said Gazette Notification were made available to the public during 16-11-2009 to 25-11-2009;

And whereas, the Competent Authority has, under sub-section (1) of Section 6 the said Act, submitted report to the Central Government.

And whereas the Central Government, after considering the said report and on being satisfied that the said land is required for laying the pipeline, has decided to acquire the right of user therein;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said land, specified in the Schedule, is hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby directs that the right of user in the said lands for laying the pipeline shall, instead of vesting in the Central Government, vest on the date of the publication of this declaration, in Bharat Oman Refineries Limited, free from all encumbrance.

SCHEDULE

Tehsil : Lalpur District : Jamnagar State : Gujarat

S. No.	Name of Village	Survey No.	Area in Hectare
1	2	3	4
1.	Singach	137/2	00.0463
		137/3	00.0755
		283 Paiki	00.3600
2.	Jankhar	502 Paiki 1	00.0225
		146	00.2242
		145	00.1631
		77/1 Paiki	00.4950

[F. No. R-31015/30/2009-OR-II]

A. GOSWAMI, Under Secy.

नई दिल्ली, 13 जुलाई, 2010

का.आ. 1818.—केन्द्रीय सरकार ने, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उप-धारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. आ. 2486 तारीख 09-09-2009, जो भारत के राजपत्र, तारीख 12-09-2009, में प्रकाशित की गई थी, द्वारा उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में गुजरात राज्य में वाडीनार संस्थापन से मध्यप्रदेश राज्य में बीना तक कच्चे पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए वाडीनार-बीना पाइपलाइन परियोजना के माध्यम से भारत ओमान रिफाइनरीज लिमिटेड द्वारा एक पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा की थी;

और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियां जनता को तारीख 16-11-2009, से 15-12-2009 के दौरान उपलब्ध करा दी गई थी;

और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) के अधीन केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है;

और केन्द्रीय सरकार ने, उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् और यह समाधान हो जाने पर कि उक्त भूमि पाइपलाइन बिछाने के लिये अपेक्षित है, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने का विनिश्चय किया है;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में पाइपलाइन बिछाने के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाता है।

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार इस घोषणा के प्रकाशन की तारीख को केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाए, सभी विल्लंगमों से मुक्त, भारत ओमान रिफाइनरीज लिमिटेड में निहित होगा।

अनुसूची

तहसील : वांकानेर		जिला : राजकोट	राज्य-गुजरात
क्र. सं.	ग्राम का नाम	सर्वे नंबर	क्षेत्रफल हेक्टेयर में
1	2	3	4
1.	कोटडा नायाणी	541/1 674/9 674/10 674/5 674/20	00.2385 00.3125 00.2950 00.2200 00.1250
2.	पीपलीयाराज	60/2 717/1 पैकी 733/12	00.1472 00.2400 00.6060
3.	प्रतापगढ़	76/3 80/2 पैकी	00.2000 00.3050
4.	सोंधावदर	73/1 73/2 77/1/पैकी 615/पैकी 615/पैकी 676 4/2पैकी	00.1041 00.0308 00.0135 00.1136 00.1155 00.2010 00.2100
5.	भोजपरा	36/2	00.3617
6.	राजावडला	249/1 251/4 80/1 77/2पैकी	00.0177 00.1132 00.1713 00.0930

1	2	3	4
7.	लालपर	56/पैकी	00.0342
8.	केराला	90/2 108/3	00.0636 00.0822
9.	रसीकगढ़	123/1 122/4	00.1934 00.0914
10.	पाज	34 83/पैकी 33/2पैकी	00.0527 00.0117 00.0300
11.	दलडी	283/1पैकी	00.2055

[फा. सं. आर-31015/36/2009-ओआर-II]

ए. गोस्वामी, अवर सचिव

New Delhi, the 13th July, 2010

S.O. 1818 .—Whereas by a notification of the Government of India, in the Ministry of Petroleum and Natural Gas, No. S. O. 2486, dated the 09-09-2009 issued under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act) published in the Gazette of India dated the 12-09-2009, the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the land specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for transportation of Crude Oil through Vadinar-Bina Crude Pipeline Project from Vadinar in the State of Gujarat to Bina in the State of Madhya Pradesh by Bharat Oman Refineries Limited;

And whereas, the copies of the said Gazette Notification were made available to the public during 16-11-2009 to 15-12-2009;

And whereas, the Competent Authority has, under sub-section (1) of Section 6 the said Act, submitted report to the Central Government.

And whereas the Central Government, after considering the said report and on being satisfied that the said land is required for laying the pipeline, has decided to acquire the right of user therein;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said land, specified in the Schedule, is hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby directs that the right of user in the said land for laying the pipeline shall, instead of vesting in the Central Government, vest on the date of the publication of

this declaration, in Bharat Oman Refineries Limited, free from all encumbrance.

SCHEDULE

Tehsil : Wankaner District : Rajkot State : Gujarat			
S. No.	Name of Village	Survey No.	Area in Hectare
1	2	3	4
1.	Kotda Nayani	541/1 674/9 674/10 674/5 674/20	00.2385 00.3125 00.2950 00.2200 00.1250
2.	Pipaliyaraj	60/2 717/1 Paiki 733/12	00.1472 00.2400 00.6060
3.	Pratapgadh	76/3 80/2 Paiki	00.2000 00.3050
4.	Sindhavadar	73/1 73/2 77/1 Paiki 615/Paiki 615/Paiki 676 4/2 Paiki	00.1041 00.0308 00.0135 00.1136 00.1155 00.2010 00.2100
5.	Bhojpara	36/2	00.3617
6.	Rajavada	249/1 251/4 80/1 77/2 Paiki	00.0177 00.1132 00.1713 00.0930
7.	Lalpar	56/Paiki	00.0342
8.	Kerala	90/2 108/3	00.0636 00.0822
9.	Rasikgadh	123/1 122/4	00.1934 00.0914
10.	Paj	34 83/Paiki 33/2 Paiki	00.0527 00.0117 00.0300
11.	Daldi	283/1 Paiki	00.2055

[F. No. R-31015/36/2009-OR-II]

A. GOSWAMI, Under Secy.

नई दिल्ली, 14 जुलाई, 2010

का.आ. 1819.—केन्द्रीय सरकार ने, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उप-धारा (1) के अधीन जारी के गई

भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. आ. 2171 तारीख 13-08-2009, जो भारत के राजपत्र, तारीख 15-08-2009, में प्रकाशित की गई थी, द्वारा उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में गुजरात राज्य में वाडीनार संस्थापन से मध्यप्रदेश राज्य में बीना तक कच्चे पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए वाडीनार-बीना पाइपलाइन परियोजना के माध्यम से भारत ओमान रिफाइनरीज लिमिटेड द्वारा एक पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा की थी;

और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियां जनता को तारीख 09-10-2009, से 14-12-2009 के दौरान उपलब्ध करा दी गई थी;

और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) के अधीन केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है;

और केन्द्रीय सरकार ने, उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् और यह समाधान हो जाने पर कि उक्त भूमि पाइपलाइन बिछाने के लिये अपेक्षित है, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने का विनिश्चय किया है;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में पाइपलाइन बिछाने के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाता है;

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार इस घोषणा के प्रकाशन की तारीख को केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाए, सभी विल्लंगमों से मुक्त, भारत ओमान रिफाइनरीज लिमिटेड में निहित होगा।

अनुसूची

तहसील : सावली जिला : वडोदरा राज्य-गुजरात			
क्र. सं.	गांव का नाम	सर्वे नंबर	क्षेत्रफल हेक्टेयर में
1	2	3	4
1	वरसडा	134/1 105/63ए 105/63बी	00.0568 00.0822 00.0267
2	जांबुगोरल	173	00.0175

[फा. सं. आर-31015/22/2009-ओआर-II]

ए. गोस्वामी, अवर सचिव

New Delhi, the 14th July, 2010

S.O. 1819.—Whereas by the notification of the Government of India, in the Ministry of Petroleum and Natural Gas. No. S. O. 2171, dated the 13-08-2009 issued under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act) published in the Gazette of India dated the

15-08-2009, the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the land specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for transportation of Crude Oil through Vadinar-Bina Crude Pipeline Project from Vadinar in the State of Gujarat to Bina in the State of Madhya Pradesh by Bharat Oman Refineries Limited ;

And whereas, the copies of the said Gazette Notification were made available to the public during 09-10-2009 to 14-12-2009 ;

And whereas, the Competent Authority has, under sub-section (1) of Section 6 the said Act, submitted report to the Central Government.

And whereas the Central Government, after considering the said report and on being satisfied that the said land is required for laying the pipeline, has decided to acquire the right of user therein ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said land, specified in the Schedule, is hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby directs that the right of user in the said land for laying the pipeline shall, instead of vesting in the Central Government, vest on the date of the publication of this declaration, in Bharat Oman Refineries Limited, free from all encumbrance.

SCHEDULE

Tehsil : Savli District : Vadodara State : Gujarat

S. No.	Name of Village	Survey No.	Area in Hectare
1	2	3	4
1.	Varsada	134/1 105/63A 105/63B	00.0568 00.0822 00.0267
2.	Jambugoral	173	00.0175

[F. No. R-31015/22/2009-OR-II]

A. GOSWAMI, Under Secy.

नई दिल्ली, 14 जुलाई, 2010

का.आ. 1820.—केन्द्रीय सरकार ने पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उप-धारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. आ. 2167 तारीख 12-08-2009, जो भारत के राजपत्र

तारीख 15-08-2009, में प्रकाशित की गई थी, द्वारा उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में गुजरात राज्य में वाडीनार संस्थापन से मध्य प्रदेश राज्य में बीना तक कच्चे पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए वाडीनार-बीना पाइपलाइन परियोजना के माध्यम से भारत ओमान रिफाइनरीज लिमिटेड द्वारा एक पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा की थी;

और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियां जनता को तारीख 08-10-2009, के दौरान उपलब्ध करा दी गई थी ;

और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) के अधीन केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है;

और केन्द्रीय सरकार ने, उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् और यह समाधान हो जाने पर कि उक्त भूमि पाइपलाइन बिछाने के लिये अपेक्षित है, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने का विनिश्चय किया है ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में पाइपलाइन बिछाने के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाता है;

और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार इस घोषणा के प्रकाशन की तारीख को केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाए, सभी विल्लंगमों से मुक्त, भारत ओमान रिफाइनरीज लिमिटेड में निहित होगा ।

अनुसूची

तहसील : लीमखेड़ा जिला : दाहोद राज्य : गुजरात

क्र. सं.	गांव का नाम	सर्वे नंबर	क्षेत्रफल हेक्टेयर में
1	2	3	4
1.	परपाटा	44/8	00.1458
2.	मानली	418	00.0343
3.	अगारा	177/2	00.0240
4.	प्रतापपुरा	46/2 पैकी 9/पैकी 2 46/पैकी 21	00.0540 00.2355 00.3510
5.	पटवान	7/3 67	00.1520 00.3778
6.	टींबा	7/पैकी 3 7/पैकी 14 13/7 7/पैकी	00.5600 00.2100 00.2560 00.0900

1	2	3	4
		7/4/पैकी	00.2850
		7/पैकी	00.3200
		7/पैकी	00.3000
		7/7/पैकी	00.3060
		7/पैकी	00.4150
		7/4	00.3600
		7/6/पैकी	00.3750
		7/पैकी	00.6150
		7/20/पैकी	00.4200
		7/पैकी	00.2850
		7/पैकी	00.2400
		7/पैकी	00.2100
		7/पैकी	00.2100
		7/पैकी	00.1000
7.	वीसलंगा	88	00.2000
		82/13	00.5000
8.	जाडाखेरीया	92/पैकी	00.7800
		92/22/पैकी 1	00.3300

[फा. सं. आर-31015/26/2009-ओ आर-II]

ए. गोस्वामी, अवर सचिव

New Delhi, the 14th July, 2010

S.O. 1820.—Whereas by a notification of the Government of India, in the Ministry of Petroleum and Natural Gas. No. S. O. 2167, dated the 12-08-2009 issued under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), (hereinafter referred to as the said Act), published in the Gazette of India dated the 15-8-2009 the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the land, specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for the transportation of Crude Oil through Vadinar-Bina Crude Pipeline Project from Vadinar in the State of Gujarat to Bina in the State of Madhya Pradesh by Bharat Oman Refineries Limited ;

And whereas the copies of the said Gazette Notification were made available to the public during 08-10-2009 ;

And whereas, the Competent Authority has, under sub-section (1) of Section 6 the said Act, submitted report to the Central Government.

And whereas the Central Government, after considering the said report and on being satisfied that the said land is required for laying the pipeline, has decided to acquire the right of user therein ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said land, specified in the Schedule, is hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby directs that the right of user in the said land for laying the pipeline shall, instead of vesting in the Central Government, vest on the date of the publication of this declaration, in Bharat Oman Refineries Limited, free from all encumbrances.

SCHEDULE

Tehsil : Limkheda District : Dahod State : Gujarat

S. No.	Name of Village	Survey No.	Area in Hectare
1	2	3	4
1.	Parpata	44/8	00.1458
2.	Manli	418	00.0343
3.	Agara	177/2	00.0240
4.	Pratappura	46/2 Paiki	00.0540
		9/Paiki 2	00.2355
		46/Paiki 21	00.3510
5.	Patwan	7/3	00.1520
		67	00.3778
6.	Timba	7/Paiki 3	00.5000
		7/Paiki 14	00.2100
		13/7	00.2560
		7/Paiki	00.0900
		7/4/Paiki	00.2850
		7/Paiki	00.3200
		7/Paiki	00.3000
		7/7/Paiki	00.3060
		7/Paiki	00.4150
		7/4	00.3600
		7/6/Paiki	00.3750
		7/Paiki	00.6150
		7/20/Paiki	00.4200
		7/Paiki	00.2850
		7/Paiki	00.2400
		7/Paiki	00.2100
		7/Paiki	00.2100
		7/Paiki	00.1000
7.	Vislanga	88	00.2000
		82/13	00.5000
8.	Jadakheriya	92/Paiki	00.7800
		92/22/Paiki/1	00.3300

[F. No. R-31015/26/2009-OR-II]

A. GOSWAMI, Under Secy.

नई दिल्ली, 15 जुलाई, 2010

का.आ. 1821.—केन्द्रीय सरकार को लोकहित में यह आवश्यक प्रतीत होता है कि पारादीप (उड़ीसा) से रायपुर (छत्तीसगढ़) एवं राँची (झारखण्ड) तक पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिये इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा "पारादीप-सम्बलपुर-रायपुर-राँची पाइपलाइन" बिछाई जानी चाहिये;

और केन्द्रीय सरकार को उक्त पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए यह आवश्यक प्रतीत होता है कि ऐसी भूमि, जिसके नीचे पाइपलाइन बिछाई जाने का प्रस्ताव है और जो इस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित है, में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है;

कोई व्यक्ति, जो उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध है, उस तारीख से जिसको भारत के राजपत्र में यथा प्रकाशित इस अधिसूचना की प्रतियां साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं, इक्कीस दिन के भीतर, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने या भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाए जाने के संबंध में श्री सुकांत कुमार प्रधान, सक्षम प्राधिकारी, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, पारादीप-सम्बलपुर-रायपुर-राँची पाइपलाइन परियोजना, 1295, फॉरेस्ट पार्क, भुवनेश्वर-751009 (उड़ीसा) को लिखित रूप में आक्षेप भेज सकेगा।

अनुसूची

तहसील-सम्बलपुर	जिला-सम्बलपुर	राज्य-उड़ीसा		
गांव का नाम	प्लॉट नं.	क्षेत्रफल		
		हेक्टर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5
सम्बलपुर टाउन,	2340	00	00	40
यूनिट-1, भतरा	2425	00	01	70
	2426	00	01	84
	2312	00	01	94
	2424	00	02	56
	2314	00	04	31
	2315	00	02	56
	2432	00	06	57
	2316	00	01	34
	2317	00	00	10
	2496	00	01	85
	2307	00	00	29
	2306	00	01	70
	2303	00	08	00
	2301	00	00	10
	2280	00	03	47
	2304	00	00	94

1	2	3	4	5
सम्बलपुर टाउन,	2279	00	01	20
यूनिट-1, भतरा	2281	00	07	48
	2284	00	02	45
	2285	00	01	12
	2271	00	01	69
	2275	00	01	28
	2274	00	02	56
	2273	00	03	32
	2272	00	00	37
	2265	00	00	66
	2266	00	08	16
	2267	00	00	51
	2240	00	04	63
	2249	00	09	20
	2242	00	00	34
	2243	00	02	00
	2246	00	01	99
	2247	00	00	10
	2244	00	01	25
	2245	00	01	81
	2254	00	02	96
सम्बलपुर टाउन,	2253	00	03	96
यूनिट-2, धनुपालि	2354	00	04	41
	2590	00	00	15
	2351	00	03	63
	2352	00	01	62
	2350	00	01	21
	2349	00	00	40
	2344	00	00	20
	2345	00	00	25
	2346	00	00	80
	2347	00	01	72
	2348	00	02	67
	2365	00	00	66
	2366	00	00	21
	2370	00	05	59
	2338	00	00	10
	2694	00	04	88
	2369	00	00	10
	2373	00	01	21
	2374	00	02	58
	2384	00	01	20
	2375	00	01	82
	2383	00	01	60
	2381	00	00	38
	2380	00	01	40
	2382	00	00	40

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
सम्बलपुर टाउन, यूनिट-2, धनुपालि	2376	00	01	23	झरापालि	392	00	00	10
	2377	00	00	35		84	00	06	18
	2379	00	04	09		92	00	00	82
	2388	00	00	10		97	00	16	50
	2378	00	01	76		424	00	00	10
	2198	00	06	55		123	00	09	10
	2197	00	01	06		367	00	00	36
	2191	00	04	80		121	00	27	81
	2192	00	02	65		349	00	00	81
	2193	00	01	50		450	00	00	65
	2632	00	01	54		117	00	28	39
महानदी 'ख'	74	00	54	21		99	00	22	33
	73	00	72	71		103	00	14	80
	70	00	33	56	चौरपुर	2337	00	12	33
	77	00	40	66		2336	00	00	10
	78	00	44	14		2338	00	01	89
झरापालि	289	00	06	85		2332	00	07	67
	290	00	0	25		2339	00	00	10
	288	00	04	66		2349	00	60	44
	291	00	00	10		2348	00	03	92
	377	00	01	21		2346	00	06	59
	244	00	51	68		2347	00	04	97
	285	00	00	43		2345	00	58	17
	468	00	00	38		2542	00	10	86
	286	00	12	66		2523	00	54	98
	246	00	04	48		2585	00	02	37
	247	00	08	06		2524	00	03	20
	39	00	02	05		2602	00	00	10
	41	00	02	22		2525	00	04	78
	42	00	20	32		2526	00	02	16
	43	00	00	81		2527	00	10	84
	357	00	05	54		2529	00	00	41
	239	00	02	24	बडसिंहारि	331	00	80	75
	233	00	04	50		357	00	02	90
	234	00	10	36		717	00	02	16
	232	00	00	10		716	00	04	35
	231	00	00	77		610	00	00	33
	235	00	00	10		611	00	05	09
	64	00	12	77		612	00	02	35
	63	00	00	39		582	00	00	10
	62	00	04	34		622	00	04	87
	61	00	02	32		577	00	04	18
	56	00	08	32		578	00	04	59
	58	00	19	36		378	00	06	61
	391	00	05	20		377	00	06	16
	57	00	01	10		621	00	02	57
						376	00	03	79

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
बडसिंहारि	564	00	14	49	बडसिंहारि	80	00	03	48
	387	00	01	90		84	00	09	22
	529	00	25	22		83	00	10	75
	528	00	07	56		82	00	37	38
	533	00	00	94		728	00	00	75
	514	00	27	37		729	00	00	90
	515	00	00	10		56	00	00	97
	655	00	10	91		33	00	04	26
	683	00	04	50		30	00	02	46
	715	00	01	42	बसन्तपुर	55	01	41	40
	511	00	01	48		469	00	84	75
	674	00	01	73		384	00	53	36
	673	00	05	54		468	00	38	49
	502	00	14	36		382	00	32	25
	491	00	00	88		14	00	97	06
	490	00	08	08		15	00	07	21
	487	00	04	43		22	00	15	04
	488	00	04	01		27	00	00	95
	489	00	01	07		28	00	16	44
	486	00	03	74		489	00	00	10
	485	00	02	16		490	00	07	93
	591	00	16	24		161	00	06	06
	483	00	05	76		157	00	00	10
	679	00	00	10		630	00	16	71
	472	00	06	26		488	00	00	14
	474	00	04	33		156	00	02	38
	473	00	02	83		487	00	00	17
	428	00	02	56		154	00	00	10
	427	00	08	68		153	00	03	21
	418	00	09	82		165	00	01	09
	419	00	08	72		166	00	01	36
	420	00	03	24		167	00	05	29
	421	00	11	49		628	00	02	29
	422	00	02	32		148	00	01	10
	77	00	07	49		147	00	04	39
	114	00	10	59		146	00	02	80
	113	00	10	10		145	00	06	56
	112	00	11	46		650	00	00	38
	111	00	00	10		144	00	06	34
	110	00	02	76		143	00	05	49
	119	00	02	40		142	00	03	81
	109	00	14	41		188	00	00	17
	108	00	01	64		133	00	16	55
	107	00	00	10		485	00	01	83
						125	00	08	27
						123	00	01	01
						194	00	00	30
						124	00	03	01
						121	00	00	57

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
बसन्तपुर	119	00	04	71	कलामाटी	5684	00	06	70
	118	00	05	25		2177	00	00	62
	117	00	09	06		2185	00	02	56
	484	00	00	21		2184	00	12	92
	206	00	02	90		2182	00	02	95
	207	00	07	73		2183	00	07	64
	113	00	01	67		2196	00	06	86
	112	00	10	76		2198	00	17	99
	92	00	01	05		2160	00	02	72
	91	00	00	98		2204	00	02	95
	90	00	02	01		2203	00	17	05
	89	00	13	38		2225	00	01	84
	88	00	01	72		2221	00	05	34
	87	00	10	92		2218	00	01	62
	86	00	77	46		2219	00	00	10
कलामाटी	5377	00	01	22		2220	00	04	75
	5366	00	19	27		2217	00	00	41
	5368	00	18	29		2216	00	00	10
	5365	00	00	10		2224	00	00	10
	5363	00	11	51					
	5369	00	06	37					
	5370	00	02	46					
	5371	00	13	58					
	5372	00	03	28					
	5373	00	04	02					
	5345	00	01	78					
	5344	00	51	98					
	5346	00	03	93					
	5347	00	01	14					
	5342	00	02	72					
	5343	00	00	76					
	5338	00	14	56					
	5434	00	01	84					
	2344	00	02	08					
	2343	00	04	91					
	2342	00	25	47					
	2341	00	02	17					
	2340	00	08	51					
	2339	00	00	10					
	5629	00	03	74					
	2332	00	03	32					
	2333	00	00	20					
	2331	00	07	33					
	2330	00	03	85					
	2270	00	10	01					
	2117	00	03	98					

[सं. आर-25011/14/2010-ओ. आर.-1]

बी. के. दाता, अवर सचिव

New Delhi, the 15th July, 2010

S.O 1821. Whereas, it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transportation of petroleum products from Paradip (Orissa) to Raipur (Chhattisgarh) & Ranchi (Jharkhand), a "Paradip—Sambalpur—Raipur—Ranchi Pipeline" should be laid by Indian Oil Corporation Limited;

And whereas, it appears to the Central Government that for the purpose of laying the said pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person interested in the land described in the said schedule may, within twenty-one days from the date on which the copies of this notification, as published in the Gazette of India, are made available to the General Public, object in writing to the acquisition of the right of user therein for laying of the pipeline under the land to Sri Sukanta Kumar Pradhan, Competent Authority, Indian Oil Corporation Limited, Paradip—Sambalpur—Raipur—Ranchi Pipeline Project, 1295, Forest Park, Bhubaneswar-751009, (Orissa).

SCHEDULE				
Tehsil : Sambalpur	District : Sambalpur	State : Orissa		
Name of the Village	Plot No.	Area		
		Hectare	Are	Sq. Mtr.
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
Sambalpur Town, Unit-I, Bhatra	2340	00	00	40
	2425	00	01	70
	2426	00	01	84
	2312	00	01	94
	2424	00	02	56
	2314	00	04	31
	2315	00	02	56
	2432	00	06	57
	2316	00	01	34
	2317	00	00	10
	2496	00	01	85
	2307	00	00	29
	2306	00	01	70
	2303	00	08	00
	2301	00	00	10
	2280	00	03	47
	2304	00	00	94
	2279	00	01	20
	2281	00	07	48
	2284	00	02	45
	2285	00	01	12
	2271	00	01	69
	2275	00	01	28
	2274	00	02	56
	2273	00	05	32
	2272	00	00	37
	2265	00	00	66
	2266	00	08	16
	2267	00	00	51
	2240	00	04	63
	2249	00	09	20
	2242	00	00	34
	2243	00	02	00
	2246	00	01	99
	2247	00	00	10
	2244	00	01	25
	2245	00	01	81
	2254	00	02	96

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
Sambalpur Town, Unit-2, Dhanupali	2353	00	03	96
	2354	00	04	41
	2590	00	00	15
	2351	00	03	63
	2352	00	01	62
	2350	00	01	21
	2349	00	00	40
	2344	00	00	20
	2345	00	00	25
	2346	00	00	80
	2347	00	01	72
	2348	00	02	67
	2365	00	00	66
	2366	00	00	21
	2370	00	05	59
	2338	00	00	10
	2694	00	04	88
	2369	00	00	10
	2373	00	01	21
	2374	00	02	58
	2384	00	01	20
	2375	00	01	82
	2383	00	01	60
	2381	00	00	38
	2380	00	01	40
	2382	00	00	40
	2376	00	01	23
	2377	00	00	35
	2379	00	04	09
	2388	00	00	10
	2378	00	01	76
Mahanadhi 'KHA'	2198	00	06	55
	2197	00	01	06
	2191	00	04	80
	2192	00	02	65
	2193	00	01	50
	2632	00	01	54
	74	00	54	21
	73	00	72	71
	70	00	33	56
	77	00	40	66
	78	00	44	14

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
Jharapali	289	00	06	85	Chaurpur	2337	00	12	33
	290	00	10	25		2336	00	00	10
	288	00	04	66		2338	00	01	89
	291	00	00	10		2332	00	07	67
	377	00	01	21		2339	00	00	10
	244	00	51	68		2349	00	60	44
	285	00	00	43		2348	00	03	92
	468	00	00	38		2346	00	06	59
	286	00	12	66		2347	00	04	97
	246	00	04	48		2345	00	58	17
	247	00	08	06		2542	00	10	86
	39	00	02	05		2523	00	54	98
	41	00	02	22		2585	00	02	37
	42	00	20	32		2524	00	03	20
	43	00	00	81		2602	00	00	10
	357	00	05	54		2525	00	04	78
	239	00	02	24		2526	00	02	16
	233	00	04	50		2527	00	10	84
	234	00	10	36		2529	00	00	41
	232	00	00	10	Badsinghari	331	00	80	75
	231	00	00	77		357	00	02	90
	235	00	00	10		717	00	02	16
	64	00	12	77		716	00	04	35
	63	00	00	39		610	00	00	33
	62	00	04	34		611	00	05	09
	61	00	02	32		612	00	02	35
	56	00	08	32		582	00	00	10
	58	00	19	36		622	00	04	87
	391	00	05	20		577	00	04	18
	57	00	01	10		578	00	04	59
	392	00	00	10		378	00	06	61
	84	00	06	18		377	00	06	16
	92	00	00	82		621	00	02	57
	97	00	16	50		376	00	03	79
	424	00	00	10		564	00	14	49
	123	00	09	10		387	00	01	90
	367	00	00	36		529	00	25	22
	121	00	27	81		528	00	07	56
	349	00	00	81		533	00	00	94
	450	00	00	65		514	00	27	37
	117	00	00	39		515	00	00	10
	99	00	22	33		655	00	10	91
	103	00	14	80		683	00	04	50
						715	00	01	42
						511	00	01	48
						674	00	01	73
						673	00	05	54

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
	502	00	14	36		22	00	15	04
	491	00	00	88		27	00	00	95
	490	00	08	08		28	00	16	44
	487	00	04	43		489	00	00	10
	488	00	04	01		490	00	07	93
	489	00	01	07		161	00	06	06
	486	00	03	74		157	00	00	10
	485	00	02	16		630	00	16	71
	591	00	16	24		488	00	00	14
	483	00	05	76		156	00	02	38
	679	00	00	10		487	00	00	17
	472	00	06	26		154	00	00	10
	474	00	04	33		153	00	03	21
	473	00	02	83		165	00	01	09
	428	00	02	56		166	00	01	36
	427	00	08	68		167	00	05	29
	418	00	09	82		628	00	02	29
	419	00	08	72		148	00	01	10
	420	00	03	24		147	00	04	39
	421	00	11	49		146	00	02	80
	422	00	02	32		145	00	06	56
	77	00	07	49		650	00	00	38
	114	00	10	59		144	00	06	34
	113	00	10	10		143	00	05	49
	112	00	11	46		142	00	03	81
	111	00	00	10		188	00	00	17
	110	00	02	76		133	00	16	55
	119	00	02	40		485	00	01	83
	109	00	14	41		125	00	08	27
	108	00	01	64		123	00	01	01
	107	00	00	10		194	00	00	30
	80	00	03	48		124	00	03	01
	84	00	09	22		121	00	00	57
	83	00	10	75		119	00	04	71
	82	00	37	38		118	00	05	25
	728	00	00	75		117	00	09	06
	729	00	00	90		484	00	00	21
	56	00	00	97		206	00	02	90
	33	00	04	26		207	00	07	73
	30	00	02	46		113	00	01	67
	55	01	41	40		112	00	10	76
Basantpur	469	00	84	75		92	00	01	05
	384	00	53	36		91	00	00	98
	468	00	38	49		90	00	02	01
	382	00	32	25		89	00	13	38
	14	00	97	06		88	00	01	72
	15	00	07	21		87	00	10	92
						86	00	77	46

2	3	4	5
5377	00	01	22
5306	00	19	27
5368	00	18	29
5353	00	00	10
5361	00	11	51
5352	00	00	31
5370	00	02	46
5376	00	15	38
5377	00	07	28
5373	00	04	02
5345	00	01	78
5344	00	51	98
5346	00	03	93
5347	00	01	14
5340	00	02	72
5345	00	10	76
5348	00	14	56
5334	00	01	34
2347	00	02	08
2340	00	04	91
2340	00	25	49
2341	00	02	17
3346	00	08	51
3339	00	00	10
36...	00	03	71
3372	00	03	37
2332	00	00	20
2331	00	07	33
2330	00	03	80
2270	00	10	01
2111	00	03	98
5681	00	06	70
2177	00	00	62
2185	00	02	56
2184	00	12	92
2182	00	02	95
2180	00	07	64
2196	00	00	86
2190	00	17	39
2160	00	07	72
2200	00	02	03
2200	00	17	06
2204	00	00	84
2171	00	03	34
2175	00	01	52
2219	00	00	10
2220	00	04	75
2217	00	00	41
2216	00	00	10
2215	00	00	10

23618-250114(2010-OR-1)
B K DATE: 21 July 2010

नई दिल्ली, 15 जुलाई, 2010

का.आ. 1822.—केन्द्रीय सरकार को लोकहित में यह आवश्यक प्रतीत होता है कि पारादीप (उड़ीसा) से रायपुर (छत्तीसगढ़) एवं राँची (झारखण्ड) तक पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिये इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा "पारादीप-सम्बलपुर-रायपुर-राँची पाइपलाइन" बिछाई जानी चाहिये;

और केन्द्रीय सरकार को उक्त पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए यह आवश्यक प्रतीत होता है कि ऐसी भूमि, जिसके नीचे पाइपलाइन बिछाई जाने का प्रस्ताव है और जो इस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित है, में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उनमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है;

कोई व्यक्ति, जो उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध है, उस तारीख से जिसको भारत के राजपत्र में यथा प्रकाशित इस अधिसूचना की प्रतियाँ साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं, इक्कीस दिन के भीतर, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने या भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाए जाने के संबंध में श्री सुकान्त कुमार प्रधान, सक्षम प्राधिकारी, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, पारादीप-सम्बलपुर-रायपुर-राँची पाइपलाइन परियोजना, 1295, फॉरेस्ट गार्ड, भुवनेश्वर-751009 (उड़ीसा) को लिखित रूप में आक्षेप भेज सकेगा।

अनुसूची

तहसील-अनुगुल	जिला-अनुगुल	राज्य-उड़ीसा		
गाँव का नाम	प्लॉट नं.	क्षेत्रफल		
		हेक्टेयर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5
रगुडीयापाडा	856	00	04	71
	857	00	02	12
बडकोरा	147	00	05	49
	143	00	03	14
	144	00	07	20
	134	00	11	45
	133	00	27	78
	130	00	00	10
	180	00	01	25
	181	00	01	42
	182	00	00	90
	189	00	05	03
	190	00	01	74
	191	00	03	96
	185	00	05	04
	194	00	01	83
	64	00	14	89
	34	00	02	45
	53	00	02	92
	22	00	00	54

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
बडकेरा	51	00	10	59	बालुआकटा	177	00	35	22
	57	00	01	28		176	00	03	67
	50	00	03	56		173	00	02	42
	2	00	10	23		174	00	11	16
सबलभंगा	252	00	01	12		172	00	18	69
जंगल	251	00	08	27		171	00	01	18
	249	00	03	79		169	00	12	81
	214	00	06	94		179	00	00	30
	216	00	00	36		168	00	04	44
	217	00	13	82		155	00	01	87
	222	00	22	33		144	00	05	10
	221	00	00	45		143	00	08	99
	223	00	00	10		138	00	08	14
	476	00	03	56		136	00	13	11
	153	00	01	20		134	00	02	59
	123	00	01	20		135	00	03	13
	122	00	01	16		117	00	21	91
	121	00	01	11		119	00	02	04
	44	00	02	01		26	00	08	37
	45	00	23	86		27	00	08	36
	46	00	01	35		25	00	00	30
	50	00	11	06		24	00	02	61
	49	00	04	04		23	00	07	39
	105	00	05	97		1592	00	00	10
	57	00	02	80		22	00	07	68
	58	00	08	62		36	00	14	91
	496	00	03	61		40	00	09	50
	495	00	07	11		42	00	08	15
	56	00	03	28		47	00	13	62
बालुआकटा	1098	00	03	88		46	00	01	08
	1097	00	11	76		45	00	00	51
	1068	00	00	87	बलरामपुर	776	00	00	20
	1063	00	10	51		775	00	00	38
	1062	00	01	78		752	00	03	81
	1003	01	16	84		751	00	01	89
	1061	00	08	68		750	00	00	10
	1058	00	09	18		745	00	00	53
	1052	00	10	02		744	00	00	64
	1028	00	01	14		743	00	00	75
	1029	00	00	21		741	00	00	36
	1057	00	16	08		632	00	00	48
	1010	00	10	99		631	00	02	84
	1007	00	07	26		630	00	00	10
	1002	00	04	93		608	00	03	82
	998	00	03	54		609	00	02	24
	185	00	05	91		610	00	00	77
	184	00	02	36		611	00	01	77

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
बलरामपुर	626	00	00	90	बलरामपुर	397	00	07	79
	625	00	00	68		399	00	00	10
	614	00	01	33		398	00	00	40
	612	00	01	57		401	00	00	10
	613	00	02	71		1266	00	00	10
	592	00	00	21		385	00	13	59
	591	00	03	75		278	00	29	26
	589	00	02	37		279	00	06	31
	585	00	00	90		1318	00	04	02
	508	00	00	32		254	00	01	83
	588	00	04	17		1316	00	00	10
	569	00	00	40		1315	00	04	56
	509	00	01	35		248	00	00	70
	1268	00	00	81		1314	00	00	02
	587	00	02	37		253	00	05	18
	526	00	00	40		252	00	07	37
	525	00	02	03		251	00	18	06
	527	00	00	39		212	00	01	13
	528	00	00	50		211	00	00	62
	529	00	00	45	श्यामसुन्दरपुर	1848	00	05	09
	530	00	01	38		1849	00	68	27
	522	00	00	36		1826	00	00	10
	531	00	02	87		1823	00	01	12
	521	00	02	25		1820	00	01	02
	447	00	00	65		1819	00	03	49
	446	00	02	06		1816	00	03	08
	448	00	02	83		1811	00	03	45
	450	00	01	83		1810	00	03	31
	449	00	00	10		1805	00	00	52
	445	00	02	86		2126	00	00	44
	444	00	11	10		2193	00	00	65
	411	00	02	02		1794	00	00	10
	412	00	00	62		1793	00	01	51
	410	00	06	49		1792	00	00	72
	409	00	00	17		1791	00	01	52
	408	00	00	80		1789	00	01	81
	407	00	01	68		1788	00	02	29
	533	00	00	20		1790	00	02	49
	406	00	10	17		1787	00	02	11
	389	00	00	10		1784	00	01	21
	390	00	00	16		1783	00	00	39
	391	00	00	50		1781	00	00	26
	393	00	01	94		1771	00	00	71
	394	00	00	81		1773	00	00	16
	405	00	00	12		1782	00	00	81
	395	00	00	16		1777	00	00	71
	396	00	00	65		1778	00	00	10

New Delhi: 1st September, 1955.

REGD 18122. Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transportation of petroleum products from Paradip (Orissa) to Raipur (Chhattisgarh) and for the (Balkhand), a pipeline—Sambalpur—Raipur—Balkhand—Line" should be laid by Indian Oil Corporation Limited.

And whereas, it appears to the Central Government that for the purpose of laying an oil pipeline, it is necessary to acquire the rights in the land described in the schedule annexed to this order.

Now, therefore, the Central Government, conferred with the sanction (1) of the Ministry of Petroleum and Mines and Pipelines (Acquisition of Land) (General Land) and (2) of the Ministry of Petroleum and Mines hereby declares its intention to acquire the land described herein;

Any person interested in the land described in the said schedule may, within six months from the date on which the copies of this order are published in the Gazette of India, are made available to the General Public, or put in writing to the undersigned in the name of user for laying of the pipeline from Paradip to Sri Jagdish Kumar Pradhan, Commissioner, Indian Oil Corporation Limited, Paradip—Bengal—Raipur—Balkhand Pipeline Project, 1295, Forest Park, New Delhi-11009, (Orissa).

Schedule.

Tehsil, Angul	Dist. of Angul	Block No.	Area in Sq. Mtr.	Area in Sq. Mtr.
Name of the Village	Dist.	Block No.	Area in Sq. Mtr.	Area in Sq. Mtr.
1	2	3	4	5
Ragurapara	88	1	71	71
	88	2	12	12
Banahara	107	1	49	49
	143	1	14	14
	144	1	20	20
	154	1	45	45
	155	1	78	78
	156	1	10	10
	157	1	25	25
	158	1	42	42
	159	1	90	90
	160	1	63	63
	161	1	74	74
	162	1	96	96
	163	1	64	64
	164	1	83	83
	165	1	59	59
	166	1	45	45
	167	1	92	92
	168	1	34	34
	169	1	89	89
	170	1	28	28
	171	1	56	56
	172	1	23	23

1	2	3	4	5
Sabalabhang	252	00	01	12
Jangal	251	00	08	27
	249	00	03	79
	214	00	06	94
	216	00	00	36
	217	00	13	82
	222	00	22	33
	221	00	00	45
	223	00	00	10
	476	00	03	56
	153	00	01	20
	123	00	01	20
	122	00	01	16
	121	00	01	11
	44	00	02	01
	45	00	23	86
	46	00	01	35
	50	00	11	06
	49	00	04	04
	105	00	05	97
	57	00	02	80
	58	00	08	62
	496	00	03	61
	495	00	07	11
	56	00	03	28
Baluakata	1098	00	03	88
	1097	00	11	76
	1068	00	00	87
	1063	00	10	51
	1062	00	01	78
	1003	01	16	84
	1061	00	08	68
	1058	00	09	18
	1052	00	10	02
	1028	00	01	14
	1029	00	00	21
	1057	00	16	08
	1010	00	10	99
	1007	00	07	26
	1002	00	04	93
	998	00	03	54
	185	00	05	91
	184	00	02	36
	177	00	35	22
	176	00	03	67
	173	00	02	42
	174	00	11	16
	172	00	18	60
	171	00	01	18
	169	00	12	81
	179	00	00	30
	168	00	04	44
	155	00	01	87

	2	3	4	5		1	2	3	4	5
Baluakata	144	00	05	10	Balaramapur	525	00	02	03	
	143	00	08	99		527	00	00	39	
	138	00	08	14		528	00	00	50	
	136	00	13	11		529	00	00	45	
	134	00	02	59		530	00	01	38	
	135	00	03	13		522	00	00	36	
	117	00	21	01		531	00	02	87	
	119	00	02	04		521	00	02	25	
	26	00	08	37		447	00	00	61	
	27	00	08	36		446	00	02	06	
	25	00	00	30		448	00	02	83	
	24	00	02	61		450	00	01	83	
	23	00	07	30		449	00	00	10	
	1592	00	00	10		445	00	02	86	
	22	00	07	68		444	00	11	10	
	36	00	14	91		411	00	02	02	
	40	00	09	50		412	00	00	62	
	42	00	08	15		410	00	06	29	
	47	00	13	62		409	00	00	17	
	46	00	01	08		408	00	00	80	
	45	00	00	51		407	00	01	68	
Balaramapur	776	00	00	20		337	00	00	20	
	775	00	00	38		406	00	10	17	
	752	00	03	81		389	00	00	10	
	751	00	01	89		390	00	00	16	
	750	00	00	10		391	00	00	50	
	745	00	00	53		393	00	01	94	
	744	00	00	64		394	00	00	81	
	743	00	00	73		405	00	00	12	
	741	00	00	30		395	00	00	16	
	632	00	00	48		396	00	00	65	
	631	00	02	84		397	00	07	79	
	630	00	00	10		399	00	00	10	
	608	00	03	82		398	00	00	40	
	609	00	02	24		401	00	00	10	
	610	00	00	77		1266	00	00	16	
	611	00	01	77		385	00	13	39	
	626	00	00	90		278	00	29	26	
	625	00	00	68		279	00	06	31	
	614	00	01	33		1318	00	04	02	
	612	00	01	57		284	00	01	83	
	613	00	02	71		1316	00	00	10	
	592	00	00	21		1315	00	01	55	
	591	00	03	75		248	00	00	70	
	589	00	02	37		1314	00	00	62	
	585	00	00	90		253	00	05	18	
	508	00	00	32		252	00	07	37	
	588	00	04	17		251	00	18	06	
	569	00	00	40		212	00	01	13	
	509	00	01	35		211	00	00	62	
	1268	00	00	81	Syamasundarpur	1848	00	03	09	
	587	00	02	37		1849	00	68	27	
	526	00	00	40		1826	00	00	10	

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Syamasundarpur									
	220	00	02	09	Tumuni	900	00	06	85
	218	00	08	51		901	00	06	85
	121	00	22	11		903	00	04	56
	217	00	06	25		904	00	03	74
	122	00	03	36		907	00	07	32
	119	00	05	16		905	00	00	10
	125	00	00	63		906	00	06	65
	127	00	00	10		911	00	13	79
	129	00	30	04		916	00	07	92
	117	00	01	73		877	00	01	08
	118	00	00	10		875	00	11	02
	116	00	03	96		868	00	10	19
	115	00	02	51		874	00	03	56
	114	00	03	11		869	00	16	15
	112	00	03	33		870	00	05	49
	111	00	02	75		785	00	17	88
	99	00	12	49		782	00	00	80
	98	00	03	67		781	00	19	57
	97	00	11	68		780	00	06	04
	96	00	04	34		779	00	03	12
	95	00	08	24		667	00	05	16
	94	00	06	88		242	00	03	85
	93	00	14	29		261	00	00	61
	92	00	09	26		247	00	00	30
	91	00	02	03		248	00	18	10
	90	00	00	10		249	00	01	06
	89	00	00	10		239	00	09	23
	104	00	00	10		250	00	06	73
	985	00	21	17		237	00	11	00
	981	00	02	49		235	00	00	10
	984	00	00	10		232	00	18	48
	982	00	07	94		225	00	00	33
	980	00	27	47		216	00	03	26
	979	00	03	17		224	00	08	77
	978	00	05	97		206	00	09	91
	977	00	06	98		177	00	08	52
	976	00	04	41		176	00	02	90
	974	00	02	43		182	00	09	88
	975	00	05	34		181	00	00	10
	969	00	06	18		183	00	04	87
	968	00	06	97		185	00	06	85
	970	00	05	71		186	00	03	25
	935	00	04	55		4788	00	04	26
	936	00	02	47		4674	00	18	17
	938	00	09	02		4673	00	04	36
	939	00	06	14		4670	00	01	11
	940	00	11	15		4671	00	00	95
	947	00	00	80		4672	00	03	23
	946	00	10	66		4665	00	04	88
	945	00	00	18		4664	00	03	93
	896	00	13	38		4661	00	00	10
	897	00	00	54		4666	00	00	20
	898	00	05	14		4787	00	00	10
			18	45					

Chheliapara

[No. R-25011/15/2010-OR-1]

B. K. DUTTA, Under Secy.

नई दिल्ली, 15 जुलाई, 2010

का.आ. 1823.—केन्द्रीय सरकार को लोकहित में यह आवश्यक प्रतीत होता है कि पारादीप (उड़ीसा) से रायपुर (छत्तीसगढ़) एवं राँची (झारखण्ड) तक पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिये इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा "पारादीप-सम्बलपुर-रायपुर-राँची पाइपलाइन" बिछाई जानी चाहिये;

और केन्द्रीय सरकार को उक्त पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए यह आवश्यक प्रतीत होता है कि ऐसी भूमि, जिसके नीचे पाइपलाइन बिछाई जाने का प्रस्ताव है और जो इस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित है, में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उनमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है;

कोई व्यक्ति, जो उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध है, उस तारीख से जिसको भारत के राजपत्र में यथा प्रकाशित इस अधिसूचना की प्रतियां साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं, इक्कीस दिन के भीतर, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने या भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाए जाने के संबंध में श्री सुकांत कुमार प्रधान, सक्षम प्राधिकारी, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, पारादीप-सम्बलपुर-रायपुर-राँची पाइपलाइन परियोजना, 1295, फॉरेस्ट पार्क, भुवनेश्वर-751009 (उड़ीसा) को लिखित रूप में आक्षेप भेज सकता है।

अनुसूची

तहसील-बैंरपाल	जिला-अनुगुल	राज्य-उड़ीसा		
गांव का नाम	प्लॉट नं.	क्षेत्रफल		
		हेक्टर	एयर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5
तलाहलि	789	00	17	61
	788	00	00	94
	475	00	11	64
	477	00	01	01
	476	00	01	81
	478	00	05	43
	479	00	03	85
	484	00	00	68
	483	00	01	33
	480	00	04	14
	481	00	07	59
	482	00	00	62

1	2	3	4	5
तलाहलि	466	00	04	16
	467	00	00	69
	465	00	08	81
	464	00	01	46
	459	00	03	53
	460	00	04	79
	461	00	03	24
	462	00	00	74
	463	00	04	38
	340	00	38	85
	1	00	13	68
	339	00	00	86
	338	00	01	00
	337	00	00	72
पुरुकीया	658	00	01	39
	657	00	05	39
	659	00	04	50
	653	00	03	56
	654	00	03	35
	648	00	08	45
	643	00	11	14
	647	00	06	27
	646	00	05	23
	635	00	13	38
	631	00	09	74
	630	00	04	48
	629	00	04	86
	628	00	02	23
	627	00	12	09
	571	00	02	34
	478	00	00	36
	480	00	14	57
	479	00	01	26
	482	00	11	53
	456	00	13	55
	430	00	06	32
	429	00	00	89
	432	00	00	61
	434	00	02	49
	435	00	05	66
	405	00	00	46
	824	00	04	01
	404	00	28	92

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
पुरुकिया	388	00	25	11	बारासिया	945	00	00	10
	382	00	03	75		946	00	07	85
	20	00	02	94		950	00	01	44
	14	00	00	95		948	00	13	50
	13	00	28	79		947	00	00	10
	8	00	13	80		960	00	06	65
	1	00	13	38		961	00	05	22
	25	00	01	76		1058	00	00	52
	28	00	17	26		1059	00	04	44
	35	00	17	03		1061	00	03	94
	36	00	10	56		1062	00	05	64
अराहाट	577	00	33	90		1253	00	02	23
	578	00	10	87		1255	00	12	81
	572	00	16	44		1256	00	03	45
	1969	00	00	55		1254	00	00	31
	1970	00	15	05		1252	00	07	27
	571	00	01	06		1246	00	01	20
	570	00	08	10		1245	00	00	80
	566	00	00	10		1244	00	00	90
	569	00	05	91		1208	00	01	95
	568	00	04	44		1211	00	5	47
	591	00	01	72		1213	00	04	70
	628	00	16	61		1214	00	05	00
	627	00	02	59		1215	00	00	44
	621	00	10	49		1217	00	17	79
	620	00	09	96		1224	00	04	03
	595	00	07	14		1318	00	05	55
	596	00	09	34	अंगारबंद	1886	00	06	30
	597	00	14	23		3301	00	00	70
	598	00	08	20		3304	00	00	98
	600	00	03	76		3303	00	05	91
	599	00	09	36		3302	00	00	44
	750	00	01	12		3348	00	20	27
	432	00	04	83		3341	00	04	39
	752	00	07	32		3343	00	05	83
	751	00	00	10		3462	00	10	14
	753	00	04	55		3461	00	03	84
	754	00	05	53		3424	00	03	16
	755	00	00	46		4102	00	04	52
	138	00	11	81		3425	00	01	71
	1942	00	05	16		4101	00	01	90
	759	00	03	02		3427	00	03	79
	136	00	01	11		3428	00	00	10
	135	00	01	48					

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
अंगारबन्ध	3429	00	01	01	अंगारबन्ध	2716	00	01	67
	3431	00	02	20		2761	00	00	65
	3927	00	00	77		2715	00	01	67
	3432	00	02	12		2714	00	02	28
	3928	00	00	77		2762	00	01	84
	3926	00	01	93		2713	00	02	69
	3433	00	01	93		2767	00	01	38
	3434	00	00	24		2712	00	03	30
	2971	00	01	67		2765	00	04	94
	2970	00	03	70		2620	00	01	21
	2969	00	02	25		2438	00	00	77
	2968	00	00	10		2437	00	02	67
	3922	00	01	50		2436	00	04	05
	3924	00	00	50		2434	00	02	80
	2959	00	00	10		2431	00	02	48
	3558	00	00	27		2430	00	03	54
	2944	00	00	50		4071	00	00	10
	2958	00	02	48		2427	00	03	65
	2943	00	01	85		2425	00	00	10
	3921	00	00	12		2424	00	00	10
	3557	00	01	76		2423	00	00	29
	2942	00	00	80		2422	00	00	33
	2940	00	02	00		3651	00	01	08
	2938	00	00	25		3650	00	00	70
	2941	00	00	92		3649	00	00	79
	2890	00	01	79		2421	00	04	74
	2736	00	01	97		3652	00	03	15
	2737	00	01	29		2366	00	05	74
	2735	00	01	71		2385	00	11	92
	2734	00	00	10		2378	00	04	19
	2738	00	01	05		2382	00	00	99
	2740	00	00	34		2381	00	03	88
	2739	00	03	87		2380	00	06	32
	2741	00	01	90		3969	00	08	33
	2742	00	01	94		2379	00	00	76
	2732	00	00	10		2184	00	00	10
	2743	00	01	60		4175	00	00	22
	2746	00	04	18		2181	00	00	32
	2745	00	00	27		2182	00	03	46
	2747	00	02	02		2185	00	03	13
	2751	00	01	89		2186	00	06	23
	2749	00	01	22		2193	00	05	38
	2750	00	03	31		2197	00	02	31

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
अंगारबन्ध	2198	00	00	94	अंगारबन्ध	331	00	12	44
	2199	00	02	53		358	00	08	30
	2156	00	01	97		334	00	03	88
	2155	00	04	69		341	00	04	02
	2153	00	00	10		340	00	12	62
	2154	00	02	16		336	00	09	92
	1021	00	02	98		339	00	00	38
	1022	00	01	02		337	00	00	40
	1020	00	04	51		288	00	02	06
	976	00	00	10		287	00	05	54
	1019	00	00	17		286	00	12	27
	3839	00	04	73	कंगुला	11447	00	06	46
	987	00	01	22		11446	00	07	54
	4146	00	03	77		11448	00	01	62
	988	00	00	95		13287	00	01	34
	991	00	00	09		13478	00	01	42
	992	00	05	72		13479	00	00	10
	993	00	00	17		13473	00	15	37
	996	00	08	76		13472	00	00	12
	994	00	00	10		13471	00	02	47
	995	00	11	68		13291	00	06	76
	1008	00	01	03		13292	00	01	73
	1007	00	11	87		13293	00	07	51
	1006	00	00	19		13306	00	00	69
	1031	00	01	89		13310	00	01	68
	1030	00	01	23		13311	00	02	91
	1032	00	05	01		13314	00	01	18
	926	00	02	07		13315	00	00	62
	916	00	00	81		13312	00	00	37
	917	00	07	65		13313	00	01	90
	912	00	07	28		13316	00	00	10
	4114	00	02	71		13317	00	06	23
	913	00	05	83		13318	00	00	10
	4179	00	07	53		13272	00	12	90
	910	00	01	77		12840	00	09	15
	911	00	12	73		12839	00	00	54
	907	00	13	33		12838	00	02	86
	906	00	08	26		12837	00	15	65
	905	00	72	83		12834	00	04	37
	370	00	00	13		12833	00	04	11
	3901	00	01	92		12860	00	01	27
	368	00	00	10		12861	00	14	04
	369	00	23	21		14599	00	00	12

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
कंगुला	14600	00	00	71	कंगुला	12246	00	06	30
	14601	00	02	13		12247	00	03	07
	12862	00	00	87		12250	00	02	68
	12817	00	07	88		13665	00	22	93
	14698	00	03	07		12285	00	06	73
	12816	00	01	29		12276	00	01	73
	12818	00	04	73		12277	00	03	19
	12815	00	00	45		12275	00	03	83
	14686	00	01	32		12269	00	00	10
	12814	00	11	33		12270	00	04	45
	12813	00	03	71		12268	00	00	34
	14356	00	06	94		12260	00	09	68
	12807	00	04	96		12263	00	07	24
	12806	00	07	94		12262	00	03	54
	13822	00	00	20	जुकुव	706	00	01	24
	12808	00	37	78		700	00	02	10
	12602	00	00	10		701	00	02	69
	12601	00	02	29		702	00	01	67
	12598	00	02	60		703	00	00	10
	12597	00	09	76		698	00	01	90
	12590	00	00	10		697	00	02	92
	12592	00	02	96		696	00	05	20
	12593	00	05	43		695	00	03	20
	12595	0	06	97		694	00	01	67
	12594	00	04	37		646	00	00	97
	12624	00	00	50		677	00	02	98
	12625	00	00	10		678	00	02	93
	12499	00	03	16		679	00	04	89
	12500	00	02	83		673	00	00	10
	12495	00	07	40		671	00	01	25
	12496	00	08	17		680	00	00	19
	12497	00	10	89		670	00	03	75
	12399	00	00	38		669	00	03	68
	12398	00	04	00		668	00	00	10
	12397	00	04	99		666	00	01	19
	12396	00	04	47		667	00	00	98
	12395	00	01	99		665	00	00	65
	12394	00	04	38		661	00	03	53
	12242	00	01	89		660	00	00	14
	12243	00	08	42		662	00	02	61
	12244	00	01	20		622	00	04	43
	12245	00	07	29		621	00	00	22
	12315	00	01	94		614	00	01	93

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
उत्तर	613	00	01	13	उत्तर	187	00	01	52
	615	00	00	23		177	00	00	66
	612	00	02	03		174	00	00	97
	611	00	01	30		175	00	02	07
	609	00	00	72		176	00	00	52
	610	00	01	55		164	00	05	31
	607	00	00	18		162	00	00	20
	466	00	00	68		163	00	01	05
	467	00	01	99		119	00	08	49
	468	00	00	44		120	00	01	08
	461	00	01	83		116	00	01	73
	462	00	00	53		118	00	01	78
	460	00	02	38		121	00	00	10
	459	00	01	66		117	00	02	13
	447	00	00	30		65	00	03	60
	458	00	00	10		71	00	00	10
	448	00	02	61		66	00	08	33
	449	00	00	26		60	00	00	10
	446	00	00	10		67	00	03	21
	431	00	02	33		68	00	00	15
	432	00	01	49		53	00	10	55
	433	00	01	82		15	00	00	44
	434	00	05	71		14	00	00	10
	435	00	02	40		11	00	05	14
	408	00	00	31		10	00	01	27
	437	00	00	24		12	00	01	53
	436	00	01	43		9	00	03	03
	407	00	02	41		8	00	00	17
	406	00	01	37	डेराजंग	2294	00	00	25
	1612	00	02	87		2293	00	03	32
	390	00	03	82		2292	00	03	28
	392	00	00	42		2291	00	03	26
	391	00	01	98		2290	00	04	60
	389	00	00	77	मराठिवा	1522	00	02	22
	223	00	03	50		1523	00	04	32
	225	00	05	94		1524	00	07	30
	222	00	00	26		1521	00	02	10
	224	00	02	43		1525	00	00	12
	221	00	00	10		1527	00	04	62
	203	00	01	09		1526	00	03	48
	185	00	02	44		1621	00	05	63
	184	00	04	12		1622	00	02	66
	186	00	00	75		1623	00	01	50

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
मराठिरा	1624	00	00	92	मराठिरा	1720	00	01	02
	1625	00	01	38		1719	00	01	58
	1617	00	03	38		1718	00	02	24
	1629	00	03	01		1714	00	00	10
	1632	00	01	44		1717	00	00	20
	1628	00	02	39		1716	00	01	67
	1633	00	00	80		1715	00	01	22
	1634	00	00	24		1713	00	02	76
	1635	00	02	68		1712	00	04	74
	1636	00	01	73		1705	00	00	10
	1492	00	02	38		1703	00	05	78
	1637	00	02	74		1700	00	00	10
	1638	00	08	32		2072	00	01	71
	1639	00	00	10		2071	00	01	28
	1640	00	00	10		2070	00	03	79
	1645	00	02	51		2065	00	00	10
	1643	00	00	66		2064	00	02	88
	1644	00	02	08		2063	00	01	26
	1646	00	04	99		2060	00	00	20
	1816	00	00	10		2078	00	03	16
	1769	00	02	73		2079	00	05	00
	1768	00	00	18		2080	00	01	71
	1767	00	02	81		2081	00	03	44
	1762	00	03	71		2082	00	02	59
	1763	00	01	11		2086	00	00	84
	1764	00	03	98		2084	00	00	10
	1664	00	01	74		2085	00	01	18
	1745	00	00	10		2134	00	04	30
	1744	00	00	40		445	00	00	10
	1742	00	00	54		444	00	05	94
	1741	00	00	73		443	00	02	09
	1740	00	01	03		442	00	00	10
	1739	00	01	43		441	00	06	85
	1738	00	00	90		439	00	00	10
	1729	00	01	15		2135	00	12	64
	1728	00	00	21		2136	00	02	58
	1766	00	00	34		2141	00	52	32
	1727	00	01	62	संतगापुर	636	00	11	71
	1726	00	02	07		637	00	00	10
	1725	00	02	36		609	00	18	09
	1723	00	00	10		617	00	00	13
	1722	00	00	18		618	00	00	81
	1721	00	00	57		619	00	01	09

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
संतरापुर	616	00	01	58	संतरापुर	245	00	02	57
	615	00	02	00		251	00	00	36
	614	00	00	49		250	00	02	40
	612	00	00	94		249	00	01	13
	1329	00	01	62		247	00	03	53
	613	00	01	25		248	00	01	54
	507	00	05	04		44	00	00	20
	620	00	08	44	जरडा	3414	00	00	67
	621	00	00	83		3419	00	02	94
	622	00	01	60		3420	00	02	00
	506	00	00	85		3421	00	00	63
	623	00	00	15		3423	00	04	23
	208	00	12	42		3424	00	04	95
	207	00	00	14		3426	00	04	42
	502	00	00	10		3398	00	00	25
	211	00	02	41		3397	00	02	80
	212	00	03	81		3427	00	03	80
	216	00	01	50		3396	00	04	70
	215	00	01	60		3123	00	03	49
	217	00	13	79		3121	00	08	11
	218	00	01	06		3124	00	01	81
	224	00	01	43		3115	00	02	09
	223	00	01	06		3120	00	01	61
	229	00	01	64		3116	00	03	46
	228	00	02	80		3118	00	02	31
	232	00	00	93		3117	00	01	21
	231	00	02	12		3108	00	01	40
	233	00	01	98		3104	00	03	59
	270	00	01	28		3099	00	11	40
	234	00	02	12		3097	00	00	10
	269	00	02	20		3098	00	02	62
	268	00	00	10		3092	00	03	73
	267	00	03	20		3091	00	03	54
	235	00	02	08		3090	00	01	78
	266	00	02	32		3093	00	00	45
	236	00	02	57		3055	00	05	43
	237	00	03	88		3066	00	04	96
	45	00	00	63		3067	00	15	28
	239	00	00	10		3141	00	02	21
	238	00	04	91		3151	00	00	23
	240	00	00	49		3150	00	01	41
	243	00	09	51		3143	00	11	77
	242	00	00	48		3144	00	01	44

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
जरडा	2217	00	10	72	जरडा	1706	00	01	56
	2216	00	00	10		1707	00	05	27
	2214	00	07	13		1716	00	03	36
	2215	00	00	30		1717	00	06	80
	2213	00	00	29		1718	00	00	10
	2204	00	05	93		1694	00	01	33
	2202	00	04	50		1695	00	00	96
	2201	00	00	77		1696	00	01	36
	2207	00	00	88		1725	00	04	49
	2206	00	03	97		1726	00	04	39
	2043	00	07	80		1689	00	03	68
	2044	00	00	10		1687	00	08	34
	1946	00	03	20		1691	00	00	85
	1947	00	02	38		1693	00	01	99
	1945	00	00	86		1686	00	00	98
	1944	00	00	10		1685	00	02	54
	2040	00	02	64		1690	00	00	53
	2039	00	00	74		1670	00	00	11
	2041	00	00	23		1671	00	00	36
	1948	00	02	50		1672	00	01	37
	1951	00	01	10		1679	00	01	81
	1952	00	04	19		1640	00	03	78
	1953	00	07	08		1641	00	03	73
	1954	00	00	13		1642	00	03	26
	1922	00	10	31		1643	00	00	10
	1923	00	00	41		1645	00	02	76
	1911	00	03	69		1646	00	03	19
	1912	00	03	55		1647	00	03	57
	1913	00	03	48		1650	00	04	06
	1914	00	02	53		1651	00	03	97
	1916	00	03	69		1657	00	17	96
	1917	00	00	50	बडहिसर	184	00	00	10
	1893	00	02	55		185	00	07	56
	1892	00	02	69		186	00	00	10
	1891	00	01	32		188	00	02	55
	1888	00	05	25		189	00	04	37
	1887	00	06	32		199	00	00	10
	1894	00	02	43		200	00	02	95
	1895	00	01	21		201	00	03	31
	1896	00	01	26		202	00	06	62
	1879	00	01	64		254	00	00	29
	1704	00	02	37		204	00	01	15
	1705	00	02	82		253	00	02	60

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
बडसिहर	205	00	00	30	बिमलाबेड़ा	206	00	00	08
	252	00	03	11		50	00	00	10
	206	00	00	30		51	00	01	36
	212	00	07	22		52	00	00	71
	213	00	00	10		53	00	00	10
	211	00	00	10		207	00	04	95
	214	00	02	49		208	00	01	40
	210	00	00	97		209	00	06	30
	215	00	04	72		227	00	00	10
	51	00	03	51		228	00	00	45
	52	00	01	37		691	00	02	04
	55	00	04	53		214	00	03	76
	57	0	00	69		211	00	00	10
	56	00	03	14		213	00	07	95
	50	00	04	44	कंजरा	3770	00	00	10
	16	00	22	59		3769	00	01	55
	18	00	02	00		3768	00	00	91
	19	00	03	72		3757	00	01	71
	20	00	07	22		3829	00	04	21
	25	00	00	96		3830	00	00	92
	24	00	12	53		3833	00	00	68
बिमलाबेड़ा	131	00	04	15		3832	00	04	92
	692	00	01	05		3831	00	00	81
	160	00	01	96		4154	00	03	13
	133	00	00	10		4155	00	00	10
	132	00	04	92		4157	00	04	75
	135	00	03	44		4153	00	00	51
	136	00	04	25		4152	00	00	52
	150	00	03	09		4158	00	04	00
	151	00	04	33		4151	00	01	15
	149	00	08	21		4150	00	01	96
	190	00	00	20		4149	00	02	29
	191	00	00	34		4148	00	00	10
	148	00	05	32		4147	00	02	79
	194	00	00	26		4146	00	02	65
	195	00	02	29		4144	00	00	35
	196	00	01	69		4145	00	02	45
	197	00	01	24		4143	00	02	16
	198	00	03	08		4142	00	00	28
	199	00	02	61		4141	00	03	11
	200	00	02	53		4140	00	01	67
	201	00	03	03		4137	00	01	68
	205	00	03	89		4136	00	00	66

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
कंजरा	4138	00	04	48	कंजरा	3560	00	03	25
	4078	00	00	10		3559	00	03	95
	4079	00	01	49		3558	00	04	90
	4080	00	06	68		3479	00	00	47
	4071	00	00	24		3557	00	04	00
	4068	00	04	00		3574	00	02	25
	4066	00	02	68		3477	00	00	58
	4067	00	05	07		3575	00	00	14
	4018	00	04	64		3476	00	24	70
	4019	00	01	98		3475	00	00	84
	4010	00	09	23		3474	00	04	00
	3956	00	02	93		3471	00	05	96
	3957	00	01	00		3470	00	05	83
	3958	00	02	10		3472	00	02	73
	4007	00	00	10	तुकुडा	4317	00	02	78
	3959	00	00	83		4310	00	10	70
	3960	00	03	43		4309	00	04	94
	3961	00	00	13		4308	00	01	22
	3962	00	00	66		4305	00	06	55
	4005	00	00	20		4338	00	02	30
	3964	00	04	06		4306	00	00	11
	3965	00	03	00		4304	00	15	26
	3967	00	00	94		4303	00	03	67
	3966	00	01	53		4297	00	03	47
	3968	00	06	32		4298	00	00	25
	3969	00	00	10		4300	00	00	10
	3974	00	01	50		4299	00	20	08
	3975	00	04	07		4288	00	03	96
	3985	00	01	66		4283	00	04	61
	3981	00	03	23		4282	00	15	34
	3984	00	00	26		4237	00	00	10
	3982	00	02	73		4280	00	05	11
	3979	00	02	29		4278	00	05	40
	3978	00	00	17		4370	00	09	61
	3983	00	01	00		4276	00	00	40
	3569	00	05	91		4275	00	01	63
	3543	00	04	40		4277	00	01	58
	3566	00	05	40		4387	00	06	55
	3565	00	00	66		4274	00	04	95
	3564	00	00	20		4272	00	00	93
	3568	00	00	71		4273	00	20	43
	3567	00	05	51		4268	00	00	97
	3573	00	00	10		4267	00	01	81

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
मालिसाहि	1102	00	15	10	पडा	2184	00	05	49
	1104	00	12	65		2183	00	00	10
	1124	00	01	13		2181	00	17	10
	1125	00	01	25		2182	00	00	25
	1126	00	00	97		2155	00	00	30
	906	00	12	10		590	00	00	12
	896	00	00	53		589	00	09	71
	905	00	01	47		588	00	05	98
	899	00	19	38		587	00	08	53
	897	00	01	21	कुमुरसिंग	569	00	02	79
	901	00	06	95		568	00	07	24
	902	00	01	52		567	00	05	57
	868	00	00	10		566	00	05	54
	867	00	01	78		565	00	04	64
	860	00	11	76		561	00	01	60
	859	00	02	82		584	001	02	82
	818	00	05	60		560	00	14	52
	817	00	05	70		559	00	17	79
	316	00	16	58		558	00	02	01
	812	00	17	87		556	00	00	44
	814	00	01	40		557	00	19	92
	813	00	15	54		587	00	01	69
	728	00	05	38		554	00	19	82
	723	00	00	20		552	00	15	26
	722	00	00	66	गोपिनाथपुर	85	00	05	75
	751	00	64	72		47	00	07	29
	721	00	08	37		48	00	00	95
	720	00	03	64		49	00	04	18
	715	00	03	99		50	00	00	61
	460	00	35	32		45	00	15	58
	454	00	01	48		44	00	14	69
	453	00	08	83		42	00	12	23
	431	00	27	89		41	00	02	34
	2190	00	00	26		94	00	01	33
पडा	2189	00	00	97		43	00	00	10
	2188	00	00	81		37	00	00	24
	2187	00	01	32		36	00	08	87
	2180	00	10	88		79	00	03	50
	2186	00	00	10		9	00	05	72
						92	00	00	13
						10	00	00	79
						7	00	12	90

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
पडा	87	00	03	10	सौरिया	57	00	03	07
	86	00	03	78		28	00	00	10
	12	00	02	07		29	00	09	51
	91	00	06	59		31	00	00	10
	4	00	03	57		30	00	01	03
	6	00	03	82		9	00	16	29
	95	00	09	05		10	00	07	10
	5	00	06	44		1	00	04	03
	1	00	00	85		11	00	09	27
	2	00	00	80		12	00	04	15
	3	00	02	25	गोबिन्दपाणासाहि	465	00	12	78
सौरिया	165	00	01	98		401	00	15	18
	164	00	02	11		405	00	00	95
	186	00	08	63		399	00	15	58
	163	00	09	92		406	00	00	76
	126	00	06	88		408	00	06	70
	190	00	00	43		409	00	06	94
	125	00	14	66		396	00	08	56
	118	00	02	08		395	00	18	90
	127	00	00	66		385	00	00	60
	182	00	06	55		386	00	08	90
	129	00	08	89		387	00	01	03
	130	00	00	10		378	00	12	45
	117	00	00	10		379	00	01	69
	110	00	00	10		366	00	02	43
	108	00	01	60		367	00	01	12
	187	00	02	11		365	00	01	43
	106	00	07	62		364	00	01	74
	107	00	09	44		363	00	01	78
	101	00	00	29		362	00	02	06
	135	00	00	67		329	00	02	92
	100	00	02	91		360	00	01	33
	99	00	04	75		361	00	01	50
	179	00	00	63		328	00	03	15
	85	00	06	00		322	00	00	85
	63	00	00	15		323	00	00	10
	64	00	04	14		327	00	03	85
	62	00	00	10		326	00	06	60
	61	00	00	10		317	00	13	65
	65	00	04	77		315	00	06	92
	59	00	00	46		87	00	04	75
	66	00	03	43		88	00	00	76
	58	00	01	97		92	00	05	17

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
गोविन्दपाणासाहि	95	00	05	27	जरपडा	2587	00	11	01
	96	00	03	43		2589	00	00	36
	102	00	02	98		2588	00	06	46
	106	00	04	26		2562	00	04	41
	107	00	01	88		2591	00	00	35
	110	00	03	81		2540	00	01	15
	111	00	05	01		2541	00	01	32
	118	00	14	57		2542	00	01	53
	123	00	23	04		2543	00	01	97
	122	00	00	10		2544	00	05	55
	57	00	07	41		2876	00	03	65
	55	00	00	16		2548	00	03	15
	53	00	25	44		2557	00	01	24
	54	00	31	23		2556	00	03	39
	39	00	09	00		2555	00	02	20
	38	00	00	10		2554	00	02	25
	36	00	44	22		2553	00	02	77
	20	00	14	39		2552	00	01	65
	21	00	14	21		2551	00	00	10
	19	00	07	17		2550	00	00	10
	13	00	19	21		2487	00	08	66
	7	00	10	98		2450	00	09	43
	5	00	08	63		2451	00	02	61
जरपडा	2720	00	06	63		2454	00	15	15
	2721	00	00	87		2455	00	02	70
	2727	00	20	37		2456	00	15	07
	2726	00	00	91		2457	00	04	42
	2730	00	03	05		2430	00	00	14
	2731	00	11	32		2426	00	07	10
	2732	00	01	65		2428	00	02	61
	2733	00	03	15		2427	00	10	3
	2707	00	04	48		2413	00	00	1
	2706	00	11	90		2277	00	01	10
	2705	00	04	22		2275	00	04	20
	2704	00	00	82		2276	00	00	43
	2697	00	01	44		2274	00	03	54
	2696	00	00	10		2273	00	00	10
	2695	00	06	25		2272	00	01	63
	2583	00	08	11		2282	00	00	29
	2584	00	01	75		2271	00	04	98
	2582	00	09	51		2264	00	02	79
	2586	00	00	25		2270	00	00	49
	2585	00	02	09		2765	00	03	32

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
जरपडा	2257	00	00	26	जरपडा	1948	00	06	74
	2256	00	01	22		1758	00	0	27
	2266	00	00	10		1946	00	00	14
	2223	00	04	37		1759	00	05	59
	2224	00	01	54		1851	00	00	10
	2222	00	00	34		1762	00	03	23
	2225	00	05	14		1763	00	01	31
	2226	00	00	17		1764	00	03	05
	2144	00	01	75		1765	00	00	97
	2227	00	01	22		1767	00	02	55
	2143	00	03	57		1766	00	04	19
	2145	00	00	10		1769	00	05	51
	2148	00	02	59		1728	00	03	10
	2142	00	00	29		1770	00	01	37
	2137	00	03	15		1784	00	00	10
	2136	00	00	10		1781	00	03	83
	2138	00	01	78		1782	00	00	12
	2135	00	03	54		1780	00	03	73
	2139	00	02	19		1805	00	02	53
	2140	00	00	10		1806	00	00	83
	2134	00	02	12		1808	00	01	37
	2019	00	02	06		1807	00	02	71
	2020	00	01	00		1811	00	00	10
	2018	00	00	27		1809	00	04	36
	2022	00	03	40		1810	00	03	49
	2027	00	01	00		1562	00	00	87
	2026	00	02	35		1548	00	06	86
	2025	00	00	10		1538	00	02	92
	2029	00	03	67		1539	00	02	17
	2028	00	00	01		1537	00	03	59
	2030	00	00	75		1540	00	00	20
	2032	00	01	72		1536	00	02	17
	2033	00	02	78		1535	00	00	10
	2051	00	04	08		1314	00	05	54
	2052	00	06	95		1315	00	03	26
	2053	00	00	67		1318	00	00	10
	1960	00	00	56		1312	00	03	29
	1959	00	00	10		1311	00	02	45
	1952	00	10	88		1302	00	03	03
	1953	00	00	95		1310	00	00	11
	1942	00	00	43		1301	00	00	10
	1949	00	02	41		1303	00	01	31
	1947	00	04	74		1304	00	02	72

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
जरपडा	1309	00	02	48	तुबे	4740	00	02	30
	1305	00	02	84		4741	00	02	28
	1227	00	02	08		4742	00	02	06
	1226	00	03	42		4745	00	02	79
	1225	00	01	72		4746	00	03	23
	1236	00	00	23		4788	00	03	65
	1238	00	07	54		4787	00	03	89
	1239	00	02	88		4784	00	00	85
	1252	00	00	80		4783	00	06	82
	1251	00	01	05		4782	00	02	87
	1254	00	03	07		4780	00	01	90
	1255	00	00	38		4781	00	01	18
	1253	00	04	89		4758	00	02	71
	1261	00	00	71		4757	00	10	42
	1259	00	03	09		4756	00	00	99
	1263	00	03	52		4529	00	02	87
	1264	00	00	45		4530	00	02	82
	1262	00	04	72		4535	00	14	60
	1267	00	00	20		4536	00	01	70
	1265	00	01	11		4537	00	00	75
	1266	00	00	80		4538	00	02	56
	1275	00	01	69		4539	00	00	10
	1286	00	00	26		4541	00	02	43
	1282	00	00	38		4542	00	02	09
	1284	00	03	50		4545	00	02	26
तुबे	4832	00	08	58		4546	00	01	92
	4831	00	11	71		4549	00	01	95
	4829	00	06	43		4550	00	01	53
	4828	00	20	24		4551	00	02	15
	4843	00	02	79		4556	00	02	11
	4827	00	11	32		4559	00	04	27
	4820	00	04	25		4203	00	01	29
	4819	00	03	36		3897	00	01	99
	4817	00	00	10		3898	00	01	93
	4816	00	00	71		3896	00	06	56
	4815	00	01	97		3894	00	01	69
	4814	00	04	21		3895	00	03	53
	4813	00	04	38		3899	00	00	72
	4812	00	01	55		3845	00	03	09
	4803	00	01	86		3846	00	02	45
	4804	00	02	41		3844	00	02	09
	4802	00	00	83		3843	00	03	50
	4801	00	00	10		3841	00	04	71

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
सुबे	3840	00	00	99	सुबे	1728	00	04	55
	3839	00	08	09		1682	00	00	67
	3834	00	00	10		1683	00	05	39
	3838	00	04	14		1684	00	04	29
	3835	00	00	10		1725	00	00	10
	3837	00	02	07		1723	00	03	69
	3836	00	00	40		1724	00	00	68
	3830	00	06	57		1722	00	02	90
	3831	00	00	30		1721	00	00	
	3829	00	02	93		1692	00	03	76
	3828	00	03	72		1693	00	03	85
	3827	00	00	26		1568	00	07	97
	3808	00	05	38		1567	00	00	83
	3809	00	03	02		1569	00	04	40
	3810	00	02	78		1570	00	02	41
	3811	00	02	88		1572	00	02	48
	3804	00	07	04		1571	00	00	84
	3803	00	04	87		1497	00	11	30
	3798	00	07	53		1553	00	03	76
	3797	00	04	12		1549	00	01	39
	3763	00	00	52		1550	00	05	12
	3794	00	04	82		1544	00	11	11
	3789	00	08	05		1543	00	03	23
	3768	00	00	86		1541	00	03	27
	3788	00	04	23		1540	00	03	40
	3787	00	02	81		1288	00	11	47
	3786	00	01	49		1287	00	05	13
	3785	00	01	99		1291	00	00	23
	3784	00	00	10		1286	00	04	74
	3778	00	02	91		1285	00	01	17
	3779	00	02	21		1284	00	00	29
	3777	00	00	13		1280	00	02	21
	3439	00	01	60		1278	00	11	04
	3356	00	00	76		1277	00	01	89
	3355	00	02	17		1276	00	00	27
	3354	00	01	50		1279	00	00	15
	3353	00	00	10		1275	00	04	72
	3352	00	04	61		1274	00	00	10
	1730	00	04	72		1095	00	02	18
	1731	00	00	10		978	00	06	46
	1734	00	00	25		972	00	27	40
	1729	00	04	54		976	00	00	62
	1735	00	00	34		975	00	04	69
	1681	00	00	49		974	00	14	81
						866	00	10	14

1	2	3	4	5
तुवे	864	00	08	63
	863	00	04	73
	862	00	02	21
	870	00	02	02
	861	00	08	51
	859	00	15	70
	860	00	00	10
	878	00	00	48
	858	00	09	74
	857	00	12	82
	855	00	00	10
	856	00	04	02
	768	00	00	10
	757	00	06	15
	758	00	09	53
	756	00	00	40
	752	00	00	54
	759	00	01	69
	760	00	02	59
	751	00	05	92
जेरंग	486	00	04	11
	487	00	00	83
	351	00	03	15
	349	00	02	90
	491	00	14	17
	341	00	28	17
	340	00	00	10
	342	00	00	20

[सं. आर-25011/16/2010-ओ.आर.-1]

बी. के. दत्ता, अवर सचिव

New Delhi, the 15th July, 2010

S.O 1823.—Whereas, it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transportation of petroleum products from Paradip (Orissa) to Raipur (Chhattisgarh) & Ranchi (Jharkhand), a “Paradip- Sambalpur - Raipur - Ranchi Pipeline” should be laid by Indian Oil Corporation Limited;

And whereas, it appears to the Central Government that for the purpose of laying the said pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person interested in the land described in the said schedule may, within twenty-one days from the date on which the copies of this notification, as published in the Gazette of India, are made available to the General Public, object in writing to the acquisition of the right of user therein for laying of the pipeline under the land to Sri Sukanta Kumar Pradhan, Competent Authority, Indian Oil Corporation Limited, Paradip - Sambalpur - Raipur - Ranchi Pipeline Project, 1295, Forest Park, Bhubaneswar-751009, (Orissa).

SCHEDULE

Tehsil : Banarpal		Distt. : Angul		State : Orissa	
Name of the Village	Plot No.	Area			
		Hect.	Are	Sq. Mtr.	
1	2	3	4	5	
Talatali	789	00	17	61	
	788	00	00	94	
	475	00	11	64	
	477	00	01	01	
	476	00	01	81	
	478	00	05	43	
	479	00	03	25	
	484	00	00	62	
	483	00	01	33	
	480	00	04	14	
	481	00	07	59	
	482	00	00	62	
	466	00	04	16	
	467	00	00	69	
	465	00	08	81	
	464	00	01	46	
	459	00	03	53	
	460	00	04	79	
	461	00	03	24	
	462	00	00	74	
	463	00	04	38	
Purukia	340	00	38	85	
	1	00	13	68	
	339	00	09	86	
	338	00	01	00	
	337	00	00	72	
	658	00	01	39	
	657	00	05	39	
	659	00	04	50	

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Purukia	653	00	03	56	Arahat	570	00	08	10
	654	00	03	35		566	00	00	10
	648	00	08	45		569	00	05	91
	643	00	11	14		568	00	04	44
	647	00	06	27		591	00	01	72
	646	00	05	23		628	00	16	61
	635	00	13	38		627	00	02	59
	631	00	09	74		621	00	10	49
	630	00	04	48		620	00	09	96
	629	00	04	86		595	00	07	14
	628	00	02	23		596	00	09	34
	627	00	12	09		597	00	14	23
	571	00	02	34		598	00	08	20
	478	00	00	36		600	00	03	76
	480	00	14	57		599	00	09	36
	479	00	01	26		750	00	01	12
	482	00	11	53		432	00	04	83
	456	00	13	55		752	00	07	32
	430	00	06	32		751	00	00	10
	429	00	00	89		753	00	04	55
	432	00	00	61		754	00	05	53
	434	00	02	49		755	00	00	46
	435	00	05	66		138	00	11	81
	405	00	00	46		1942	00	05	16
	824	00	04	01		759	00	03	02
	404	00	28	92		136	00	01	11
	388	00	25	11		135	00	01	48
	382	00	03	75	Barasinga	945	00	00	10
	20	00	02	94		946	00	07	85
	14	00	00	95		950	00	01	44
	13	00	28	79		948	00	13	50
	8	00	13	80		947	00	00	10
	1	00	13	38		960	00	06	65
	25	00	01	76		961	00	05	22
	28	00	17	26		1058	00	00	52
	35	00	17	03		1059	00	04	44
	36	00	10	56		1061	00	03	94
Arahat	577	00	33	90		1062	00	05	64
	578	00	10	87		1253	00	02	23
	572	00	16	44		1255	00	12	81
	1969	00	00	55		1256	00	03	45
	1970	00	15	05		1254	00	00	31
	571	00	01	06		1252	00	07	27

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Barasinga	1246	00	01	20	Angarabandh	3558	00	00	27
	1245	00	00	80		2944	00	00	50
	1244	00	00	90		2958	00	02	48
	1208	00	01	95		2943	00	01	85
	1211	00	05	47		3921	00	00	12
	1213	00	04	70		3557	00	01	76
	1214	00	05	00		2942	00	00	80
	1215	00	00	44		2940	00	02	00
	1217	00	17	79		2938	00	00	25
	1224	00	04	03		2941	00	00	92
	1318	00	05	55		2890	00	01	79
Angarabandh	1886	00	06	30		2736	00	01	97
	3301	00	00	70		2737	00	01	29
	3304	00	00	98		2735	00	01	71
	3303	00	05	91		2734	00	00	10
	3302	00	00	44		2738	00	01	05
	3348	00	20	27		2740	00	00	34
	3341	00	04	39		2739	00	03	87
	3343	00	05	83		2741	00	01	90
	3462	00	10	14		2742	00	01	94
	3461	00	03	84		2732	00	00	10
	3424	00	03	16		2743	00	01	60
	4102	00	04	52		2746	00	04	18
	3425	00	01	71		2745	00	00	27
	4101	00	01	90		2747	00	02	02
	3427	00	03	79		2751	00	01	89
	3428	00	00	10		2749	00	01	22
	3429	00	01	01		2750	00	03	31
	3431	00	02	20		2716	00	01	67
	3927	00	00	77		2761	00	00	65
	3432	00	02	12		2715	00	01	67
	3928	00	00	77		2714	00	02	28
	3926	00	01	93		2762	00	01	84
	3433	00	01	93		2713	00	02	69
	3434	00	00	24		2763	00	01	38
	2971	00	01	67		2712	00	03	30
	2970	00	03	70		2765	00	04	94
	2969	00	02	25		2620	00	01	21
	2968	00	00	10		2438	00	00	77
	3922	00	01	50		2437	00	02	67
	3924	00	00	50		2436	00	04	05
	2959	00	00	10		2434	00	02	80
						2431	00	02	48

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Angarabandh	2430	00	03	54	Angarabandh	991	00	00	69
	4071	00	00	10		992	00	05	72
	2427	00	03	65		993	00	00	17
	2425	00	00	10		996	00	08	76
	2424	00	00	10		994	00	00	10
	2423	00	00	29		995	00	11	68
	2422	00	00	33		1008	00	01	03
	3651	00	01	08		1007	00	11	87
	3650	00	00	70		1006	00	00	19
	3649	00	00	79		1031	00	01	89
	2421	00	04	74		1030	00	01	23
	3652	00	03	15		1032	00	05	01
	2366	00	05	74		926	00	02	07
	2385	00	11	92		916	00	00	81
	2378	00	04	19		917	00	07	65
	2382	00	00	99		912	00	07	28
	2381	00	03	88		4114	00	02	71
	2380	00	06	32		913	00	05	83
	3969	00	08	33		4179	00	07	53
	2379	00	00	76		910	00	01	77
	2184	00	00	10		911	00	12	73
	4175	00	00	22		907	00	13	33
	2181	00	00	32		906	00	08	26
	2182	00	03	46		905	00	72	83
	2185	00	03	13		370	00	00	13
	2186	00	06	23		3901	00	01	92
	2193	00	05	38		368	00	00	10
	2197	00	02	31		369	00	23	21
	2198	00	00	94		331	00	12	44
	2199	00	02	53		358	00	08	30
	2156	00	01	97		334	00	03	88
	2155	00	04	69		341	00	04	02
	2153	00	00	10		340	00	12	62
	2154	00	02	16		336	00	09	92
	1021	00	02	98		339	00	00	38
	1022	00	01	02		337	00	00	40
	1020	00	04	51		288	00	02	06
	976	00	00	10		287	00	05	54
	1019	00	00	17		286	00	12	27
	3839	00	04	73	Kangula	11447	00	06	46
	987	00	01	22		11446	00	07	54
	4146	00	03	77		11448	00	01	62
	988	00	00	95		13287	00	01	34

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Kangula	13478	00	01	42	Kangula	12808	00	37	78
	13479	00	00	10		12602	00	00	10
	13473	00	15	37		12601	00	02	29
	13472	00	00	12		12598	00	02	60
	13471	00	02	47		12597	00	09	76
	13291	00	06	76		12590	00	00	10
	13292	00	01	73		12592	00	02	96
	13293	00	07	51		12593	00	05	43
	13306	00	00	69		12595	0	06	97
	13310	00	01	68		12594	00	04	37
	13311	00	02	91		12624	00	00	50
	13314	00	01	18		12625	00	00	10
	13315	00	00	62		12499	00	03	16
	13312	00	00	37		12500	00	02	83
	13313	00	01	90		12495	00	07	40
	13316	00	00	10		12496	00	08	17
	13317	00	06	23		12497	00	10	89
	13318	00	00	10		12399	00	00	38
	13272	00	12	90		12398	00	04	00
	12840	00	09	15		12397	00	04	99
	12839	00	00	54		12396	00	04	47
	12838	00	02	86		12395	00	01	99
	12837	00	15	65		12394	00	04	38
	12834	00	04	37		12242	00	01	89
	12833	00	04	11		12243	00	08	42
	12860	00	01	27		12244	00	01	20
	12861	00	14	04		12245	00	07	29
	14599	00	00	12		12315	00	01	94
	14600	00	00	71		12246	00	06	30
	14601	00	02	13		12247	00	03	07
	12862	00	00	87		12250	00	02	68
	12817	00	07	88		13665	00	22	
	14698	00	03	07		12285	00	06	
	12816	00	01	29		12276	00	01	73
	12818	00	04	73		12277	00	03	19
	12815	00	00	45		12275	00	05	83
	14686	00	01	32		12269	00	00	10
	12814	00	11	33		12270	00	04	45
	12813	00	03	71		12268	00	00	34
	14356	00	06	94		12260	00	09	68
	12807	00	04	96		12263	00	07	24
	12806	00	07	94		12262	00	03	54
	13822	00	00	20	Jukub	706	00	01	24

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Jukub	700	00	02	10	Jukub	458	00	00	10
	701	00	02	69		448	00	02	61
	702	00	01	67		449	00	00	26
	703	00	00	10		446	00	00	10
	698	00	01	90		431	00	02	33
	697	00	02	92		432	00	01	49
	696	00	03	20		433	00	01	82
	695	00	03	20		434	00	05	71
	694	00	01	67		435	00	02	40
	646	00	00	97		408	00	00	31
	677	00	02	98		437	00	00	24
	678	00	02	93		436	00	01	43
	679	00	04	89		407	00	02	41
	673	00	00	10		406	00	01	37
	671	00	01	25		1612	00	02	87
	680	00	00	19		390	00	03	82
	670	00	03	75		392	00	00	42
	669	00	03	68		391	00	01	98
	668	00	00	10		389	00	00	77
	666	00	01	19		223	00	03	50
	667	00	00	98		225	00	05	94
	665	00	00	65		222	00	00	26
	661	00	03	53		224	00	02	43
	660	00	00	14		221	00	00	10
	662	00	02	61		203	00	01	09
	622	00	04	43		185	00	02	44
	621	00	00	22		184	00	04	12
	614	00	01	95		186	00	00	75
	613	00	01	13		187	00	01	52
	615	00	00	23		177	00	00	66
	612	00	02	03		174	00	00	97
	611	00	01	30		175	00	02	07
	609	00	00	72		176	00	00	52
	610	00	01	55		164	00	05	31
	607	00	00	18		162	00	00	20
	466	00	00	68		163	00	01	05
	467	00	01	59		119	00	03	49
	468	00	00	44		120	00	01	08
	461	00	01	83		116	00	01	73
	462	00	00	53		118	00	01	78
	460	00	02	38		121	00	00	10
	459	00	01	66		117	00	02	13
	447	00	00	30		65	00	03	60

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Jukub	71	00	00	10	Maratira	1639	00	00	10
	66	00	08	33		1640	00	00	10
	60	00	00	10		1645	00	02	51
	67	00	03	21		1643	00	00	66
	68	00	00	15		1644	00	02	08
	53	00	10	55		1646	00	04	99
	15	00	00	44		1816	00	00	10
	14	00	00	10		1769	00	02	73
	11	00	05	14		1768	00	00	18
	10	00	01	27		1767	00	02	81
	12	00	01	53		1762	00	03	71
	9	00	03	03		1763	00	01	11
	8	00	00	17		1764	00	03	98
						1664	00	01	74
Derjang	2294	00	00	25		1745	00	00	10
	2293	00	03	32		1744	00	00	40
	2292	00	03	28		1742	00	00	54
	2291	00	03	26		1741	00	00	73
	2290	00	04	60		1740	00	01	03
Maratira	1552	00	02	22		1739	00	01	43
	1523	00	04	32		1738	00	00	90
	1524	00	07	30		1729	00	01	15
	1521	00	02	10		1728	00	00	21
	1525	00	00	12		1766	00	00	34
	1527	00	04	62		1727	00	01	62
	1526	00	03	48		1726	00	02	07
	1621	00	05	63		1725	00	02	36
	1622	00	02	66		1723	00	00	10
	1623	00	01	50		1722	00	00	18
	1624	00	00	92		1721	00	00	57
	1625	00	01	38		1720	00	01	02
	1617	00	03	38		1719	00	01	58
	1629	00	03	01		1718	00	02	24
	1632	00	01	44		1714	00	00	10
	1628	00	02	39		1717	00	00	20
	1633	00	00	80		1716	00	01	67
	1634	00	00	24		1715	00	01	22
	1635	00	02	68		1713	00	02	76
	1636	00	01	73		1712	00	04	74
	1492	00	02	38		1705	00	00	10
	1637	00	02	74		1703	00	05	78
	1638	00	08	32		1700	00	00	10
						2072	00	01	71

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Maratira	2071	00	01	28	Santrapur	207	00	00	14
	2070	00	03	79		502	00	00	10
	2065	00	00	10		211	00	02	41
	2064	00	02	88		212	00	03	81
	2063	00	01	26		216	00	01	50
	2060	00	00	20		215	00	01	60
	2078	00	03	16		217	00	13	79
	2079	00	05	00		218	00	01	06
	2080	00	01	71		224	00	01	43
	2081	00	03	44		223	00	01	06
	2082	00	02	59		229	00	01	64
	2086	00	00	84		228	00	02	80
	2084	00	00	10		232	00	00	93
	2085	00	01	18		231	00	02	12
	2134	00	04	30		233	00	01	98
	445	00	00	10		270	00	01	28
	444	00	05	94		234	00	02	12
	443	00	02	09		269	00	02	20
	442	00	00	10		268	00	00	10
	441	00	06	85		267	00	03	20
	439	00	00	10		235	00	02	08
	2135	00	12	64		266	00	02	32
	2136	00	02	58		236	00	02	57
	2141	00	52	32		237	00	03	88
Santrapur	636	00	11	71		45	00	00	63
	637	00	00	10		239	00	00	10
	609	00	18	09		238	00	04	91
	617	00	00	13		240	00	00	49
	618	00	00	81		243	00	09	51
	619	00	01	09		242	00	00	48
	616	00	01	58		245	00	02	57
	615	00	02	00		251	00	00	36
	614	00	00	49		250	00	02	40
	612	00	00	94		249	00	01	13
	1329	00	01	62		247	00	03	53
	613	00	01	25		248	00	01	54
	507	00	05	04		44	00	00	20
	620	00	00	44	Jarara	3414	00	00	67
	621	00	00	83		3419	00	02	94
	622	00	01	60		3420	00	02	00
	506	00	00	85		3421	00	00	63
	623	00	00	15		3423	00	04	23
	208	00	12	42		3424	00	04	95

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Jarara	3426	00	04	42	Jarara	1947	00	02	38
	3398	00	00	25		1945	00	00	86
	3397	00	02	80		1944	00	00	10
	3427	00	03	80		2040	00	02	64
	3396	00	04	70		2039	00	00	74
	3123	00	03	49		2041	00	00	23
	3121	00	08	11		1948	00	02	50
	3124	00	01	81		1951	00	01	10
	3115	00	02	09		1952	00	04	19
	3120	00	01	61		1953	00	07	08
	3116	00	03	46		1954	00	00	13
	3118	00	02	31		1922	00	10	31
	3117	00	01	21		1923	00	00	41
	3108	00	01	40		1911	00	03	69
	3104	00	03	59		1912	00	03	55
	3099	00	11	40		1913	00	03	48
	3097	00	00	10		1914	00	02	53
	3098	00	02	62		1916	00	03	69
	3092	00	03	73		1917	00	03	50
	3091	00	03	54		1893	00	02	55
	3090	00	01	78		1892	00	02	69
	3093	00	00	45		1891	00	01	32
	3055	00	05	43		1888	00	05	25
	3066	00	04	96		1887	00	06	32
	3067	00	15	28		1894	00	02	43
	3141	00	02	21		1895	00	01	21
	3151	00	00	23		1896	00	01	26
	3150	00	01	41		1879	00	01	64
	3143	00	11	77		1704	00	02	37
	3144	00	01	44		1705	00	02	82
	2217	00	10	72		1706	00	01	56
	2216	00	00	10		1707	00	05	27
	2214	00	07	13		1716	00	03	36
	2215	00	00	30		1717	00	06	80
	2213	00	00	29		1718	00	00	10
	2204	00	05	93		1694	00	01	33
	2202	00	04	50		1695	00	00	96
	2201	00	00	77		1696	00	01	36
	2207	00	00	88		1725	00	04	49
	2206	00	03	97		1726	00	04	39
	2043	00	07	80		1689	00	00	68
	2044	00	00	10		1687	00	08	34
	1946	00	03	20		1691	00	00	85

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Jarara	1693	00	01	99	Barahinsar	56	00	03	14
	1686	00	00	98		50	00	04	44
	1685	00	02	54		16	00	22	59
	1690	00	00	53		18	00	02	00
	1670	00	00	11		19	00	03	72
	1671	00	00	36		20	00	07	22
	1672	00	01	37		25	00	00	96
	1679	00	01	81		24	00	12	53
	1640	00	03	78	Bimalabera	131	00	04	15
	1641	00	03	73		692	00	01	05
	1642	00	03	26		160	00	01	96
	1643	00	00	10		133	00	00	10
	1645	00	02	76		132	00	04	92
	1646	00	03	19		135	00	03	44
	1647	00	03	57		136	00	04	25
	1650	00	04	06		150	00	03	09
	1651	00	03	97		151	00	04	33
	1657	00	17	96		149	00	08	21
Barahinsar	184	00	00	10		190	00	00	20
	185	00	07	56		191	00	00	34
	186	00	00	10		148	00	05	32
	188	00	02	55		194	00	00	26
	189	00	04	37		195	00	02	29
	199	00	00	10		196	00	01	69
	200	00	02	95		197	00	01	24
	201	00	03	31		198	00	03	08
	202	00	06	62		199	00	02	61
	254	00	00	29		200	00	02	53
	204	00	01	15		201	00	03	03
	253	00	02	60		205	00	03	89
	205	00	00	30		206	00	00	08
	252	00	03	11		50	00	00	10
	206	00	00	30		51	00	01	36
	212	00	07	22		52	00	00	71
	213	00	00	10		53	00	00	10
	211	00	00	10		207	00	04	95
	214	00	02	49		208	00	01	40
	210	00	00	97		209	00	06	30
	215	00	04	72		227	00	00	10
	51	00	03	51		228	00	00	45
	52	00	01	37		691	00	02	04
	55	00	04	53		214	00	03	76
	57	0	00	69		211	00	00	10

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Bimalabera	213	00	07	95	Kanjara	3958	00	02	10
Kanjara	3770	00	00	10		4007	00	00	10
	3769	00	01	55		3959	00	00	83
	3768	00	00	91		3960	00	03	43
	3757	00	01	71		3961	00	00	13
	3829	00	04	21		3962	00	00	66
	3830	00	00	92		4005	00	00	20
	3833	00	00	68		3964	00	04	06
	3832	00	04	92		3965	00	03	00
	3831	00	00	81		3967	00	00	94
	4154	00	03	13		3966	00	01	53
	4155	00	00	10		3968	00	06	32
	4157	00	04	75		3969	00	00	10
	4153	00	00	51		3974	00	01	50
	4152	00	00	52		3975	00	04	07
	4158	00	04	00		3985	00	01	66
	4151	00	01	15		3981	00	03	23
	4150	00	01	96		3984	00	00	26
	4149	00	02	29		3982	00	02	73
	4148	00	00	10		3979	00	02	29
	4147	00	02	79		3978	00	00	17
	4146	00	02	65		3983	00	01	00
	4144	00	00	35		3569	00	05	91
	4145	00	02	45		3543	00	04	40
	4143	00	02	16		3566	00	05	40
	4142	00	00	28		3565	00	00	66
	4141	00	03	14		3564	00	00	20
	4140	00	01	67		3568	00	00	71
	4137	00	01	68		3567	00	05	51
	4136	00	00	66		3573	00	00	10
	4138	00	04	48		3560	00	03	25
	4078	00	00	10		3559	00	03	95
	4079	00	01	49		3558	00	04	90
	4080	00	06	68		3479	00	00	47
	4071	00	00	24		3557	00	04	00
	4068	00	04	00		3574	00	02	25
	4066	00	02	68		3477	00	00	58
	4067	00	05	07		3575	00	00	14
	4018	00	04	64		3476	00	24	70
	4019	00	01	98		3475	00	00	84
	4010	00	09	23		3474	00	04	00
	3956	00	02	93		3471	00	05	96
	3957	00	01	00		3470	00	05	83

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Kanjara	3472	00	02	73	Malisahi	867	00	01	78
Tukura	4317	00	02	78		860	00	11	76
	4310	00	10	70		859	00	02	82
	4309	00	04	94		818	00	05	60
	4308	00	01	22		817	00	05	70
	4305	00	06	55		816	00	16	58
	4338	00	02	30		812	00	17	87
	4306	00	00	11		814	00	01	40
	4304	00	15	26		813	00	15	54
	4303	00	03	67		728	00	05	38
	4297	00	03	47		723	00	00	20
	4298	00	00	25		722	00	00	66
	4300	00	00	10		751	00	64	72
	4299	00	20	08		721	00	08	37
	4288	00	03	96		720	00	03	64
	4283	00	04	61		715	00	03	99
	4282	00	15	34		460	00	35	32
	4237	00	00	10		454	00	01	48
	4280	00	05	11		453	00	08	83
	4278	00	05	40		431	00	27	89
	4370	00	09	61	Para	2190	00	00	26
	4276	00	00	40		2189	00	00	97
	4275	00	01	63		2188	00	00	81
	4277	00	01	58		2187	00	01	32
	4387	00	06	55		2180	00	10	88
	4274	00	04	95		2186	00	00	10
	4272	00	00	93		2184	00	05	49
	4273	00	20	43		2183	00	00	10
	4268	00	00	97		2181	00	17	10
	4267	00	01	81		2182	00	00	25
Malisahi	1102	00	15	10		2155	00	00	30
	1104	00	12	65		590	00	00	12
	1124	00	01	13		589	00	09	71
	1125	00	01	25		588	00	05	98
	1126	00	00	97		587	00	08	53
	906	00	12	10	Kumurasingi	569	00	02	79
	896	00	00	53		568	00	07	24
	905	00	01	47		567	00	05	57
	899	00	19	38		566	00	05	54
	897	00	01	21		565	00	04	64
	901	00	06	95		561	00	01	60
	902	00	01	52		584	01	02	82
	868	00	00	10		560	00	14	52

[illegible]

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Gobindapanasahi	396	00	08	56	Gobindapanasahi	20	00	14	39
	395	00	18	90		21	00	14	21
	385	00	00	60		19	00	07	17
	386	00	08	90		13	00	19	21
	387	00	01	03		7	00	10	98
	378	00	12	45		5	00	08	63
	379	00	01	69	Jarapara	2720	00	06	63
	366	00	02	43		2721	00	00	87
	367	00	01	12		2727	00	20	37
	365	00	01	43		2726	00	00	91
	364	00	01	74		2730	00	03	05
	363	00	01	78		2731	00	11	32
	362	00	02	06		2732	00	01	65
	329	00	02	92		2733	00	03	15
	360	00	01	33		2707	00	04	48
	361	00	01	50		2706	00	11	90
	328	00	03	15		2705	00	04	22
	322	00	00	85		2704	00	00	82
	323	00	00	10		2697	00	01	44
	327	00	03	85		2696	00	00	10
	326	00	06	60		2695	00	06	25
	317	00	13	65		2583	00	08	11
	315	00	06	92		2584	00	01	75
	87	00	04	75		2582	00	09	51
	88	00	00	76		2586	00	00	25
	92	00	05	17		2585	00	02	09
	95	00	05	27		2587	00	11	01
	96	00	03	43		2589	00	00	36
	102	00	02	98		2588	00	06	46
	106	00	04	26		2562	00	04	41
	107	00	01	88		2591	00	00	35
	110	00	03	81		2540	00	01	15
	111	00	05	01		2541	00	01	32
	118	00	14	57		2542	00	01	53
	123	00	23	04		2543	00	01	97
	122	00	00	10		2544	00	05	55
	57	00	07	41		2876	00	03	65
	55	00	00	16		2548	00	03	15
	53	00	25	44		2557	00	01	24
	54	00	31	23		2556	00	03	39
	39	00	09	00		2555	00	02	20
	38	00	00	10		2554	00	02	25
	36	00	44	22		2553	00	02	77

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Jarapara	2552	00	01	65	Jarapara	2135	00	03	54
	2551	00	00	10		2139	00	02	19
	2550	00	00	10		2140	00	00	10
	2487	00	08	66		2134	00	02	12
	2450	00	09	43		2019	00	02	06
	2451	00	02	61		2020	00	01	00
	2454	00	15	15		2018	00	00	27
	2455	00	02	70		2022	00	03	40
	2456	00	15	07		2027	00	01	00
	2457	00	04	42		2026	00	02	35
	2430	00	00	14		2025	00	00	10
	2426	00	07	10		2029	00	03	67
	2428	00	02	61		2028	00	00	01
	2427	00	10	31		2030	00	00	75
	2413	00	00	10		2032	00	01	72
	2277	00	01	10		2033	00	02	78
	2275	00	04	20		2051	00	04	08
	2276	00	00	43		2052	00	06	95
	2274	00	03	54		2053	00	00	67
	2273	00	00	10		1960	00	00	56
	2272	00	01	63		1959	00	00	10
	2282	00	00	29		1952	00	10	88
	2271	00	04	98		1953	00	00	95
	2264	00	02	79		1942	00	00	43
	2270	00	00	49		1949	00	02	41
	2265	00	03	32		1947	00	04	74
	2257	00	00	26		1948	00	06	74
	2256	00	01	22		1758	00	00	27
	2266	00	00	10		1946	00	00	14
	2223	00	04	37		1759	00	05	59
	2224	00	01	54		1851	00	00	10
	2222	00	00	34		1762	00	03	23
	2225	00	05	14		1763	00	01	31
	2226	00	00	17		1764	00	03	05
	2144	00	01	75		1765	00	00	97
	2227	00	01	22		1767	00	02	55
	2143	00	03	57		1766	00	04	19
	2145	00	00	10		1769	00	05	51
	2148	00	02	59		1728	00	00	10
	2142	00	00	29		1770	00	01	37
	2137	00	03	15		1784	00	00	10
	2136	00	00	10		1781	00	03	83
	2138	00	01	78		1782	00	00	12

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Jarapara	1780	00	03	73	Jarapara	1262	00	04	72
	1805	00	02	53		1267	00	00	20
	1806	00	00	83		1265	00	01	11
	1808	00	01	37		1266	00	00	80
	1807	00	02	71		1275	00	01	69
	1811	00	00	10		1286	00	00	26
	1809	00	04	36		1282	00	00	38
	1810	00	03	49		1284	00	03	50
	1562	00	00	87	Tube	4832	00	08	58
	1548	00	06	86		4831	00	11	71
	1538	00	02	92		4829	00	06	43
	1539	00	02	17		4828	00	20	24
	1537	00	03	59		4843	00	02	79
	1540	00	00	20		4827	00	11	32
	1536	00	02	17		4820	00	04	25
	1535	00	00	10		4819	00	03	36
	1314	00	05	54		4817	00	00	10
	1315	00	03	26		4816	00	00	71
	1318	00	00	10		4815	00	01	97
	1312	00	03	29		4814	00	04	21
	1311	00	02	45		4813	00	04	38
	1302	00	03	03		4812	00	01	55
	1310	00	00	11		4803	00	01	86
	1301	00	00	10		4804	00	02	41
	1303	00	01	31		4802	00	00	83
	1304	00	02	72		4801	00	00	10
	1309	00	02	48		4740	00	02	30
	1305	00	02	84		4741	00	02	28
	1227	00	02	05		4742	00	02	06
	1226	00	03	42		4745	00	02	79
	1225	00	01	72		4746	00	03	23
	1236	00	00	23		4788	00	03	65
	1238	00	07	54		4787	00	03	89
	1239	00	02	88		4784	00	00	85
	1252	00	00	80		4783	00	06	82
	1251	00	01	05		4782	00	02	87
	1254	00	03	07		4780	00	01	90
	1255	00	00	38		4781	00	01	18
	1253	00	04	89		4758	00	02	71
	1261	00	00	71		4757	00	10	42
	1259	00	03	09		4756	00	00	99
	1263	00	03	52		4529	00	02	87
	1264	00	00	45		4530	00	02	82

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Tube	4535	00	14	60	Tube	3803	00	04	87
	4536	00	01	70		3798	00	07	53
	4537	00	00	75		3797	00	04	12
	4538	00	02	56		3763	00	00	52
	4539	00	00	10		3794	00	04	82
	4541	00	02	43		3789	00	08	05
	4542	00	02	09		3768	00	00	86
	4545	00	02	26		3788	00	04	23
	4546	00	01	92		3787	00	02	81
	4549	00	01	95		3786	00	01	49
	4550	00	01	53		3785	00	01	99
	4551	00	02	15		3784	00	00	10
	4556	00	02	11		3778	00	02	91
	4559	00	04	27		3779	00	02	21
	4203	00	01	29		3777	00	00	13
	3897	00	01	99		3439	00	01	60
	3898	00	01	93		3356	00	00	76
	3896	00	06	56		3355	00	02	17
	3894	00	01	69		3354	00	01	50
	3895	00	03	53		3353	00	00	10
	3899	00	00	72		3352	00	04	61
	3845	00	03	09		1730	00	04	72
	3846	00	02	45		1731	00	00	10
	3844	00	02	09		1734	00	00	25
	3843	00	03	50		1729	00	04	54
	3841	00	04	71		1735	00	00	34
	3840	00	00	99		1681	00	00	49
	3839	00	08	09		1728	00	04	55
	3834	00	00	10		1682	00	00	67
	3838	00	04	14		1683	00	05	39
	3835	00	00	10		1684	00	04	29
	3837	00	02	07		1725	00	00	10
	3836	00	00	40		1723	00	03	69
	3830	00	06	57		1724	00	00	68
	3831	00	00	30		1722	00	02	90
	3829	00	02	93		1721	00	00	71
	3828	00	03	72		1692	00	03	76
	3827	00	00	26		1693	00	03	85
	3808	00	05	38		1568	00	07	97
	3809	00	03	02		1567	00	00	83
	3810	00	02	78		1569	00	04	40
	3811	00	02	88		1570	00	02	41
	3804	00	07	04		1572	00	02	48

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Tube	1571	00	00	84	Tube	758	00	09	53
	1497	00	11	30		756	00	00	40
	1553	00	03	76		752	00	00	54
	1549	00	01	39		759	00	01	69
	1550	00	05	12		760	00	02	59
	1544	00	11	11		751	00	05	92
	1543	00	03	23	Jerang	486	00	04	11
	1541	00	03	27		487	00	00	83
	1540	00	03	40		351	00	03	15
	1288	00	11	47		349	00	02	90
	1287	00	05	13		491	00	14	17
	1291	00	00	23		341	00	28	17
	1286	00	04	74		340	00	00	10
	1285	00	01	17		342	00	00	20
	1284	00	00	29					
	1280	00	02	21					
	1278	00	11	04					
	1277	00	01	89					
	1276	00	00	27					
	1279	00	00	15					
	1275	00	04	72					
	1274	00	00	10					
	1095	00	02	18					
	978	00	06	46					
	972	00	27	40					
	976	00	00	62					
	975	00	04	69					
	974	00	14	81					
	866	00	10	14					
	864	00	08	63					
	863	00	04	73					
	862	00	02	21					
	870	00	02	02					
	861	00	08	51					
	859	00	15	70					
	860	00	00	10					
	878	00	00	48					
	858	00	09	74					
	857	00	12	82					
	855	00	00	10					
	856	00	04	02					
	768	00	00	10					
	757	00	06	15					

[No. R-25011/16/2010-OR-I]

B. K. DATTA, Under Secy.

नई दिल्ली, 15 जुलाई, 2010

का.आ. 1824.—केन्द्रीय सरकार को लोकहित में यह आवश्यक प्रतीत होता है कि पारादीप (उड़ीसा) से रायपुर (छत्तीसगढ़) एवं राँची (झारखण्ड) तक पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिये इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा “पारादीप-सम्बलपुर-रायपुर-राँची पाइपलाइन” बिछाई जानी चाहिये;

और केन्द्रीय सरकार को उक्त पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए यह आवश्यक प्रतीत होता है कि ऐसी भूमि, जिसके नीचे पाइपलाइन बिछाई जाने का प्रस्ताव है और जो इस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित है, में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उनमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है;

कोई व्यक्ति, जो उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितवद्ध है, उस तारीख से जिसको भारत के राजपत्र में यथा प्रकाशित इस अधिसूचना की प्रतियां साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं, इक्कीस दिन के भीतर, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने या भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाए जाने के संबंध में श्री सुकान्त कुमार प्रधान, सक्षम प्राधिकारी, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, पारादीप-सम्बलपुर-रायपुर-राँची पाइपलाइन परियोजना, 1295, फॉरेस्ट पार्क, भुवनेश्वर-751009 (उड़ीसा) को लिखित रूप में आक्षेप भेज सकेगा।

अनुसूची					1	2	3	4	5
तहसील-छेंडिपदा	जिला-अनुगुल	राज्य-उड़ीसा			कटडा	1447	00	06	22
गांव का नाम	प्लॉट नं.	क्षेत्रफल				1448	00	04	54
		हेक्टेयर	एयर	वर्ग मीटर		1449	00	04	57
1	2	3	4	5		1417	00	08	76
कटडा	1548	00	07	95		1416	00	05	78
	1544	00	27	11		1418	00	00	92
	1543	00	09	31		1422	00	00	16
	1531	00	01	76		1402	00	04	74
	1628	00	03	75		1401	00	00	78
	1529	00	00	10		1403	00	01	59
	1528	00	05	31		1404	00	01	40
	1527	00	01	29		1405	00	03	87
	1524	00	02	17		1407	00	04	83
	1525	00	07	41		1408	00	02	10
	1556	00	10	62		1340	00	03	15
	1514	00	08	14		1339	00	04	65
	1515	00	09	57		1338	00	01	13
	1489	00	01	67		1337	00	00	35
	1487	00	00	10		1335	00	01	78
	1490	00	03	23		1344	00	08	32
	1491	00	03	30		1343	00	00	10
	1492	00	03	34		1321	00	05	27
	1493	00	03	29		1320	00	05	88
	1494	00	03	62		1315	00	01	63
	1495	00	03	26		1314	00	02	39
	1496	00	03	88		1313	00	02	92
	1497	00	03	25		1353	00	03	19
	1498	00	03	68		721	00	12	10
	1499	00	03	57		668	00	00	79
	1577	00	06	28		667	00	02	48
	1483	00	03	49		665	00	03	61
	1564	00	01	08		666	00	00	77
	1481	00	05	10		664	00	00	64
	1482	00	00	10		662	00	01	04
	1602	00	09	59		661	00	01	63
	1474	00	04	23		593	00	07	92
	1468	00	05	56		592	00	01	40
	1457	00	20	43		594	00	02	34
	1458	0	01	59		598	00	06	91
	1611	00	03	17		601	00	06	07
	1446	00	11	94		602	00	00	85
	1445	00	00	20		600	00	03	17
						599	00	01	40

1	2	3	4	5
कटड़ा	591	00	03	47
	615	00	00	50
	590	00	02	74
	589	00	14	15
	570	00	00	26
	572	00	04	22
	571	00	13	25
	408	00	11	08
	565	00	00	20
	410	00	02	52
	411	00	00	10
	412	00	00	10
	413	00	01	91
	399	00	02	00
	409	00	09	04
	398	00	00	56
	418	00	22	07
	417	00	00	81
	427	00	05	32
	428	00	03	88
	516	00	07	32
	514	00	06	91
	515	00	00	10
	512	00	07	55
	513	00	02	04
	517	00	00	10
	448	00	04	82
	498	00	00	10
	496	00	05	00
	493	00	09	50
	465	00	09	49
	484	00	01	77
	483	00	13	80
	479	00	09	42
	477	00	07	91
	480	00	00	97
	475	00	25	88
	474	00	81	36
	37	00	04	30
	36	00	10	76
	35	00	05	47
	30	00	43	40
	19	00	22	95

1	2	3	4	5
कटड़ा	20	00	00	10
	16	00	64	04
	13	00	02	15
	12	00	66	07
	1	00	50	31
	4	00	63	62
	1	00	02	14

[सं. आर-25011/17/2010-ओ.आर.-1]

बी. के. दत्ता, अवर सचिव

New Delhi, the 15th July, 2010

S.O. 1824.—Whereas, it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transportation of petroleum products from Paradip (Orissa) to Raipur (Chhattisgarh) and Ranchi (Jharkhand), a “Paradip - Sambalpur - Raipur - Ranchi Pipeline” should be laid by Indian Oil Corporation Limited;

And whereas, it appears to the Central Government that for the purpose of laying the said pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person interested in the land described in the said schedule may, within twenty-one days from the date on which the copies of this notification, as published in the Gazette of India, are made available to the General Public, object in writing to the acquisition of the right of user therein for laying of the pipeline under the land to Sri Sukanta Kumar Pradhan, Competent Authority, Indian Oil Corporation Limited, Paradip - Sambalpur Raipur - Ranchi Pipeline Project, 1295, Forest Park, Bhubaneswar-751009, (Orissa).

SCHEDULE

Tehsil : Chhendipada		Distt. : Angul		State : Orissa	
Name of the Village	Plot No.	Hect.	Are	Sq. Mtr.	
1	2	3	4	5	
Katara	1548	00	07	95	
	1544	00	27	11	
	1543	00	09	31	
	1531	00	01	76	
	1628	00	03	75	

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Katara	1529	00	00	10	Katara	1344	00	08	32
	1528	00	05	31		1343	00	00	10
	1527	00	01	29		1321	00	05	27
	1524	00	02	17		1320	00	05	88
	1525	00	07	41		1315	00	01	63
	1556	00	10	62		1314	00	02	39
	1514	00	08	14		1313	00	02	92
	1515	00	09	57		1353	00	03	19
	1489	00	01	67		721	00	12	10
	1487	00	00	10		668	00	00	79
	1490	00	03	23		667	00	02	48
	1491	00	03	30		665	00	03	61
	1492	00	03	34		666	00	00	77
	1493	00	03	29		664	00	00	64
	1494	00	03	62		662	00	01	04
	1495	00	03	26		661	00	01	63
	1496	00	03	88		593	00	07	92
	1497	00	03	25		592	00	01	40
	1498	00	03	68		594	00	02	34
	1499	00	03	57		598	00	06	91
	1577	00	06	28		601	00	06	07
	1483	00	03	49		602	00	00	85
	1564	00	01	08		600	00	03	17
	1481	00	05	10		599	00	01	40
	1482	00	00	10		591	00	03	47
	1602	00	09	59		615	00	00	50
	1474	00	04	23		590	00	02	74
	1468	00	05	56		589	00	14	15
	1457	00	20	43		570	00	00	26
	1458	0	01	59		572	00	04	22
	1611	00	03	17		571	00	13	25
	1446	00	11	94		408	00	11	08
	1445	00	00	20		565	00	00	20
	1447	00	06	22		410	00	02	52
	1448	00	04	54		411	00	00	10
	1449	00	04	57		412	00	00	10
	1417	00	08	76		413	00	01	91
	1416	00	05	78		399	00	02	00
	1418	00	00	92		409	00	09	04
	1422	00	00	16		398	00	00	56
	1402	00	04	74		418	00	22	07
	1401	00	00	78		417	00	00	81
	1403	00	01	59		427	00	05	32
	1404	00	01	40		428	00	03	88
	1405	00	03	87		516	00	07	32
	1407	00	04	83		514	00	06	91
	1408	00	02	10		515	00	00	10
	1340	00	03	15		512	00	07	55
	1339	00	04	65		513	00	02	04
	1338	00	01	13		517	00	00	10
	1337	00	00	35		448	00	04	82
	1335	00	01	78		498	00	00	10

1	2	3	4	5
Katara	496	00	05	00
	493	00	09	50
	465	00	09	49
	484	00	01	77
	483	00	13	80
	479	00	09	42
	477	00	07	91
	480	00	00	97
	475	00	25	88
	474	00	81	36
	37	00	04	30
	36	00	10	76
	35	00	05	47
	30	00	43	40
	19	00	22	95
	20	00	00	10
	16	00	64	04
	13	00	02	15
	12	00	66	07
	11	00	50	31
	4	00	63	62
	1	00	02	14

[No. R-25011/17/2010-OR-I]

B. K. DATTA, Under Secy.

नई दिल्ली, 19 जुलाई, 2010

का.आ. 1825.—केन्द्रीय सरकार को लोकहित में यह आवश्यक प्रतीत होता है कि मध्य प्रदेश राज्य में बीना संस्थापन से राजस्थान राज्य में कोटा तक पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा एक पाइपलाइन बिछाई जानी चाहिए;

और केन्द्रीय सरकार को ऐसी पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए यह आवश्यक प्रतीत होता है कि ऐसी भूमि में, जो इससे उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित है, जिसमें उक्त पाइपलाइन बिछाए जाने का प्रस्ताव है, उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उस भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है;

कोई व्यक्ति, जो उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध है, उस तारीख से जिसको इस अधिसूचना से युक्त भारत के राजपत्र की प्रतियां साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती है, इक्कीस दिन के भीतर भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाए जाने के लिये उसमें उपयोग के अधिकार के अर्जन के संबंध में श्री किशोर कुमार शर्मा, सक्षम प्राधिकारी, बीना-कोटा पाइपलाइन परियोजना, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, बी-105, इन्द्रा विहार तलवण्डी, कोटा-324005 (राजस्थान) को लिखित रूप में आक्षेप भेज सकेगा।

अनुसूची

तहसील-छबड़ा		जिला-बारां	राज्य-राजस्थान
क्र.सं.	ग्राम का नाम	सर्वे नंबर	क्षेत्रफल हैक्टेयर में
1	2	3	4
1.	दीलोद	120	0.2000
		125	0.0700
2.	बीलखेड़ा	281	0.3600

[फा. सं. आर-31015/10/2008-ओ.आर.-II]

ए. गोस्वामी, अवर सचिव

New Delhi, the 19th July, 2010

S.O. 1825.—Whereas, it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transportation of petroleum products Pipeline from Bina terminal in the State of Madhya Pradesh to Kota in the State of Rajasthan should be laid by Bharat Petroleum Corporation Limited;

And whereas, it appears to the Central Government that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in land under which the said pipeline is proposed to be laid and which is described in the Schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person, interested in the land described in the said schedule may within twenty-one days from the date on which the copies of the Gazette of India containing this notification are made available to the public, object in writing to the acquisition of the right of user therein for laying of the pipeline under the land to Shri Kishore Kumar Sharma, Competent Authority, Bina-Kota Pipeline Project, Bharat Petroleum Corporation Limited, B-105, Indra Vihar Talwandi, Kota-324005 (Rajasthan).

SCHEDULE

Tehsil : Chhabra District : Baran State : Rajasthan			
Sl.	Name of Village	Survey No.	Area in Hectare
1	2	3	4
1.	Dilod	120	0.2000
		125	0.0700
2.	Bilkheda	281	0.3600

[F.No. R-31015/10/2008-OR-II]

A. GOSWAMI, Under Secy.

श्रम एवं रोजगार मंत्रालय

नई दिल्ली, 23 जून, 2010

का. आ. 1826.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मैसर्स बी.सी.सी. एल.के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय, सं. 1, धनबाद के पंचाट (संदर्भ संख्या 195/89) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 23-6-2010 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-20012/86/1989-आई आर(सी-1)]

अजय कुमार गौड़, डेस्क अधिकारी

MINISTRY OF LABOUR AND EMPLOYMENT

New Delhi, the 23rd June, 2010

S.O. 1826.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. 195/89) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court-I, Dhanbad as shown in the annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of M/s. B.C.C.L. and their workman, which was received by the Central Government on 23-6-2010.

[No. L-20012/86/1989-IR(C-I)]

AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE**BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD****Present :** Shri H. M. SINGH, Presiding Officer.

In the matter of an Industrial Dispute under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947.

REFERENCE NO. 195 OF 1989

Parties : Employers in relation to the management of Katras Chaitudih Colliery of M/s. BCCL and their workman.

APPEARANCES:

On behalf of the workman : Mr. D. Mukherjee, Authorised representative.

On behalf of the employers : Mr. D. K. Verma, Advocate.

State : Jharkhand Industry : Coal

Dated, Dhanbad, the 14th June, 2010

AWARD

The Govt. of India Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-20012/86/89-D-3(A), dated, 27th November, 1989.

SCHEDULE

“Whether the action of the management of Katras Chaitudih Colliery of M/s. BCCL in denying employment to Sh. Mukteshwar Kumhar, dependent son of Shri Durga Kumhar, Banksman under the Voluntary Retirement Scheme during the year 1980 was justified? If not, to what relief the concerned workman entitled to?”

2. The case of the concerned workman as disclosed in his W.S. is that Durga Kumhar, permanent Banksman at Katras Chaitudih Colliery had submitted his Voluntary resignation under the Voluntary Retirement Scheme on 1-3-1980 for providing employment to his dependent son Shri Mukteshwar Kumhar. It has been alleged that the management illegally and arbitrarily did not provide employment to the dependent son of Durga Kumhar on the ground that he failed to fulfil the condition under the VRS.

3. The concerned workman immediately protested against the illegal and arbitrary vague reasoning of the management and demanded specific ground for not providing employment to the dependent son. At that time the management orally informed the concerned workman that as per Voluntary retirement Scheme only for those persons dependents will be provided employment who had not attained the age of 56 years i.e. application for V.R.S. should be filed atleast 4 years before the date of actual retirement.

4. The concerned workman immediately submitted to the management that his age is much below 56 years and he has challenged the management contention that the age of the concerned workman is more than 56 years. However, the management appreciating the legal position referred the concerned workman to medical board and the medical board determined the age of the concerned workman as 55 years as on 18-2-81. Appreciating the facts the Agent of the Colliery written a letter to the P.M. Katras Area vide reference No. KC/PD/82-F/847 dated 15-4-82 wherein and whereby he has requested the management to provide employment to the dependent son of the concerned workman.

5. It has been stated on behalf of the concerned workman that inspite of the aforesaid facts the anti-labour management did not provide employment to the dependent son of the concerned workman. The union of the workman thereafter raised the industrial dispute before the ALC(C), Dhanbad which ultimately resulted reference to this Tribunal for adjudication before this Tribunal. It has been prayed on behalf of the workman to pass an Award directing the management to provide employment to the dependent son of the concerned workman w.e.f. 1980 with all arrears of wages consequential benefits.

6. In the W.S. filed on behalf of the management it has been stated by them that the present reference is not legally maintainable. No employer-employee relationship exists between the management and the concerned persons on the date of reference and as such the present reference is out right the preview of industrial dispute Act, 1947, Shri Durga Kumhar was the workman of Katras Chaitudih Colliery and he was superannuated with effect from 18-2-86 on attending the age of sixty years. He did not raise any dispute through any Union during his employment under the management.

7. With a view to increase productivity by inducting young person on piece rated jobs of Miner/Loaders in place of surplus time rated workers the management introduced a voluntary retirement scheme by Circular dated 29-1-79/9-2-79 which remained in force for a short duration. Under that scheme a workman could apply for his premature retirement if he was above the age of 48 years and below the age of 56 years on the date of filling the application for voluntary retirement subject to the condition stipulated in the circular. One of the important conditions was that the vacancy to be created by such retirement would not be required to be filled up from any piece rated workman, which necessarily means the vacancy should be filled up out of surplus time rated workers. Further, the scheme was not intended to cover up productivity workers like Electricians, Fitters, Welders and Moulders who are competent persons under the Coal Mines Regulation 1957. The Banksman and Onsetters are competent persons and are productivity workers as per the conditions of V.R.S.

8. The concerned workman was a productive worker and a competent persons under Coal Mines Regulation 1957 and as such he was not covered within the scheme. There was no possibility of declaring him surplus as he was holding statutory post which is compulsory under the Coal Mines Act, 1947 and he could not be retired without a substitute. To relive such a person a trained and competent Banksman was required to be appointed in his place and there was no surplus time rated workers to shoulder his responsibility.

9. It has been further stated by the management that VRS was not intended to confer any right on the workman to apply for premature retirement. The management was not bound to accept all persons under VRS and permit them to permanently retire. It was purely at the discretion of the management to permit some one to retire permanently and not to permit others to retire permanently. The concerned workman accepted the decision of the management is not permitting him to retire permanently under VRS and did not raise any dispute over the decision of the management. He continued in his employment to the full terms and retired peacefully after completion of 60 years of age. The present issue raised after the superannuation is nothing but gambling in litigation. Accordingly it has been prayed on behalf of the management to pass an Award rejecting the claim of the concerned workman.

10. Both the sides have filed their respective rejoinders admitting and denying the contents of some of the paras of each other's Written Statement.

11. Management in order to substantiate their case has produced Shambhu Nath Verma who has been examined as MW-1. He has proved documents marked as Ext. M-1, M-2, M-3, M-4, M-5, M-6. On behalf of the workman no oral evidence has been adduced but only one documents has been marked as Ext. W-1.

12. Main argument advanced on behalf of the workman is that management has not given employment to Shri Mukteshwar Kumhar, dependent son of Shri Durga

Kumhar, Banksman under VRS Scheme 1980. In this respect the representative of the management argued that the employee Durga Kumhar has retired from service on superannuation. So the question of providing employment to his son does not arise. He was superannuated with effect from 18-2-86. It has also been argued by the management that VRS was not enforceable as regard the Banksman because they are the productive workers as per the conditions of VRS. The concerned workman was a productive workers and a competent person under Coal Mines Regulation 1957 and as such he was not covered within the scheme. All productive workers have not come under VRS. So no question of employment of his son can arise after his retirement. In this respect the Award of Ref. No. 69/89 passed by this Tribunal has also been referred which shows that the action of the management of Katras Chaitdudih Colliery of M/s. BCCL in allowing the concerned workman to continue in service till superannuation was held justified and that its action in denying employment to his dependent son under voluntary Retirement Scheme was also held justified. No evidence has been adduced on behalf of the concerned workman to show that the dependent of productive workers has been provided employment by the management. In view of the facts, evidence and circumstances discussed above I find no merit in the claim of the concerned workman and accordingly the following Award is rendered :—

“The action of the management of Katras Chaitdudih Colliery of M/s. BCCL in denying employment to Shri Mukteshwar Kumhar dependent son of Shri Durga Kumhar, Banksman under the Voluntary Retirement Scheme during the year 1980 was justified. Consequently, Mukteshwar Kumhar is not entitled to get any relief.”

H. M. SINGH, Presiding Officer

नई दिल्ली, 28 जून, 2010

का. आ. 1827.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एवं एम.सी.एल. के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, भुवनेश्वर के पंचाट (संदर्भ संख्या 292/2001) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 28-6-2010 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22012/166/1999-आई आर(सी-II)]

अजय कुमार गौड़, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 28th June, 2010

S.O. 1827.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. 292/2001) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Bhubaneswar as shown in the annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of M.C.L. and their workman, which was received by the Central Government on 28-6-2010.

[No. L-22012/166/1999-IR (C-II)]

AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE**CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL
TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT
BHUBANESHWAR****Present :**

Shri J. Srivastava,
Presiding Officer, C.G.I.T.-cum-Labour
Court, Bhubaneshwar.

Tr. INDUSTRIAL DISPUTE CASE NO. 292/2001

Date of Passing Award 18th June, 2010

Between :

The Project Officer,
Nandira Colliery of MCL,
P.O. Balanda, Distt. Angul, Orissa.

... 1st Party Management

AND

Shri Narottam Naik,
Ex-Loader, S/o. Jaya Naik,
Vill. Janhapada, Po. Daloma, P.S. Parajang,
Dist. Dhenkanal, Orissa.

... 2nd Party-Workman

APPEARANCES:

For the 1st Party-Management.	:	None
For the 2nd Party-Workman.	:	None

AWARD

The Government of India in the Ministry of labour in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section 2(A) of Section 10 of the I.D. Act., 1947 has referred the following dispute existing between the employers in relation to the Management of M.C.L. and their workman vide their letter No. L-22012/166/99/IR (CM-II), dated 31-8-1999:

“Whether the action of the management of MCL (Nandira Colliery) in terminating the services of Shri Narottam Naik, Ex-Loader due to sickness and resultant long absenteeism justified? If not, to what relief the concerned workman is entitled?”

The disputant-workman in his statement of claim has stated that he was appointed and posted as piece rated loader at Nandira Colliery on 29-12-1984. He rendered unblemished service without any adverse remark. He fell ill on 1-3-1995 and was hospitalized in Parajanga Govt. Hospital from 2-3-1995 to 24-11-1995 for his treatment. Because of his serious illness and unconsciousness he could not take permission from his Authority for hospitalization nor could intimate the Management. On regaining sense and becoming conscious on 6-3-1995 he intimated his Authority about his illness and hospitalization through registered post which was duly received and acknowledged by the Project Officer. After

treatment he was found fit to resume duty from 25-11-1995. He submitted his fitness certificate through registered post to the Medical Officer, Nandira Colliery who referred to the Deputy C.M.O (RH), Regional Hospital at Dera Colliery on 27-11-1995 for an opinion regarding fitness. While the papers were under consideration he again fell ill and reported his illness to the Medical Officer, Nandira Colliery. He refused and denied any help. Finding no other alternative and being seriously ill he got himself admitted in Kamakhyanagar Hospital and remained there from 1-12-1995 to 17-10-1996. He intimated about his illness to the 1st Party-Management by registered post on 30-3-1996 which was duly acknowledged. After being relieved from Kamakhyanagar Government Hospital and found fit he submitted medical fitness certificate to the Project Officer, Nandira Colliery who forwarded the same to the Medical Superintendent of Deulbera Colliery. He was called on 19-3-1997 to appear before the Medical Board which he attended and met the officers several times to join the service, but surprisingly on 23-5-1997 the order of removal from service was served on him by registered post. He applied for the review of the removal order, But on finding no hope of consideration, he moved the Asst. Labour Commissioner-I (Central) for conciliation and made out his case. But the 1st Party-Management did not act upon the advice of the Asst. Labour Commissioner-I (Central) whereupon the dispute was forwarded to the Central Government for reference to this Tribunal. His absence from the work due to illness was neither intentional nor within his control. Hence his removal from service is illegal, unjustified and he may be reinstated into service with full back wages and other service benefits.

The 1st Party-Management in reply to the allegations of the disputant-workman has stated that Shri Naik was in the habit of remaining unauthorizedly absent without leave or without sufficient cause. He had been warned several times to improve his attendance. He worked 130 days, 141 days, 92 days, 132 days, 74 and half days and 10 days in the years 1988, 1991, 1992, 1993, 1994 and 1995 respectively out of 306 working days. He did not work for a single day in the years 1989 and 1990 out of 306 working days. Shri Naik inspite of several warnings has not mended his ways and remained unauthorizedly absent from duty with effect from 1-3-1995 without any intimation to the 1st Party-Management. As such specific charges were framed by the competent authority for his un-authorized and continuous absence without sufficient cause and without permission which construed misconduct on his part under clause 26.24 and 26.30 of the certified Standing Orders in force. The disputant-workman was asked to submit his written explanation after serving charges vide letter dated 27-2-1996 which was duly received by the disputant-workman. The explanation submitted by the disputant-workman was not found satisfactory. Hence one man enquiry committee was constituted by the competent authority under intimation to the 2nd Party-workman who participated in the enquiry. He was given adequate

opportunity in accordance with the principles of natural justice to defend himself. After conclusion of the enquiry the enquiry report was submitted in which the disputant-workman was found guilty of the charges levelled against him. Taking into consideration the enquiry report, the evidence on record and the proceedings, the disciplinary authority vide his letter dated 3-5-1997 has removed Shri Naik from the service of Mahanadi Coalfields Limited. It is incorrect to allege that the 2nd Party-workman has rendered unblemished service. Shri Naik was a habitual absentee and never put in attendance of more than 150 days in any of the years from 1988 to 1995. It is also incorrect to allege that he had intimated about his so-called illness to the Management. He did not submit his treatment papers except two medical certificates, one from Parjang Hospital for a period from 2-3-1995 to 24-11-1995 and the other from Kamakhyanagar Hospital for the period from 1-12-1995 to 17-10-1996. The reason stated for his absence is an after-thought to cover up the period of unauthorized absence and is far from truth. The so called certificate mentioning him as an outdoor patient is arranged as a cover up. It is also incorrect to allege that he was not allowed to resume duty. On the contrary Shri Naik did not report for duty even after producing fitness certificate. As per the existing company rules Shri Naik was referred to Regional Hospital for a specialized examination to ascertain his fitness for the job he is to perform. But Shri Naik instead of reporting to Regional Hospital for specialized examination again absented himself and did not report to Dy. Chief Medical Officer of Regional Hospital along with treatment papers as advised. As such he was rightly terminated from service and he is not entitled for any relief.

On the above pleadings following issues were settled:

ISSUES

1. Whether the action of the Management of MCL (Nandira Colliery) in terminating the services of Shri Narottam Naik, Ex-Loader due to sickness and due to long absenteeism is justified?
2. To what relief the workman is entitled?

At the very outset it has to be mentioned that this reference was set exparte against the 2nd Party-workman as he failed to adduce any oral evidence. He simply filed the photocopies of certain documents which have not been proved by any oral evidence. The 1st Party-Management has filed affidavit of one Shri Dilip Kumar Behera who was then Senior Personnel Officer of Talcher Colliery, MCL., Talcher Area in exparte evidence to prove the case of the 1st Party-Management. The 1st Party-Management has also filed certain documents which were exhibited from Ext.-A to Ext.-F. On the strength of the affidavit and documents filed by the 1st Party-Management the then Presiding Officer by his exparte award came to the conclusion that the order of removal from service passed by the 1st Party-Management against the 2nd party workman is proper and justified and does not suffer from

any irregularity or illegality. Resultantly he found that the disputant-workman Shri Naik is not entitled for any relief.

The disputant-workman went in Writ jurisdiction before the Hon'ble High Court of Orissa and the Hon'ble High Court of Orissa in W.P.(C) No. 17492/2006 vide order dated 22-9-2008 set aside the impugned award dated 1-10-2002 and remitted back the matter to this Tribunal for reconsideration of the same afresh, after giving reasonable opportunity of hearing to the parties.

This Tribunal after receipt of the order of the Hon'ble High Court of Orissa issued notices to the parties on 30-12-2008. Thereafter parties appeared but no witness was produced on five dates of their appearance. Subsequently parties remained absent for four consecutive dates. On 10-12-2009 this Tribunal ordered issuance of fresh notice to the parties. After that the 1st Party-Management appeared on one date, but the 2nd Party-workman did not appear. Thus both the parties absented themselves on the 1st four consecutive dates. Ultimately a last opportunity was afforded to the parties to appear and adduce evidence on 14-6-2010. But on that date also, parties were absent. Hence the case was fixed for passing of award on the basis of the evidence on record.

It is also worth mentioning that the Hon'ble High Court of Orissa has directed this Tribunal to dispose of the matter as expeditiously as possible, preferably within a period of four months. But inspite of giving more than sufficient opportunity to the parties to lead evidence and submit their case, the parties did not act positively and produce any evidence.

FINDINGS

Issue No. 1

It is an undisputed fact that the disputant-workman remained absent from duty from 1-3-1995 to 24-11-1995 and thereafter from 1-12-1995 to 17-10-1996 which was according to the disputant-workman was due to illness and hospitalization. But as per the version of the 1st Party-Management the disputant-workman was in the habit of remaining unauthorizedly absent without sufficient cause and without leave. He never rendered service of more than 150 days in any year out of 306 working days. Remaining absent unauthorizedly without any intimation to the Management construes misconduct under clause 26.24 and 26.30 of the certified Standing Orders in force. The 2nd Party-workman remained absent unauthorizedly and continuously with effect from 1-3-1995 without any intimation to the 1st Party-Management as such he was issued charge-sheet to submit his explanation. The explanation submitted by the 2nd Party- Workman being found unsatisfactory, one man enquiry committee was constituted by the competent Authority. The disputant-workman fully participated in the enquiry proceedings and was given sufficient opportunity to defend himself. In the enquiry the 2nd Party-Workman was found guilty of the charges. The affidavit of Shri Dilip Kumar Behera, Senior

Personnel Officer of the Talcher Colliery, MCL, Talcher Area and the documents filed on behalf of the 1st Party-Management clearly prove that the disputant-workman adopted the habit of remaining unauthorizedly absent from duty without leave or without sufficient cause continuously for several months which construed misconduct under the Certified Standing Orders in force. The disputant-workman has not been successful in proving that he was really incapable of joining duty due to his so called illness and hospitalization. He also could not prove that he intimated the fact of his illness and hospitalization to the 1st Party-Management. As such the contention of the 1st Party-Management that the disputant-workman's procurement of medical certificate is after-thought act to cover up his misconduct of remaining unauthorizedly absent for such a long period. There is no allegation of bias against the enquiry officer. The propriety of the domestic enquiry by one-man committee has been challenged by the 2nd Party-Workman. But no material has been placed before this Tribunal to go against its propriety and the findings recorded by the enquiry officer.

In a recently reported case of the Hon'ble Bombay High Court between Subhash Ramchandra Dumbre -And-Maharashtra State Co-operative Agricultural & Rural Development Bank Ltd. and Others [2010-II-LLJ-632 (Born.)] it has been held that "termination of service for long absence on the ground of illness without enquiry and without getting him examined by a doctor from the panel of the Bank before termination is not necessary. The bank was justified in issuing notice of termination by paying compensation of discharge simplicitor".

In the present case the disputant-workman was asked to appear before the Medical Board but he did not report nor submitted any reason for his inability to appear before the Medical Board. Therefore, a gross misconduct was caused by the disputant-workman by remaining unauthorizedly absent from duty for several months altogether without any intimation or grant of leave. Therefore, his termination from service cannot be held unjustified and illegal and the action of the 1st Party-Management in terminating his services due to long absenteeism is held justified and proper. This issue is answered accordingly against the disputant-workman.

ISSUE NO. 2

In view of the findings given under Issue No. 1 above the 2nd Party-workman is not entitled to any relief.

The reference is answered accordingly.

Dictated and Corrected by me.

J. SRIVASTAVA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 28 जून, 2010

का. आ. 1828.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मैसर्स एफ.सी.

आई. के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचाट (संदर्भ संख्या 106/92) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 28-6-2010 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22012/23/एफ/1992-आई आर(सी-II)]

अजय कुमार गौड़, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 28th June, 2010

S.O. 1828.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. 106/92) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Jabalpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of FCI and their workmen, which was received by the Central Government on 28-6-2010.

[No. L-22012/23/F/1992-IR (C-II)]

AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR

NO. CGIT/LC/R/106/92

PRESIDING OFFICER: SHRI MOHD. SHAKIR HASAN

Shri Moharman Singh,

S/o Shri Devi Singh,

A. G. I. (Depot),

Food Corporation of India,

Moti Tabela, Gwalior (MP)

Workman/Union

Versus

1. Managing Director,
Food Corporation of India,
Head Office,
16-20 Barakhambalane,
New Delhi.
 2. Sr. Regional Manager,
Food Corporation of India,
Chetak Building,
Maharana Pratap Nagar,
Habibganj, Bhopal.
 3. Zonal Manager (West),
Food Corporation of India,
Zonal Office,
Mistry Bhavan, D.W. Road,
Churchgate, Bombay-20
- Managements

AWARD

Passed on this 7th day of June-2010

1. The Government of India, Ministry of Labour vide its Notification No. L-22012/23/F/92-IR (Coal-II) dated 9-6-92 has referred the following dispute for adjudication by this tribunal :—

"Whether the action of the management of Zonal Manager (West) Food Corporation of India, Bombay vide order dated 18-5-90 in modifying the punishment

and thereafter imposing on the applicant fixing his pay at the minimum of the time scale of pay of Asstt. Grade-I(D) and intervening period from the date of his compulsory retirement from the service to the date of the reinstatement his service not treated as leave of any kind due, is justified or not, if not what relief the applicant is entitled for?"

2. The case of the workman, in short, is that the workman Moharman Singh is an employee of Food Corporation of India (in short FCI) and was posted at Rajnandangaon depot under Distt. Manager, FCI Raipur on transfer. He was charge sheeted on 1-2-83 and after departmental enquiry, he was dismissed vide order dated 8-7-83. The appellate authority also rejected his appeal. He preferred a writ petition No. 685/1985 before the Hon'ble High Court of MP. The Hon'ble High Court passed the order dated 1-7-1988 and set aside the dismissal order with the direction to reinstate the workman and to pay emoluments in accordance with condition of service and regulations. It is also directed that the management shall be at liberty to pass fresh order by directing the Enquiry Officer (in short E.O) to submit fresh enquiry report on the materials on record. A fresh enquiry report was submitted by the E.O holding the charges as not proved. The Disciplinary authority Sr. Regional Manager, FCI, Bhopal disagreed with the finding of the E.O and passed the order dated 3-8-1989 of punishment of compulsory retirement and the period of suspension was to be treated as non-duty for all the purposes. The workman preferred appeal before the Zonal Manager (West), FCI, Bombay who after considering the materials on record passed order dated 18-5-90 and set aside the dismissal order and reinstate the workman but passed the order to fix his pay at the minimum of time scale. It is stated that the Zonal Manager (W), FCI Bombay found the enquiry report in accordance with the procedure and therefore illegally passed the order to place the workman on minimum time scale. Under the circumstances, the reference be answered in favour of the workman.

3. The management appeared and filed the Written Statement in the case. The case of the management, inter alia, is that admittedly the workman was chargesheeted and he was punished by the order of dismissal after departmental enquiry. The appeal was admittedly rejected. Thereafter admittedly a Writ petition was filed before the Hon'ble High Court of MP. The Hon'ble Court set aside the dismissal order and directed to reinstate the workman. Admittedly it is directed by the Hon'ble Court that the management is at liberty to pass a fresh order after fresh enquiry report on the same materials by the E.O. The workman was reinstated vide order dated 29-9-88 and simultaneously placed under deemed suspension under Regulation 66(6) of FCI (Staff) Regulation, 1971. The fresh enquiry report dated 12-5-89 was submitted by Shri N.S.Sastry, E.O holding the charges stood not proved. The

Disciplinary Authority disagreed with the enquiry report and awarded the penalty of compulsory retirement vide order dated 3-8-89 and the period of suspension was treated as "not on duty". The Appellate Authority, Zonal Manager (W) FCI, Bombay after considering the appeal modified the order of compulsory retirement by fixing his pay at the minimum of the time scale and the compulsory retirement to the date of reinstatement shall be treated as leave of any kind. Vide order dated 21-3-1990. Hence the workman is not entitled to any relief.

4. The workman after filing statement of claim did not produced any evidence and became absent. Lastly the then Tribunal proceeded the reference exparte against the workman on 12-10-2007.

5. The point for issue is as to whether the action of the management is justified or not as has been referred by the reference?

6. To prove the case, the management has adduced evidence in the case. The management witness Shri D.N.P. Sinha is Sr. Regional Manager, FCI, Raipur. He has supported the case of the management. He has stated that he was reinstated as per direction of the Hon'ble Court and the workman had been paid a sum of Rs. 84,583.40. He has further stated that again the Disciplinary Authority passed order on 3-8-89 and imposed a penalty of compulsory retirement and also directed that the period of suspension shall be treated as period not spent on duty. On appeal before the Appellate authority, the punishment of compulsory retirement was reduced and modified to place the workman on the minimum of the time scale of pay of AG-I(D) and the intervening period from the date of compulsory retirement to the date of reinstatement shall be treated as on leave of any kind due in pursuance to the Regulation 66 of FCI(Staff) Regulation, 1971. There is no other evidence to contradict or rebut the evidence of this witness. There is no reason to disbelieve the evidence of this witness.

7. Another witness Shri Rakesh Kumar Chaturvedi is General Manager, FCI, Chhattisgarh Region, Raipur. He has also supported the case of the management and corroborated the evidence of Shri D.N.P.Sinha. He has stated that the punishment of compulsory retirement was modified by the Appellate authority vide order dated 18-5-90. Exhibit M/9 is the order dated 18-5-90 of the Appellate Authority whereby the punishment order was modified. The said order clearly shows that the Disciplinary authority dis-agreed with the report of the Enquiry Officer and relied the statement of delinquent workman which was Exhibit-7 and considered that the charges were proved and imposed the penalty of compulsory retirement. The order of the Appellate Authority further shows that the Appellate Authority simply found in appeal that the punishment imposed on the workman was not appropriate to the gravity of the charges proved and as such modified the punishment accordingly. In absence of any other evidence in rebuttal,

I do not find it proper to interfere in the punishment imposed by the Appellate Authority. However I find that the part reference order is that the question, whether the action of the management vide order dated 18-5-90 of intervening period from the date of his compulsory retirement from the service to the date of the reinstatement of his service not treated as leave of any kind due is justified or not appears to be not correct. The order dated 18-5-90 (Exhibit M/9) is itself clear that the intervening period shall be treated as leave of any kind due. With above observation, the reference is, accordingly, answered.

8. In the result, the award is passed without any order to costs.

9. Let the copies of the award be sent to the Government of India, Ministry of Labour and Employment as per rules.

MOHD. SHAKIR HASAN, Presiding Officer
नई दिल्ली, 28 जून, 2010

का. आ. 1829.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एवं एस.ई.सी. एल. के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय, जबलपुर के पंचाट (संदर्भ संख्या 100/98) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 28-6-2010 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22012/343/1997-आई आर(सीएम-II)]
अजय कुमार गौड़, डेस्क अधिकारी
New Delhi, the 28th June, 2010

S.O. 1829.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government here by published the Award (Ref. No. 100/98) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Jabalpur as shown in the annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of SECL and their workman, which was received by the Central Government on 28-6-2010.

[No. L-22012/343/1997-IR (CM-II)]
AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

**ANNEXURE
BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT,
JABALPUR**

No. CGIT/LC/R/100/98
PRESIDING OFFICER: SHRI MOHD. SHAKIR HASAN
The Secretary,
CSMU, Gevra Project, Qtr. MD395,
Deepika Colony, Distt. Bilaspur,
Gevra Project
.... Workman/Union
Versus
The Chief General Manager,
SECL, Gevra Area, PO Gevra Project,
Distt. Bilaspur (MP)
Gevra Project.
.... Management

AWARD

Passed on this 8th day of June, 2010

1. The Government of India, Ministry of Labour vide its Notification No. L-22012/343/97-IR (CM-II) dated 9-6-98 has referred the following dispute for adjudication by this tribunal :

“ Whether the promotion of Sh. Mohanlal, S/o Sh. Shivratn Lal Sahu, Driver from Cat. V to Driver-Cum-Mechanic Category next at Category VI vide office order No. SECL/CGM/GA/PER/DPC/97/15, dated 1-1-97 of the Chief General Manager, SECL, Gevra Area, Distt. Bilaspur (MP) without giving back effect is justified? If not, to what relief is the workman entitled?”

2. The case of the Union/workman, in short, is that the workman Mohanlal was initially appointed as Labour in Kobra Geora Project of N.T.P.C. In 1971 he was promoted to Mazdoor Cadre Class II. In 1978 he was asked to work as Mechanical helper. Later in 1982 his Junior was promoted to Mechanical Fitter Grade IV but he was not promoted. In 1983 he was transferred as Driver and on 1984 he was working as Driver Grade V at Kusmunda Geora Project. In 1994, other employees namely Khik Ram, Govind Das, N.G.R. Nair and H.P. Gupta were promoted to Driver-cum-Mechanical Grade V but the workman was denied promotion. On enquiry, it was informed that his service sheet was missing. He had a very good service record but then juniors were promoted causing great injustice to the workman. It is submitted that the workman be accordingly promoted with all monetary benefits from due date.

3. The management appeared and filed statement of claim. The case of the management, inter alia, is that the workman was initially appointed as General Mazdoor Cat-I by the National Coal Development Corporation (in short NCDC) instead of N.T.P.C. at Kobra Colliery. Thereafter he was promoted to General Mazdoor Cat-II and had never worked as mechanical helper. In 1994 DPC was constituted to consider the promotion to the post of Driver-cum-Mechanic but he failed to obtain the required minimum mark and therefore his case was not found fit for promotion. Later after successful completion of training, he along with other were promoted to the post of Driver Category V. Subsequently in partial correction to the office order No. 97.13 dated 1-1-1997 he along with other employees were promoted to the post of Driver-cum-Mechanic Cat VI vide order No. 15 dated 1-1-1997. As such there is no merit in the present reference. The reference be answered in favour of the management.

4. The Union/workman subsequently became absent and had not adduced any evidence. Lastly the then Tribunal proceeded the reference exparte against the Union/workman on 7-7-2008.

5. The point for consideration is as to whether the workman is entitled to claim in view of the reference or not.

6. To prove the case, the management has adduced oral and documentary evidence. The management witness

Mr. Syed Vilayatullah is superintending Engineer (Civil) SECL, Chirimiri Area. He has stated that in 1994, the workman failed to obtain the required minimum mark in the DPC and was not considered for promotion. The management has filed the recommendation of DPC of the year 1994 which is marked as Exhibit M/3. This shows that the workman had not obtained the required marks for promotion and only 9 employees out of 33 employees were found fit for promotion. He has further stated that he was promoted to Driver-cum-Mechanic Cat-VI vide order No. 15 dated 1-1-97. The said order is filed which is Exhibit M/5. This document clearly shows that the workman was promoted to the post of Driver-cum-Mechanic Cat-VI vide order No. 15 dated 1-1-1997 but he was not entitled from back date as the evidence discussed above shows that he was not found fit earlier by the DPC. There is no other evidence to disbelieve the evidence of the management. I find and hold that the action of the management was justified for not giving the order in operation with back effect. Accordingly the reference is answered.

7. In the result, the award is passed without any order to costs.

8. Let the copies of the award be sent to the Government of India, Ministry of Labour & Employment as per rules.

MOHD. SHAKIR HASAN, Presiding Officer

नई दिल्ली, 28 जून, 2010

का. आ. 1830.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सेन्ट्रल एक्साईज एण्ड कस्टम डिपार्टमेंट के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय, जयपुर के पंचाट (संदर्भ संख्या 56/06) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 28-6-2010 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-42012/19/2006-आई आर(डी.यू.)]
जोहन तोपनो, अवर सचिव

New Delhi, the 28th June, 2010

S.O. 1830.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby published the Award (Ref. No. 56/2006) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Jaipur as shown in the annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Central Excise and Custom Department and their workman, which was received by the Central Government on 28-6-2010.

[No. L-42012/19/2006-IR (DU)]

JOHAN TOPNO, Under Secy.

ANNEXURE

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JAIPUR

Present : N. K. PUROHIT, Presiding Officer

I. D. 56/06

Reference No. L-42012/19/06-IR(DU) dated: 24-8-2006

BETWEEN

Shri Girdhari Lal,
S/o Shri Munshi Ram
R/o Dev Nagar
Purani Asbadi, Sri Ganganagar.

AND

1. Commissioner,
Central Excise and Custom Department
Near Statute Circle, Jaipur.
2. The Superintendent,
Central Excise and Custom Department,
Sri Ganganagar.

AWARD

15-6-2010

The Central Government in exercise of the powers conferred under clause D of sub-section 1 & 2(A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 has referred the following Industrial Dispute to this tribunal for adjudication which is as under :—

“Whether the action of the management of Central Excise and Custom Deptt. Sri Ganganagar through Superintendent in terminating the services of claimant Shri Girdhari Lal S/o Shri Munshi Ram w.e.f. 1-10-2000 legal and justified? If not, what relief the claimant is entitled to and from which date?”

2. Pursuant to the receipt of the reference, the registered, notices were issue to both the parties. It is evident from the record that Shri Sitaram Chaudhary, Advocate put his appearance before the Tribunal on 5-5-2010 and sought adjournment to file his authority letter to appear on behalf of non-applicant but he did not appears on next date i.e. 14-6-2010. It is also evident that despite service of notice on the claimant Shri Girdhari Lal, he has not appeared before the Tribunal to file his claim statement. It shows that the claimant is not willing to plead his claim.

3. In reference under adjudication, the question under consideration is whether the alleged action of the management of Central Excise and Custom Deptt. Sri Ganganagar through Superintendent in terminating the services of Shri Girdhari Lal w.e.f. 1-10-2000 is justified. Initial burden to prove this was on the claimant, but he has failed to file his claim before the Tribunal. Resultantly, there is no material on the record to adjudicate the matter on the merit. It appears that the claimant is not willing to contest the case further. Thus, under these circumstances “No Claim Award” is passed in this matter.

4. Award as above.

Let a copy of the award be sent to the Central Government for publication u/s 17(1) of the Industrial Disputes Act.

N. K. PUROHIT, Presiding Officer

नई दिल्ली, 28 जून, 2010

का. आ. 1831.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार साऊथ मालाबार ग्रामीण बैंक के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय, एरनाकुलम के पंचाट (संदर्भ संख्या 13/2010) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 28-6-2010 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-12012/151/1992-आई आर(बी-1)]

जोहन तोपनो, अवर सचिव

New Delhi, the 28th June, 2010

S.O. 1831.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. 13/2010) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Ernakulam as shown in the annexure, in the industrial dispute between the management of South Malabar Gramin Bank and their workmen, received by the Central Government on 28-06-2010.

[No. L-12012/151/1992-IR (B-1)]

JOHAN TOPNO, Under Secy.

ANNEXURE**IN THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, ERNAKULAM****Present :**

Shri P. L. NORBERT, B.A., LLB., Presiding Officer

(Friday the 18th day of June, 2010/28th jashtham, 1932)

I.D. 13/2010

(I.D. 2/93 of labour Court, Kozhikode)

Union : The General Secretary,
South Malabar Gramin Bank Deposit
Collectors union,
C/o. South Malabar Gramin Bank,
Kizhissery Branch, P.O. Kuzhimanna,
Malappuram, District, Kerala-673 641.

By Adv. Shri. C. Anil Kumar.

Manangement : The Chairman,
South Malabar Gramin Bank,
Head Office, Malappuram,
Kerala-676 565.

By Adv. Sri. Devan Ramachandran.

This case coming up for hearing on 17-06-2010, this Tribunal-cum-Labour Court on 18-06-2010 passed the following.

AWARD

This is a reference made under Section 10 (1)(d) of Industrial Disputes Act. The reference is :

- “(i) Whether the demand of South Malabar Gramin Bank Deposit Collectors Union (Regd.) to absorb Nithya Nidhi Deposit Collectors as bank employees in South Malabar Gramin Bank is justified ? If so, to what relief they are entitled to ?
- (ii) Whether the action of the management of South Malabar Gramin Bank in reducing the commission from 3.5% to 3% in the year 1976 and from 3% to 2.5% w.e.f. 2-5-78 to N.N.D. Collectors is justified ? If not, to what relief they are entitled to ?”

2. The facts of the case in brief are as follows :—

The management South Malabar Gramin Bank engaged Deposit Collectors for canvassing and collecting fixed deposits, loan instalments and for various other banking activities. The Agents were given commission according to the amount they collected. The rate of commission prevailing prior to 01-02-1978 was 3.5%. But it was reduced to 3% from 01-02-1978. Again the commission was reduced to 2.5% w.e.f. 02-05-1978. This was challenged by the union of Deposit collectors. Union also claimed regularisation of deposit collectors in the service of the management bank. As per reference Labour Court, Kozhikode passed an award in ID 2/1993 on 24-01-1998 finding that the deposit collectors are not workmen within the definition of S.2(s) of Industrial Disputes Act and hence they are not entitled for regularisation. Regarding reduction of commission rate the Labour Court found that since the deposit collectors are not workmen that issue did not arise for consideration and hence no relief was granted. The matter was challenged in OP 18978/1998 by judgment dated 22-08-2005 it was held that the issue whether deposit collectors are workmen or not is covered by the decision of Hon'ble Supreme Court in Indian Bank's Association v. Workmen of Syndicate Bank and Ors. (2001) 3 SCC 36. In the said decision it is held by Hon'ble Supreme Court that the deposit collectors are workmen within the definition of S.2(s) of ID Act, but they are not entitled for regularisation. In the light of this decision High Court modified the award of Labour Court holding that the deposit collectors are workmen, but they are not entitled for regularisation. The judgment in O.P. was challenged in appeal as WA 2537/2005. By judgment dated 15-12-2005 it was held in appeal that since the question of reduction of commission was not considered either by Labour Court or by High Court in OP, the Labour Court was directed to reconsider that question. Thereafter a revised award was passed in ID 2/1993 by Labour Court, Kozhikode on 13-03-2006 finding that the reduction of commission from 3% to 2.5% w.e.f. 02-05-1978 is unjustified. This was challenged again in WPs (C) 18025 & 25275/2006.

By judgment dated 28-05-2009 the Hon'ble High Court held that the Labour Court had not gone into the aspect as to how many deposit collectors were in service of bank either on the date of Ext. W-10 or W-11 circulars (marked in award). The Hon'ble High Court however confirmed the finding of Labour Court that the reduction of commission is bad, but directed the Labour Court to reconsider the matter to the limited extent of determining the number of workmen in service during the period of Ext. W-10 and 11. Thereafter Labour Court, Kozhikode wrote to High Court requesting to transfer the case to this court in view of the establishment of Central Government Industrial Tribunal. The High Court by order dated 17-12-2009 directed the Labour Court, Kozhikode to transfer the case to this court and to dispose of the reference within a period of six months from the date of receipt of the file from Labour Court, Kozhikode. The file was received by this court on 15-01-2010. Notices were issued to both sides and provided opportunity to adduce further evidence, if any. The union produced four documents initially, out of which they wanted to rely on only two documents and they alone were received in evidence and marked on consent as Exts. W-43 and 44. Thereafter one more document was produced and was marked as Ext. W-45. The management produced three documents and they too were marked on consent as Exts. M3 to M5. The remaining documents were already marked by Labour Court, Kozhikode. The relevant portion of remand order of Hon'ble High Court in OP 18025/2006 and 25275/2006 dated 28-05-2009 is contained in paragraph 11 and 12 of the judgment. It reads :

- "11. Thus, while affirming the award to the extent to which the Labour Court has found that there should not have been a reduction of the commission payable to the deposit collectors/workmen unilaterally without notice, I am of the view that the Labour Court should again consider how many deposit collectors were in the service of the Bank on the date of W10 and W11. Award should therefore, be passed with specific reference to the said aspect.
12. Accordingly, ID. No.2/93 shall be reconsidered by the Labour Court, Kozhikode, to the limited extent as indicated above. The management and the union shall be entitled to adduce evidence to show how many deposit collectors were in the service of the bank on the date of W10 and W11. Labour Court shall pass an award with specific reference to the said workmen, taking note of the observations already made above. Such revised award shall be passed within six months from the date of receipt of a copy of the judgment".
3. In view of the remand order the only point that requires consideration is :

"How many deposit collectors were there in service of the bank at the time of Exts. W-10 and 11 ?"

4. The Point :—Ext. W-10 circular is dated 13-02-1978. As per Ext. W-10 commission was reduced from 3.5% to 3% w.e.f. 01-02-1978. Ext. W-11 circular is dated 03-05-1978. As per Ext. W-11 commission was reduced from 3% to 2 ½ % w.e.f. 02-05-1978. The management filed a list of deposit collectors engaged by the management on or before 03-05-1978. As per the list thirteen workmen were in service on or before 01-02-1978. The union produced three agreements, Exts. W-43 to 45. They were executed by Sri P. Ummer, P.P. Balakrishnan and M.P. Jayaraj on 26-05-1977, 08-10-1977 and 28-6-1977 respectively. They were thus working prior to the date mentioned in Ext. W-10. Thus there were 16 deposit collectors on the date mentioned in Ext. W-10 i.e. 01-02-1978. They continued to work even thereafter. Ext. W-11 is dated 03-05-1978. As per list of management two persons had joined the service on 07-02-1978 and 25-03-1978 prior to the date mentioned in Ext. W-11 (i.e. 02-05-1978). Therefore altogether 18 persons were in service on the date of Ext. W-11 circular. The Labour Court passed a revised award holding that the reduction of commission from 3% to 2.5% as per Ext. W-11 is illegal and unjustified and it was upheld by the Hon'ble High Court in OP 18025/2006 and 25275/2006 dated 28-05-2009. It was also observed by High Court that on a parity of reasoning Ext. W-10 circular also cannot be justified. Reduction of commission as per Ext. W-10 and 11 circulars cannot affect these 18 deposit collectors as it is already found to be illegal and unjustified due to want of notice under Section 9-A of ID Act. Hence they are entitled to get commission at the old rate of 3.5% (the rate of commission prior to Ext. W-10 is not disputed). Though Ext. W-10 is dated 13-02-1978 the reduction of commission made effective from 01-02-1978. If so the persons engaged prior to 01-02-1978 would be 16 (13 as per list of management and 3 as per documents of union i.e. Exts. W43 to 45) and persons engaged at the time of Ext. W-11 would be 18 (2 as per list of management and 16 already in service). Since reduction of commission is found to be illegal Exts. W-10 & 11 circulars cannot affect these 18 workmen.

In the result an award is passed in the light of the remand order in OP 18025/2006 and 25275/2006 finding that there are 18 deposit collectors (16 as per Ext. W-10 and 2 as per Ext. W-11) falling within the period of Exts. W-10 and 11 and they are entitled to get commission at the old rate or 3.5%.

The award will come into force one month after its publication in the official gazette.

Dictated to the Personal Assistant, transcribed and typed by her, corrected and passed by me on this the 18th day of June, 2010.

P. L. NORBERT, Presiding Officer

Appendix**Witness for the Union**

WW1 --- Viswanadhan S/o. Sankara Pillai.
 WW2 --- Kunhimuhammad S/o. Alavi.

Witness for the Management

MW1 --- R.P. Raveendran S/o. Damodaran.
 MW2 --- P.N. Gopalakrishna Pillai S/o. Narayana Panicker.

Exhibits for the Union

W1 --- True copy of the leaf-let issued by the Management (series) Establishment.
 W2 --- True copy of the circular issued by the Management establishment in the year 1976.
 W3 --- True attested Photostat copy of the Identity card issued to Shri. P. Vishwanathan on 21-08-1978 by the Branch Manager, S.M.G.B, Chulliyoda Branch.
 W4 --- True copy of Regional Rural Bank proceedings of the management bank.
 W5 --- True attested photo copy of the RD/NND application-cum-specimen signature card.
 W6 --- NND Application-cum-Specimen signature card.
 W7 --- True copy of agreement dt. 16-07-1997 executed between Sreedharan. T.K. and South Malabar Gramin Bank, Karuvarakund.
 W8 --- True copy of Circular No. 79/77 dated 01-08-1997 of the Management.
 W9 --- True copy of Circular No. 106/77 dated 08-11-1997 of the Management.
 W10 --- True copy of Circular No. 19/78 dated 13-02-1998 of the Management.
 W11 --- True copy of Circular No. 48/78 dated 03-05-1998 of the Management.
 W12 --- True copy of Circular No. 59/78 dated 08-07-1998 of the Management.
 W13 --- Letter No. AM(ML)ORG/CHOD/325/89-90 dt. 06-07-1989 issued to Mr. Viswanathan by the Area Manager, SMGB, Malappuram.
 W14 --- Letter No. 9 SMGB.EF. 4315/88 P&D dt. 21-12-1988 issued to P.Viswanathan, Chulliyode Branch by the Senior Manager, SMGB, Malappuram.
 W15 --- True attested photo copy of the Award of the Industrial Tribunal, Hyderabad, in I.D. No. 14/1980.

W16 --- True copy of Appointment Order No. RN.PD.3/3197 dt. 02-12-1983 issued by the Management of Bank of Baroda.
 W17 --- True copy of the Circular No. 46/78 dt. 29-04-78 of the Management.
 W18 --- True copy of the Circular No. 11/79 dt. 21-02-79 of the Management.
 W19 --- True copy of Circular No. 28/79 dt. 27-03-79 of the Management.
 W20 --- True copy of Circular No. 49/79 dt. 18-06-79 of the Management.
 W21 --- True copy of the Annual Report 91-92 of South Malabar Gramin Bank.
 W22 --- True copy of letter No. 9 SMGB.0095.92-93 IR dt. 08-06-92 issued by the Senior Manager, SMGB to the General Secretary, SMGB.
 W23 --- True copy of the letter No. 9/SMGB/610/92-93/IN dt. 25-11-1992 issued to Mr. P. Velayudhan by the Management.
 W24 --- True copy of the letter No. 9/SMGB.664/92-93 IR dt. 14-12-1992 issued by the Management to the General Secretary, South Malabar Gramin Bank.
 W25 --- True copy of the letter No. 719/92-93/IN dt. 22-12-1992 issued to Mr. P. Kunhu Mohammed, General Secretary, SMGB by the General Manager.
 W26 --- True copy of the letter No. 266/92-93 dt. 28-01-93 issued to Sri. Kunhu Mohammad, General Secretary, SMGB by the Sr. Manager, SMGB.
 W27 --- N.N.D. Pass Book No. 2448 issued to P. Abbas, by the Manager, Chulliyods Branch.
 W28 --- Notice No. 9/SMGB/NND/1186/91-92/IR dt. 27-08-1991 issued to Shri P. Damodaran by the Management (True copy).
 W29 --- True copy of Memorandum of settlement dt. 21-10-1991 between the Management of Bank of India and their workman represented by Federation of Bank of India staff union.
 W30 --- True copy of termination order issued to Mr. A.K. Chinnan dt. 27-12-1985 by SMGB, Velam Branch.
 W31 --- True copy of letter No. SMGB.NND.104488 IR dt. 30-09-1988 issued to M.K. Alavi by the Management.

- W32 — True copy of Circular No. 98/91-92 dt. 15-01-92.
- W33 — True copy of Form No. 16A under the Income Tax Act.
- W34 — True copy of letter No. CWLRS.343295 SUG. 90 dt. 10-02-90 issued by the General Manager, SMGB.
- W35 — True copy of Circular No. 105/90-91 dt. 05-02-1991 issued by the Management.
- W36 — True copy of Circular No. 33/90-91 dt. 20-07-1990 issued by the Management.
- W37 — True copy of Circular No. 51/79 dt. 03-07-79 of the Management.
- W38 — True copy of letter No. 141.DM:4755.90-91 P&D dt. 9-10-1990 issued to Shri.P.Kunhu Mohammed, NND Agent, Kizhissery Branch by the General Manager, SMGB.
- W39 — Letter dt. 07-06-79 issued by the Management to Shri.P.P.Moideenkunhi.
- W40 — Letter dt. 22-05-79 issued by the Management to one Shri.P.P.Moideenkunhi.
- W41 — Copy of the letter No. 11/SMGB/A1 dt. 22-08-1996.
- W42 — Copy of the letter No. 11/SMGB/A1 dt. 22-08-1996.
- W43 — Copy of Agreement dated 26-05-1977.
- W44 — — do — 08-10-1977.
- W45 — — do — 28-06-1977.

Exhibits for the Management

- M1 — Receipt No. 166093 of South Malabar Gramin Bank.
- M2 — South Malabar Gramin Bank Nithya Nidhi Collection Sheet.
- M3 — Copy of Agreement dated 01-09-1978.
- W4 — — do — 20-09-1994.
- W5 — — do — 26-07-1978.

नई दिल्ली, 29 जून, 2010

का. आ. 1832.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार स्टेट बैंक ऑफ सौराष्ट्रा के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक

अधिकरण/श्रम न्यायालय, दिल्ली के पंचाट (संदर्भ संख्या 41/2002) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 29-6-2010 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-12012/37/2002-आई आर(बी-1)]

जोहन तोपनो, अवर सचिव

New Delhi, the 29th June, 2010

S.O. 1832.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby published the Award (Ref. No. 41/2002) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Delhi as shown in the annexure, in the industrial dispute between the management of State Bank of Saurashtra of and their workmen, received by the Central Government on 29-06-2010.

[No. L-12012/37/2002-IR (B-I)]

JOHAN TOPNO, Under Secy.

ANNEXURE

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL CUM-LABOUR COURT-II, KARKARDOOMA COURT COMPLEX ROOM NO. 33 (GF), A-BLOCK, DELHI

I.D. No. 41/2002

Dated : 21-06-2010

In the matter of dispute between:

Shri Sunil Kumar
S/o Shri Sohan Lal
Through: U.P.L.F. Regd.
8/440 Trilokpuri
Delhi-110 091

... Workman

Versus

The Branch Manager,
State Bank of Saurashtra
A-16, Acharya Niketan
Mayur Vihar, Phase-I,
Patparganj
Delhi-110 092

...Management

AWARD

The Central Government, Ministry of Labour vide Order No. L-12012/37/2002-IR(B-I) dated 19-06-2002 has referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication :

“Whether the action of the management of State Bank of Saurashtra in terminating the services of Shri Sunil Kumar, Ex-Temporary Peon w.e.f. 02-10-2001 is justified? If not, what relief the applicant is entitled and from which date?”

The statement of claim was filed by the workman on 16-10-2002. Written statement to the same was filed by the

management on 12-06-2003. Thereafter, the workman filed a rejoinder on 16-09-2003. None is present from the side of the workman for the last so many dates of hearing. In fact, ever since the case was transferred to this Tribunal from CGIT-cum-LC-I vide order no. Z-22019/6/2007-IR-C-II dated 11-02-2008; the workman has never attended this Court. Even before CGIT-cum-LC-I, the workman had not been attending the Court. It is thus evident that the workman is no longer interested in the outcome of this reference. In this situation, there is no way out except to pass a no-dispute award, which is passed accordingly. File be consigned to the record room.

Further, it is ordered that the requisite number of copies of this award be forwarded to the Central Government for necessary action at their end.

Dated: 21-06-2010

SATNAM SINGH, Presiding Officer

नई दिल्ली, 29 जून, 2010

का. आ. 1833.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार दूर संचार विभाग के प्रबंधन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय, नागपुर के पंचाट (संदर्भ संख्या सीजीआईटी/एनजीपी/86/2002) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 29-6-2010 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-40012/166/95-आई आर(डी.यू.)]

जोहन तोपनो, अवर सचिव

New Delhi, the 29th June, 2010

S.O. 1833.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. CGIT/NGP/86/2002) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Nagpur as shown in the annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Department of Telecom and their workmen, which was received by the Central Government on 29-6-2010.

[No. L-40012/166/95-IR (DU)]

JOHAN TOPNO, Under Secy.

ANNEXURE

BEFORE SHRI A.N. YADAV, PRESIDING OFFICER,
CGIT-CUM-LABOUR COURT, NAGPUR

Case No. CGIT/NGP/86/2002

Date: 21-6-2010.

Petitioner/Party No.1 Shri Ravindra Shankarrao Wankhede,
At PO: Yerandgaon,
Tah. Nandgaon, Khandeshwar,
Distt. Amravati.

Versus

Respondent/Party No.2 The Chief General Manager,
Telecom (Railway Electrification), 46, Bajaj Nagar,
Nagpur.

AWARD

(Dated 21st June, 2010.)

1. The Central Government after satisfying the existence of dispute between Shri Ravindra Shankarrao Wankhede, Amravati (Party No.1) and the Chief General Manager, Telecom (Railway Electrification), Nagpur (Party No.2) referred the same for adjudication to this Tribunal vide its letter No.L-40012/166/95-IR(DU) dated 15/22-7-1997 under clause (d) of sub Section (1) and sub Section (2A) of Section 10 of Industrial Dispute Act, 1947 [14 of 1947] with the following schedule :

2. "Whether the action of the management of C.G.M., Telecom (Railway Electrification), 46, Bajaj Nagar, Nagpur in allegedly terminating the services of their workman, Shri Ravindra Shankar Rao Wankhede, a casual mazdoor w.e.f. 31-10-88 is legal, proper and justified? If not, what relief the workman is entitled for?"

3. It appears that initially the case was referred to the CGIT, Jabalpur from the Ministry in the month of August, 1997 and on consequent upon establishment of this Tribunal at Nagpur it came to be transferred to this office and issued notices to both the parties on 13-8-2002. The next date was fixed for appearing before the Court on 20-9-2002, on which both the parties were present.

4. In response to the notice, the petitioner appeared before this Tribunal and has filed Statement of Claim on 1-11-2002. The same was replied by the management. After filing the statement of claim and notice to produce original documents, the petitioner and his counsel never appeared in the Court and prosecuted the reference from 16-8-2004. Except filing of the statement of claim, he has not cared to attend the Court. He also did not take any interest in the proceeding.

5. On 14-7-2008 the petitioner and his counsel were also absent. Counsel for Respondent filed pursis on 24-1-2007 to close the case. Petitioner and his counsel both are not attending the Court for more than 4 years. It seems that the Petitioner is not interested in prosecuting the case. I do not think it proper to continue it on the same stage for years together. In the circumstances, no purpose will be served in continuing the case, hence it dismissed for the default of the Petitioner and I pass the negative award that he is not entitled for any relief. Hence this Award.

A. N. YADAV, Presiding Officer

नई दिल्ली, 29 जून, 2010

का. आ. 1834.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सी.पी.डब्ल्यू.डी के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय, नं. 2 नई दिल्ली के पंचाट (संदर्भ संख्या 48/93) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 29-6-2010 प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-42012/48/92-आई आर(डी.यू.)]

जोहन तोपनो, अवर सचिव

New Delhi, the 29th June, 2010

S.O. 1834.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. 48/93) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, No. II New Delhi as shown in the annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of C.P.W.D. and their workmen, which was received by the Central Government on 29-6-2010.

[No. L-42012/48/92-IR (DU)]

JOHAN TOPNO, Under Secy.

ANNEXURE

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL CUM LABOUR COURT- II, KARKARDOOMA COURT COMPLEX ROOM NO. 33 (GF), A-BLOCK,

I.D. No. 48/1993

Dated: 21-07-2010

In the matter of dispute between:

Shri M.G.R. Swami
Through: CPWD Mazdoor Union
E-26 (Old Quarters) Raja Bazar,
Baba Kharag Singh Marg,
New Delhi 110001

....Workman

Versus

The Director General- Works
CPWD
Nirman Bhawan,
Delhi 110001

....Management

AWARD

The Central Government, Ministry of Labour vide Order No. L-42012/48/92-IR(DU) dated 21-07-1993 has referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication:

“Whether the action of the management of C.P.W.D. in terminating the services of Shri M.G.R. Swamy, Frash w.e.f. 10-10-1991 is justified? If not, what relief is the workman entitled to?”

2. The applicant workman has filed his statement of claim in which he has submitted that he was engaged as daily rated Frash/Chowkidar by Executive Engineer K. Division, CPWD, IP Bhavan, New Delhi w.e.f. 13-04-1987 and was retained in service upto 09-10-1991 and from 10-10-1991 his services have been dispensed with and even during the period he was allowed to work, his pay and allowances for 20 (twenty) days earned by him have not been paid to him till date. That the management after the judgment of Hon'ble Supreme Court dated 17-1-1986 in the matter of Surinder Singh & Others v/s Engineer-in Chief, CPWD, have been paying the time scale plus all allowances to the daily rated workers in CPWD. That the daily rated Frash/Chowkidar in CPWD have been getting the wages in the time scale of Rs. 750-940 w.e.f. 1-1-1986. That the work on which the workman was engaged is available but under the garb of management policy, his services have been terminated without following the procedure of law. He has completed more than 240 days of service, as defined under Section 25(b) of the Industrial Disputes Act. That before the termination of his services, the management has not given one month notice, or pay in lieu of that, nor paid the gratuity and other compensation, and, as such, his termination is illegal and unjustified.

3. That juniors to the workmen are still working in the various Divisions of the management. That the workman personally and CPWD Mazdoor Union, of which he is a member, vide letter dated 12-11-1991, requested the management for payment of earned wages and reinstatement with retrospective date but the same was not conceded by the management vide letter dated 19-11-1991. That the management has wrongly and illegally terminated his services as he has approached the Labour Court for payment of equal pay for equal work. The workman, therefore, has prayed for reinstatement in service with full back wages and continuity in service and all consequential benefits as Frash/Chowkidar in the time scale of Rs.750-940.

4. The management has contested the claim of the workman and in its Written Statement has submitted that the claim of the workman is prima facie baseless and devoid of justification. That the appropriate Government has referred the dispute in a stereotyped and mechanical manner, without considering and appreciating the facts. It is submitted that the respondent is not an industry within the meaning of Industrial Disputes Act, 1947. According to the management, the petitioner was appointed as part time Frash w.e.f. 13-4-1987 and he worked on the same position till 31-12-1988 on hand receipt basis on daily rate wages system. Later on, he was engaged as full time Frash w.e.f. 11-1-1989 and he was retained in service upto 20-9-1991. That the terms of reference say that the alleged date of termination is 10-10-1991 but the petitioner worked upto 20-9-1991.

5. That the petitioner was paid daily wages according to the rates prescribed by the Delhi Administration. It is denied that Section 25(b) of the Industrial Disputes Act, 1947 is applicable. That the services of the petitioner were dispensed with as the work being carried out by him could be done by the labour already appointed by the Department, and no fresh appointment has been made thereafter. That no one-month notice or pay in lieu of that or gratuity or other compensation was applicable to the petitioner as he was engaged on hand receipt basis, having no lien or right on the post. That no junior person to the petitioner is working with the respondent. Regarding claim of the petitioner for 20 (twenty) days earned wages, it is submitted that he should contact the respondent for settlement of his dues, if any.

6. That the services of the petitioner were dispensed with w.e.f. 21-9-1991 and not w.e.f. 10-10-1991, as alleged, and no action of the respondent is unfair, or unjust. The respondent has emphatically denied that the petitioner has any claim for reinstatement or back wages, or continuity in services in the time scale of Rs. 750—940. The workman has, therefore, prayed for the dismissal of the case of the petitioner.

7. By filing a rejoinder, the workman has reiterated his claim made in the statement of claim and has refuted the pleas of the management.

8. In order to prove his case, the workman has filed his evidence on affidavit which Exb. WW1/1. He has been subjected to a detailed cross-examination. In rebuttal to that, management has examined its witness, Mr. D.M. Maurya, Executive Engineer, 'K' Division, CPWD, New Delhi, and he has filed his affidavit, which is marked Exb. MW1/1. He has been cross-examined from the side of the workman.

9. I have gone through the written submissions placed on record by both the parties. I have also heard the AR of the workman. None came to orally address the arguments from the side of the management.

10. In order to prove his case, the workman in his evidence on affidavit Exb. WW1/1 has asserted that he was engaged as daily rated Frash/Chowkidar by the Executive Engineer, 'K' Division, CPWD, New Delhi w.e.f. 13-4-1987 and worked up till 9-10-1991 and his services were terminated w.e.f. 10-10-1991, without any notice, notice pay, or gratuity, etc. According to him, all the daily rated workmen in the CPWD were getting their wages in the time scale of Rs. 750—940, with all allowances, but he was paid only minimum wages. That hundreds of workmen were recruited after his termination and even juniors to him were retained by the management and his services were arbitrarily terminated, without following the principles of natural justice, and he is entitled to reinstatement w.e.f. 10-10-1991, with all consequential benefits.

11. In his cross-examination, workman MGR Swamy, after seeing the hand receipt dated 20-9-1991, photocopy of which is Exb. M-1, admitted that the same was bearing his signatures. He admitted having not written any letter regarding non-payment of money to him after 20-9-1991. He also admitted that he was working on work order basis.

12. Though the workman has been cross-examined at length in this case but no challenge was made to his claim that he was engaged as daily rated Frash/Chowkidar w.e.f. 13-4-1987 and he worked up till 9-10-1991, and that his services have been terminated without any notice/notice pay or gratuity, etc.

13. In rebuttal to the above evidence, the witness of the management, Mr. D.M. Maurya, Executive Engineer, 'K' Division, CPWD, in his evidence on affidavit, has stated that the workman was engaged as part-time Frash on daily wages basis on hand receipt system w.e.f. 13-4-1987 and he worked upto 20-9-1991. He asserted that the workman was paid wages according to the rates prescribed by the Delhi Administration and no person junior to the petitioner is working in the management. Accordingly, the services of the petitioner were dispensed w.e.f. 21-9-1991 and not w.e.f. 10-10-1991.

In his cross-examination, Mr. Maurya, MW1, has admitted that attendance of the workman was being marked in the register. It may be noted here that no register from the side of the management has been produced in this case.

14. From the above discussed evidence led by the parties, it is hardly in dispute in this case that the workman worked as a daily rated Frash/Chowkidar from 13-4-1987 and he remained in service up till 9-10-1991. Workman MGR Swamy, in his evidence, has asserted that he worked up till 9-10-1991 and his services were terminated w.e.f. 10-10-1991. Though he has been cross-examined at length, this assertion of his that he worked till 9-10-1991 has not been specifically refuted by the management in his cross-examination. As workman has asserted that he had worked upto 9-10-1991, the burden of proof thereupon had shifted to the management to prove that he did not work till that date. The attendance of the workman used to be marked in the register, as has been admitted by MW-1, the Executive Engineer of the management. That being the position, the attendance register could have been produced by the management to disprove the claim of the workman that he had worked till 20-09-1991 and not up till 09-10-1991. The workman clearly was working regularly from 13-04-1987 to 09-10-1991 and thus he had completed 240 days in a calendar year before his services were terminated by the management.

The services of the workman have been terminated without complying with the provisions of Section 25F of the Industrial Disputes Act, 1947. One-month's notice in

writing, indicating the reasons for retrenchment, or wages in lieu of such notice, has admittedly not been given to the workman before his services were terminated. The workman has not been paid retrenchment compensation as required by Section 25F of the Industrial Disputes Act, 1947. The conditions enumerated in Section 25F are conditions precedent for retrenchment and these are couched in a mandatory form, and the non-compliance there of has the result of rendering the order of retrenchment void ab initio, or non-est.

15. It is no longer in dispute that even casual or seasonal workmen, who have rendered continuous service for one year or more, cannot be retrenched, without complying with the provisions of Section 25F of the Act. Provisions of Section 25F are applicable even in the case of daily rated workmen. Reference in this connection can be made with advantage to the cases reported as (i) *Rattan Singh v. Union of India*, 1997, 11 SCC 396; (ii) *Municipal Corporation of Delhi v. Praveen Kumar Jain*, (1998), 9 SCC 468; 1999 Lab IC 619; and (iii) *Samistha Dubey v. Etawah*, 1999 Lab LR 460; 1999 Lab IC 1125 (SC) and (iv) 2000 LAB I.C. 613 and (v) 2010 LAB IC 1089.

16. In view of the above discussion, I hold that the action of the management of CPWD in terminating the services of Shri MGR Swamy, Frash, w.e.f. 10-10-1991 is unjustified and illegal. The workman, thus, is entitled to reinstatement in service with continuity in service.

17. As regards payment of back wages, it may be noted that the workman in his cross-examination, has stated that he is a married person, having three children, and he spends Rs. 800 (Rupees eight hundred only) on the whole family in a month. He otherwise was also only a daily rated Frash and his services were terminated about 18½ years before. Keeping all this in view, he is held entitled to back wages at the rate of 25% (twenty five per cent only) of the wages which he was last drawing before his termination by the CPWD.

ORDER

In view of my above findings, I hold that the action of the management of CPWD in terminating the services of Shri MGR Swamy, Frash, w.e.f. 10-10-1991 is not justified and is illegal. He is entitled to reinstatement in service with 25% back wages and continuity of service. Regarding his claim for wages for 20 days the workman is directed to contact the management in this regard and the management will consider his claim and settle it. The Management will give effect to this order within two months from the date of publication of this Award.

The Award is passed accordingly.

File be consigned to the record room.

Further, it is ordered that the requisite number of copies of this award be forwarded to the Central Government for necessary action at their end.

Dated: 21-6-2010

SATNAM SINGH, Presiding Officer

नई दिल्ली, 30 जून, 2010

का. आ. 1835.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सी.पी.डब्ल्यू.डी. के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नं. 2, नई दिल्ली के पंचाट (संदर्भ संख्या 99/2004) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 30-6-2010 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-42012/61/2003-आई आर(सीएम-II)]

अजय कुमार गौड़, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 30th June, 2010

S.O. 1835.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government here by published the Award (Ref. No. 99/2004) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, No. 2, New Delhi as shown in the annexure, in the industrial dispute between the management of Central Public Works Department, and their workmen, received by the Central Government on 30-6-2010.

[No. L-42012/61/2003-IR (CM-II)]

AJAY KUMAR GAUR, Under Secy.

ANNEXURE

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL
TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-II,
KARKARDOOMA COURT COMPLEX ROOM NO.
33 (GF), A-BLOCK

I.D. No. 99/2004

Dated: 15-06-2010

In the matter of dispute between:

The Deputy General Secretary,
All India CPWD (MRM) Karamchari Sangathan,
(For Shri Jai Prakash, Generator Operator),
4823, Balbir Nagar Extension,
Gali No. 13, Shahdara,
Delhi-110 032

....Workman

Versus

The Executive Engineer,
ACD Division-IV,
Central Public Works Department,
Vidyut Bhawan,

New Delhi-110001

....Management

AWARD

The Central Government, Ministry of Labour vide Order No. L-42012/61/2003-IR(CM-II) dated 27-5-2002 and its corrigendum dated 14-6-2004 has referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication:

“Whether the demand of the union that Sh. Jai Prakash, Generator Operator should be regularized in view of the Ministry of Labour Notification No. SO 813(E) dated 31-7-2002 is justified? If yes, to what relief the workman is entitled to and from what date?”

The statement of claim was filed by the workman 24-8-2004. None is present from the side of the workman. He has not attended the Court for the last so many dates of hearing. It is thus evident that the workman is no longer interested in the outcome of this reference. In this situation, there is no way out except to pass a no-dispute award which is passed accordingly.

File be consigned to the record room.

Further, it is ordered that the requisite number of copies of this award be forwarded to the Central Government for necessary action at their end.

Dated: 15-6-2010

SATNAM SINGH, Presiding Officer

नई दिल्ली, 30 जून, 2010

का. आ. 1836.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एवं सी.पी.डब्ल्यू.डी. के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नं. 2, नई दिल्ली के पंचाट (संदर्भ संख्या 170/2004) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 30-6-2010 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-42012/191/2003-आई आर(सीएम-II)]

अजय कुमार गौड़, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 30th June, 2010

S.O. 1836.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award (Ref. No. 170/2004) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, No. 2, New Delhi as shown in the annexure, in the industrial dispute between the management of Central Public Works Department, and their workmen, received by the Central Government on 30-6-2010.

[No. L-42012/191/2003-IR (CM-II)]

AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

**CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL
TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-II,
KARKARDOOMA COURT COMPLEX ROOM
NO. 33 (GF), A-BLOCK KARKARDOOMA,
DELHI-110032**

I.D. No. 170/2004

Dated: 15-06-2010

In the matter of dispute between:

The All India CPWD (MRM)
Karamchari Sangathan,
(For Shri Naresh Kumar, Wireman),
4823, Balbir Nagar Extension,
Gali no. 13, Shahdara,
Delhi-110 032

....Workman

Versus

The Executive Engineer,
ACD-IV,
Central Public Works Department,
Vidyut Bhawan,
Shanker Market,
New Delhi-110001

.....Management

AWARD

The Central Government, Ministry of Labour vide Order No. L-42012/191/2003-IR(CM-II) dated 3-11-2004 has referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication:

“Whether the demand of All India CPWD (MRM) Karamchari Sangathan for reinstatement and regularization of Shri Naresh Kumar, Wireman in the organization of CPWD is legal and justified? If yes, to what relief the workman is entitled and from what date?”

The statement of claim was filed by the workman 5-5-2005. He further filed amended claim on 10-7-2006. None is present from the side of the workman. He has not attended the Court for the last so many dates of hearing. It is thus evident that the workman is no longer interested in the outcome of this reference. In this situation, there is no way out except to pass a no-dispute award which is passed accordingly.

File be consigned to the record room.

Further, it is ordered that the requisite number of copies of this award be forwarded to the Central Government for necessary action at their end.

Dated: 15-6-2010

SATNAM SINGH, Presiding Officer

नई दिल्ली, 30 जून, 2010

का.अ. 1837.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एवं डब्ल्यू. सी. एफ.सी.आई. के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नागपुर के पंचाट (संदर्भ संख्या 26/2008) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 30-6-2010 को प्राप्त हुआ था।

[मं. एल-22012/56/2008-आई आर (सीएम-II)]

अजय कुमार गौड़, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 30th June, 2010

S.O. 1837.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 26/2008) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Nagpur as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the management of Western Coalfields Limited, and their workman, which was received by the Central Government on 30-06-2010.

[No. L-22012/56/2008-IR (CM-II)]

AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI A.N.YADAV, PRESIDING OFFICER,
CGIT-CUM-LABOUR COURT, NAGPUR

Case No. CGIT/NGP/26/2008

Dated 18-6-2010

Petitioner/Party No. 1: The General Secretary,
Koyala Shramik Sabha (HMS),
Near Mahakali Mandir,
Chandrapur (Maharashtra).

Versus

Respondent/Party No. 2: The Chief General Manager,
WCL, Chandrapur Area
Chandrapur.

AWARD

(Dated: 18th June, 2010)

1. The Central Government after satisfying the existence of dispute between the General Secretary, Koyala Shramik Sabha (HMS), Near Mahakali Mandir, Chandrapur (Party No.1) and the Chief General Manager, WCL, Chandrapur Area Chandrapur (Party No.2) referred the same for adjudication to this Tribunal vide its letter No.L-22012/56/2008-IR(CM-II) dated 13.08.2008 under clause (d) of sub section (1) and sub-section (2A) of Section 10 of Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947) with the following schedule.

2. Whether the action of the management of M/s. WCL in denying promotion to Shri R.N. Ankar, Lab Technician to higher grade, is legal and justified? To what relief is the workman concerned entitled?"

3. The Petitioner Union on behalf of Shri R.N. Ankar has approached to the Court with the prayer that the workman has since superannuated from 1-3-2010 after attaining the age of 60 years. He does not want to pursue the case further and prayed to close the case and accordingly he has filed the pursis on 19.3.2010. He was allowed to withdraw the case and accordingly no dispute award has been passed. Hence this award.

Date: 18.06.2010.

A.N. YADAV, Presiding Officer

नई दिल्ली, 30 जून, 2010

का.आ. 1838.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एवं एफ.सी.आई. के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नं. 2, चण्डीगढ़ के पंचाट (संदर्भ संख्या 1151/2K5) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 30-6-2010 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22012/319/2002-आई आर (सीएम-II)]

अजय कुमार गौड़, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 30th June, 2010

S.O. 1838.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 1151/2K5) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, No. 2, Chandigarh as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the management of Food Corporation of India and their workman, received by the Central Government on 30-6-2010.

[No. L-22012/319/2002-IR (CM-II)]

AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

IN THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL
TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-II, CHANDIGARH

Present: Sri A.K. Rastogi, Presiding Officer.

Case No. I.D. 1151/2K5 (Old 112/2K3)

Instituted on 18-06-2003

Sh. S.P. Singh, 37, Khadi Colony, Panipat.

Applicant

Versus

The Senior Regional Manager, Haryana, Food
Corporation of India, Regional Office, SCO No. 120-122,
Sector 17, Chandigarh.

Respondent

APPEARANCES

For the workman Sh. G.S. Bal & Bipin Sharma,
ARs.

For the Management : Sh. Parmod Kumar,
Advocate.

AWARD

Passed on 23 June, 2010

The Central Government vide Notification No. L-22012/319/2002-IR(CM-II) Dated 9-5-2003, by exercising its powers under Section 10 sub-section (1) and sub-section 2(A) Clause (d) of the Industrial Disputes Act, 1947 has referred the following Industrial dispute for adjudication to this Tribunal:

“Whether the action of the management of Food Corporation of India, Karnal in terminating the services of Sh. S.P. Singh, Technical Assistant Grade-III w.e.f. 30-8-99 is legal and justified? If not, to what relief he is entitled to?”

At the relevant time the claimant was posted as Technical Assistant Grade-II at Safidon, District Jind (Haryana) in Food Corporation of India (hereinafter called as Corporation). During July to October 1995 two Raw Rice Specials were loaded at Safidon for Kohlapur (Maharashtra). From the destination a complaint was received that the stocks were Beyond Rejection Limit (B.R.L.). A Loss Assessment Statement (LAS) was prepared by the Corporation. According to which the Corporation suffered a loss of Rs. 1,08,29,435-06. Claimant along with three others R.D. Singla, R.P. Singh and D. S. Chauhan were charge-sheeted and after inquiry, the delinquent officials were dismissed by respondent, Senior Regional Manager, Haryana vide order dated 30-8-1999. An appeal preferred by the claimant also failed.

The claimant's case is that he was not provided the opportunity of visiting destination. The impugned dismissal order has not been passed by a competent authority as he was holding a promotional post under the orders of Zonal Manager (North), which is the higher authority than the Senior Regional Manager who passed the Dismissal Order. The dismissal order as well as the order in appeal is illegal, arbitrary, without jurisdiction and against the natural justice for the following reasons:

- (a) Language employed in the charge-sheet indicates as if the charge is already proved. It prejudiced the mind of the Inquiry Officer and vitiated the inquiry.
- (b) At the unloading station nobody on behalf of F.C.I. was present and complaint was made at a later stage from the godowns, where the stocks had been dumped.
- (c) Monthly Inspection Report prepared by Assistant Manager (Q.C.). 5% Inspection Report of District Manager, 15% Inspection Report of D.M.(Q.C.) do not indicate that the dispatched stock was B.R.L. Assistant Manager (Q.C.) had given “priority” for removing the stocks. Disposal of entire stocks except 51 M.Ts was made by sale or through tender and not through Public Distribution

System (P.D.S.). There was no financial loss to Food Corporation of India. The procedure for determining the loss and preparing final Loss Assessment Statement (L.A.S.) was not legal.

- (d) The claimant was not provided proper opportunity to defend himself.

The claimant has also stated that the punishment awarded to the claimant is too harsh. R.D. Singla who had also been charge-sheeted for the same charge and who had also been dismissed ultimately got the relief from the appellate authority and his penalty was reduced from dismissal to that of reduction in rank. The claimant has prayed for setting aside the impugned order of dismissal dated 30-8-1999 and the order dated 5/9-7-2001 in appeal and for a direction for his reinstatement with all consequential benefits including full back wages, seniority and further promotion in the next higher post to which his immediate juniors have been promoted in the meantime.

The claim was contested on behalf of the respondent. In the written statement he has challenged the jurisdiction of this Tribunal. It has been stated that Food Corporation of India is a statutory organization having been established under the Food Corporations Act, 1964 and under Section 45 of the said Act, the Corporation is competent to frame its own regulations for governing the service conditions of its employees. It has been disputed that Senior Regional Manager was not competent to pass the impugned order. According to the respondent the opportunity was provided to the claimant to visit the destination by means of registered letter to concerned Assistant Manager (Q.C.) for service upon the claimant. The punishment was inflicted on the complainant after proper inquiry and after giving him full opportunity to defend himself. The loading and unloading was from F.C.I. to F.C.I. and the complaint made by the destination in itself is enough to prove that the stocks were B.R.L. The fact that the priority had been given by the Assistant Manager (Q.C.) in dispatching the stock is no ground to absolve the claimant. The violation of the norms prescribed by the Corporation in itself is sufficient to charge the claimant with dereliction of duty and the amount of loss is not a relevant factor for determination of dereliction of duty. The claimant cannot equate his case with that of R.D. Singla, who was holding a different rank and was discharging different duties. The claimant at the relevant time was discharging the duties of Technical Assistant, which were primarily directed towards the quality control of the food grains. The L.A.S. had been prepared according to the guidelines. His petition deserves dismissal.

On the pleadings of the parties, the following issues are framed for decision:

- (i) Whether this Tribunal has no jurisdiction to adjudicate the reference?
- (ii) Whether the dismissal order dated 30-8-99 and the order dated 5/9-7-2001 in appeal is illegal.

arbitrary, without jurisdiction and against natural justice for the reasons given in para 7 of the claim statement and whether the Senior Regional Manager was not competent to pass it?

(iii) To what relief is the claimant entitled?

In evidence the claimant filed his own affidavit while on behalf of respondents affidavit of Shri S.D. Dani, Assistant General Manager, Food Corporation of India, Regional Office, Haryana, Sector 4, Panchkula was filed. Parties have filed certain papers also, which will be referred to in the relevant and proper place. In the papers filed by respondents complete inquiry report with all relevant documents and the order of the appellate authority in appeal of R.D. Singla are important.

I have heard the learned counsel of the parties and have gone through the evidence on record. My findings on the various issues are as under:

Issue No.1.

The respondent in the written statement stated that this Tribunal has no jurisdiction to adjudicate the matter as the Food Corporation of India; is a statutory organization having been established under the Food Corporations Act, 1964 and under Section 45 of the said Act, the Corporation is competent to frame its own regulations for governing the service conditions of its employees.

However, in his arguments the learned counsel for the respondent did not press this plea nor any authority was cited in support of the plea. The statutory status of the Corporation and the right to frame its own regulations for governing the service conditions of its employees does not take away the jurisdiction of this Tribunal to decide an industrial dispute. I, therefore, hold that this Tribunal has jurisdiction to adjudicate upon the matter. Issue no. 1 is decided against the respondents.

Issue No.2.

The claimant has challenged the order of his dismissal from service, firstly on the grounds that the language employed in the charge sheet indicates as if the charge is already proved. It prejudices the mind of the Inquiry Officer and vitiates the inquiry. In support of this argument, the learned counsel for the workman cited the case law laid down in *Hans Raj Gupta Vs State of Punjab* 1992(1) SCT 258 wherein it was held by the Hon'ble Punjab and Haryana High Court that where the charge-sheet itself contains the language that the charge against the delinquent stand proved, there is hardly any scope for the Inquiry Officer to dissent such findings. Inquiry Officer in such circumstances cannot keep an open mind and Inquiry report vitiated and cannot be said to be fair and impartial.

It would be noted that in the said case the language employed in the charge-sheet was as follows:

"Thus, it is proved that while you recommended for issuance of license of coal after site inspection, that act on your part was wrong".

"From the above, it is proved that he is careless, irresponsible and not trustworthy Officer."

Here it is not the case. Article of charges are contained in the Inquiry report Ex. M-4. It simply mentioned the facts necessary to constitute the lapses on the part of the claimant. It nowhere says that the allegations against the claimant stand proved. I do not subscribe to the view of the learned counsel for the claimant that the language employed in the charge has prejudiced the mind of the Inquiry Officer and vitiated the inquiry.

The claimant has challenged his dismissal on this ground also that he was not provided the opportunity of joint inspection at the unloading station. Nobody on behalf of F.C.I. was present and the complaint was made at a later stage from the godown where the stocks had been dumped.

So far as the opportunity of joint inspection is concerned, S.C. Dani, Assistant General Manager (General), Food Corporation of India, in his affidavit has stated that opportunity to visit the destination was provided by means of a registered letter Ex. M-2 to the concerned Assistant Manager (Quality Control) for service upon the delinquent/officials. A letter dated 19-12-1995 from the District Office of Food Corporation of India to Assistant Manager (Q.C.), Safidon has been filed, but there is nothing on record that the Assistant Manager (Q.C.) informed the claimant about the joint inspection. During cross-examination Shri Dani has accepted that he has no record to show that the claimant was given the instructions in view of this letter for compliance. On the other hand, the claimant in his affidavit has stated that he was not provided the said opportunity and during the cross-examination he stated that he has no knowledge of any letter received from the District Manager with regard to joint inspection nor he was informed about the said letter.

So there is nothing on record to show that the claimant was informed about the joint inspection and it is true that the claimant was deprived of his right of joint inspection as provided under the relevant regulations. The learned counsel for the workman argued that the claimant was prejudiced in his defence on this count. The learned counsel has submitted a copy of judgment (uncertified) Dated 6th May 1994 of Punjab and Haryana High Court in Civil Writ Petition No. 13008 of 1993 Dalip Singh Versus Food Corporation of India & another. But that was a case of pilferage and the Hon'ble High Court observed that the petitioner in that case was deprived of his right to claim the joint inspection of the stocks.

But it is not a case of shortage in stocks. The charge against the claimant is that he accepted B.R.L. (Beyond rejection limit) stocks and a complaint in this regard was received from the destination. From the inquiry report

Ex. M-4 (page 14) it appears that the complaint was about excess percentage of discolored rice rendering it of 'C' category, with dull appearance, mixture of old and new crop rice, heavily infested and non-homogeneous. The inspection of the destination by the claimant would not have changed the position. Further it is not the case of the claimant that the dispatched stock was not discolored or dull in appearance and not a mixture of old and new crop rice; was not infested and was homogeneous. I am of the view that in the present case it cannot be said that by not providing opportunity of joint inspection to the claimant, his defence was, not prejudiced in any way.

Though it is not in written arguments of the workman/claimant but in his written statement he has challenged his dismissal order on this ground also that at the unloading station nobody on behalf of F.C.I. was present and complaint was made at a later stage from the godown where the stock had been dumped. It is important to note that J.G. Thote, Manager of Central Warehouse Corporation, Kohlapur had appeared in the inquiry as PW-I. His statement finds mention at page 2 of the inquiry report (Ex. M-4). He stated that the technical staff of the Central Warehouse Corporation, Kohlapur, took samples of stocks received ex-Safidon both from the wagon at goods-shed as well as from the stocks in the godown and these samples were analyzed by the Technical Assistants of Central Warehouse Corporation, Kohlapur. The Inquiry Report has a mention of the statement of Gushaik at page 3 and 4. He was Assistant Manager (Q. C.) at District Office Pune. He admitted that no F.C.I. staff is posted at C.W.C. Kohlapur and the same is exclusively managed by CWC staff and that no F.C.I. staff was posted at Kohlapur for supervision of the said stock received at CWC Kohlapur during unloading. The statement of these two witnesses support the plea of the claimant that at the unloading station nobody on behalf of F.C.I. was present and complaint was made from the godowns where the stock have been dumped. But I do not think that it in any way prejudiced the defence of the claimant and the dismissal order can be assailed on this ground. The fact that the analysis of the sample was made by an independent agency; the Central Warehouse Corporation makes the charges strong against the claimant.

The fact that monthly inspection report 5% inspection report and 15% inspection report did not indicate that the fresh stock was B.R.L. or Assistant Manager (Q.C.) had given priority for removing the stock does not provide any certificate about the fitness of the stock. The inspection reports relate to a sample of the stock only and cannot be said to be the representative of the entire stock. It is in the written arguments of the claimant that the stock in question had been procured during the year -1995-96. It is important to note that it was dispatched to Kohlapur from July to October 1995. It cannot be said that it deteriorated in quality in such a short time.

It cannot be a ground to assail the dismissal that the Food Corporation of India did not suffer any financial loss on account of the conduct of the claimant. The acceptance of B.R.L. stock, which was infested, discolored and non-homogeneous, is non-excusable irrespective of the financial loss.

According to the claimant, the procedure for determining the loss and preparing final Loss Assessment Statement (L.A.S.) was not legal. But the plea has not been elaborated.

However, the appellate authority while deciding the appeal of R.D. Singla who also had been charged for the same misconduct in the same enquiry, has observed that the L.A.S. have not been prepared as per Headquarters instructions, the consignee has claimed 50% value of the stock on the basis of issue price as loss whereas as per H.Q. instructions loss has to be worked on double value cuts in refractions exceeding the rejection limit on 15% of issue price during the relevant period. It is also in the order of the authority that in the final L.A.S. submitted before him by appellant (R.D. Singla) the final L.A.S. came down to Rs. 4,60,895-60 against the L.A.S. of Rs. 1,08,29,435.

The aforesaid appeal order substantiates the plea of the claimant in this regard.

The claimant has further pleaded that he was not given the proper opportunity to defend. But I am not impressed with this plea. The enquiry report shows that the enquiry was conducted according to rules of natural justice in a fair manner and it cannot be said that the claimant was not given proper opportunity to defend himself.

It was vehemently argued on behalf of the claimant that he had been promoted to the post of Technical Assistant Grade-II under the orders of Zonal Manager, who is the higher authority than the Senior Regional Manager, who passed the dismissal order. Senior Regional Manager was not competent to pass impugned order.

In this regard it is important that the Dismissal Order is dated 30-08-1999 and on that date the claimant was not holding promotional post. He had already been reverted to his original post of Technical Assistant Grade-III w.e.f. December 1998 in another case. The claimant himself has made necessary disclosure in this regard in his claim statement, though quietly.

Moreover, fault cannot be found with the impugned order on this ground in view of law laid down in Food Corporation of India and others Versus Sone Lal AIR 2006 S.C. 264 cited by the learned counsel for the management. In that case also the respondent had been promoted to category III post of Technical Assistant Grade by Zonal Promotion Committee. Penalty of compulsory retirement was passed by the Senior Regional Manager, which was the appointing authority. It was held that the punishment order is not without jurisdiction. The Senior Regional

Manager, Food Corporation of India is competent to impose the penalty of compulsory retirement on the respondent under Regulation 56 of the Regulations. The Hon'ble Apex Court observed that the Senior Regional Manager/Regional Manager/Zonal Manager are each competent to impose any of the penalties i.e. minor as well as major penalties. It is evident that the Senior Regional Manager is not only the appointing authority for the post held by the respondent but also he is competent to act as disciplinary authority for the purpose of regulations 56, 57, 58 and 59 of the Regulations and impose major penalties. As per regulation 56 and Appendix 2 of the Regulation, the appointing authority of category (III) posts is Senior Regional Manager/Regional Manager and the Zonal Manager is not the appointing authority.

It is thus clear that Senior Regional Manager is competent to pass the impugned order.

In view of the above going discussion, I am of the opinion that the dismissal order cannot be assailed on the aforesaid grounds. Issue: No.2 is decided against the claimant.

Issue No. 3.

It was vehemently argued on behalf of the claimant that the order of dismissal is extremely harsh on the claimant particularly in view of the punishment imposed by the appellate authority to R.D. Singla, who had been charge-sheeted along with the claimant for the same misconduct. According to the management, the case of R.D. Singla was different. The claimant and R.D. Singla are from different cadres and had different duties. As it is clear from the order passed by appellate authority in the appeal of R.D. Singla that he had accepted the stock and was not able to rebut the charge of acceptance of B.R.L. rice. It is important note that R.D. Singla was holding the post of Assistant Grade-II(PP) while the claimant was holding the post of Technical Assistant Grade-II and the claimant in his cross-examination had admitted that it was his duty to maintain quality of the foodgrains. He however, has further stated that the duty of Technical Assistant Grade-II and Technical Assistant (P.P.) is the same. Both are responsible for the quality control. I am of the view that while the persons holding the post of Technical Assistant Grade-II and Technical Assistant (P.P.) both were responsible for the quality control but primarily it was the duty of Technical Assistant Grade-II to ascertain the quality. The Enquiry Officer at page 2 in his report Ex. M-4 has indicated that the job and responsibility of the Technical Assistant is to ensure that the stocks are accepted by him in the depot from the millers as per the specifications laid down by the Corporation.

While considering the punishment it is important to note that the claimant in another case has already been reverted from the post of Technical Assistant Grade-II to Technical Assistant Grade-III. The penalty of reduction in rank cannot be imposed on him. However, considering the

facts that as per final L.A.S. the loss to the Food Corporation of India has come down to Rs. 4,60,895-60 against the L.A.S. of Rs. 1,08,29,435 (as per appeal order in case of R.D. Singla) and co-delinquent R.D. Singla has got relief in appeal, I am of the view that the order of dismissal may be modified to compulsory retirement. The penalty of dismissal awarded to the claimant by the disciplinary authority and the appellate authority is accordingly modified to compulsory retirement. The claimant will be entitled to all terminal benefits. The reference is answered accordingly. Let a copy of the award be sent to the Central Government for further necessary action and record be consigned after due compliance.

ASHOK KUMAR RASTOGI, Presiding Officer

नई दिल्ली, 30 जून, 2010

का.आ. 1839.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एवं एफ.सी.आई. के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नं. 1, चण्डीगढ़ के पंचाट (संदर्भ संख्या 41/2002) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 30-6-2010 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22012/21/2001/आई आर (सीएम-II)]

अजय कुमार गौड़, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 30th June, 2010

S.O. 1839.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No. 41/2002) of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, No. 1 Chandigarh as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the management of Food Corporation of India and their workman, which was received by the Central Government on 30-06-2010.

[No. L-22012/21/2001-IR (CM-II)]

AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

**BEFORE SHRI GYANENDRA KUMAR SHARMA,
PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVT.
INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT-I,
CHANDIGARH**

Case I.D. No. 41/2002

Shri Paramjit Singh S/o Shri Tara Ram, Village Arjanwal,
P.O. Adampur, Jalandhar (Punjab).

Applicant

Versus

The District Manager, Food Corporation of India, Distt.
Office, 569-L, Model Town, Jalandhar City.

Respondent

APPEARANCES

For the Workman:

Shri Vijay Kumar Chopra.

For the Management

Shri N.K.Zakhmi.

A W A R D

Passed on : 17-6-2010

Government of India vide notification no. L-22012/21/2001-IR(CM-II), dated 7-3-2002 by exercising its powers under Section 10 of the Industrial Disputes Act, (the Act in short) has referred the following industrial dispute for adjudication to this Tribunal:

“Whether the action of the management of FCI in terminating the services of Shri Paramjit Singh S/o Shri Tara Ram is legal and justified? If not, to what relief he is entitled to?”

After receiving the reference parties were informed. Parties appeared and filed their respective pleadings. As per the contention of the workman, he was not conferred any opportunity of being heard before dismissing from the services. This act of the management, as per the contention of the workman, is against the principle of natural justice as no enquiry has been conducted and opportunity of being heard given. The factual position which is clear from the statement of claim of the workman is that the workman was engaged as labour and he was conferred ancillary labour status. He lastly worked with the management on 01.11.99 and on the same day his services were terminated without conducting any enquiry and without affording any opportunity of being heard to him. On the basis of the above contentions, the workman has prayed for setting aside the dismissal order and for consequential order reinstating him into the services along with consequential benefits.

The management appeared and contested the claim by filing written statement. In short, the contention of the management is that the workman remained absent from 1-1-94 to 23-4-95 and thereafter, from 14-11-95 to 26-3-96. He has not only remained absent but during the above mentioned period he was not in India and working in Dubai for monetary gain. His brother being member of Three Member Committee, managed to get the wages for the workman for the period in question fraudulently. On disclosure of this fact, an enquiry was conducted by the management in which it came to the notice of the enquiry officer that workman remained absent for the period in question and he was gainfully working in Dubai. It is further contended by the management that workman initially filed a writ petition before Hon'ble the High Court of Punjab & Haryana and Hon'ble Punjab & Haryana directed the management to dispose of the representation and issued a legal notice to workman within two months from the date of receiving the order. The management passed the speaking order after conducting an enquiry within two

months from the date of receiving the order of Hon'ble High Court.

In replication the workman denied to go abroad. It is stated in replication that workman was very well present in India as he was under treatment of the Doctor whose Certificates he has provided with to the management.

Both of the parties were afforded the opportunity for adducing evidence. As more as three witnesses were produced by the workman, whereas, on behalf of the management Shri Ravinder Pal Singh General Manager, Food Corporation of India was cross-examined.

I have heard the parties at length and perused the entire materials on record. The main issues for adjudication before this Tribunal are:

- (1) Whether the workman has visited abroad (Dubai) without prior permission of the management? If yes, its effects.
- (2) Whether the management while conducting the enquiry has violated the rights of the workman relating to principle of natural justice?
- (3) Whether the workman was justified in passing the order of dismissal of the workman from the services?
- (4) Relief, if any.

Before answering the issue no. 1, it is important to mention that proceedings before this Tribunal runs on the basis of justice, equity and good conscious. This Tribunal is an adjudicatory body having quasi judiciary powers and supposed to decide the cases on the basis of equity, justice and good conscious. The proceedings before this Tribunal and before the authority conducting the department enquires are altogether different. In these proceedings it is not necessary to comply with the provisions of enactments as such.

The workman in his statement of claim has contended that the period of his absence should be treated as leave without pay but has add nothing about his foreign visit. Later on, he denied any foreign visit. On perusal of the evidence documentary and oral, it is evident that following evidence was on record before the person conducting enquiry against the workman on these issues :—

- (1) The statement of concern Gram Panchyat that the workman has visited Dubai twice and remain there for the period mentioned by the management in its written statement meaning thereby, w.e.f. 1-4-94 to 23-4-95 and thereafter, 14-11-95 to 26-3-96.
- (2) The statement of co-workers working in the FCI regarding his visit to abroad for the period mentioned above.

No doubt, the reports from the co-workers are both-sided. Some workers given the report that he has continuously worked with the FCI whereas, other set of employees have given in writing as well as oral statement before the enquiry officer that he had visited Dubai twice.

There is a letter written by so called Paramjit Singh to his friend Amrik Singh S/o Shri Rulda Ram. This letter reveals that Paramjit was working on Card No. 687 at Post Box No. 5135, BEAM ENG. CO. LTD. SHARJAH, U.A.E. It is admitted by the workman that workers named Balwant Singh, Harbanslal, Amarjeet and others had worked with him in FCI and they have given in writing that he had gone to Dubai twice. It is true that letter was not properly proved by the Management. It is also true that there is no record from Embassy, concern for visiting the workman to Dubai. But if a fact before the departmental proceedings can be proved without such documentary evidence from Embassy the decision cannot be disputed on the ground that letter from the Embassy regarding conformation of his visit to Dubai was not available to the enquiry officer. The workman has denied for conducting any enquiry or any enquiry report.

As stated earlier this enquiry was conducted by the management on the order of the Hon'ble High Court to pass the speaking order within two months. A high level committee was constituted by the management which enquire the matter and came to the conclusion that workman has visited Dubai twice and he was not present in India for the wages he claimed. The committee also comes to the conclusion that wages were fraudulently claimed in connivance with the brother of the workman who was the member of Three Member Committee. The committee should not have seen that all the evidence was to be produced before it. It is to be seen whether the evidence before the committee was sufficient to prove the fact that workman has visited abroad. As stated earlier, proceedings in departmental enquiry and before the Administrative Tribunals are altogether different then the civil proceedings. Before the Administrative Tribunals and in departmental proceedings, there should be no allergy even to here say evidence, if it has credibility. Evidence of Sarpanch and Co-worker is sufficient to prove that workman has visited abroad twice for the period in question.

To rebut this fact the workman has produced two witnesses Dr. Kishan Kumar and Dr. Indu R. Singh. Workman has also provided with a medical certificate which is marked as Ex. MM-2 containing the cuttings in every entry where the name of the workman Ranjit is record on 28-11-95, the name of Ranjit is recorded at serial no. 11 which is last patient for that day. It is clear from the perusal of this document that this name was added thereafter and adjustments were made in amounts received and recorded by the Doctor concern. The Doctor concern has admitted that there are cuttings on this page. The calculation of total amount was 185 and to justified Rs. 40 written in the

front of the name of the workman, figured at serial no. 2, serial no. 4, serial no. 5, serial no. 6 and serial no. 8 were adjusted. This correction is visible by naked eyes. No expert opinion is required to be taken in this regard. Likewise, on every date on which the workman has said to approach the Doctor, the name of the workman is recorded at bottom and to be in different ink. This is the continuous process that name of the workman was record at bottom on every page. The circumstances speak itself. In the ordinary course of the nature; it is not possible for the workman that every time which he visited the Doctor he was the last patient. The possibility of being the last patient cannot be denied in normal circumstance. Under such circumstances, where there are cuttings in the certificate, writing is in different ink, this possibility is doubtful. Thus, the register relied upon and placed by the workman of the Doctor concern who was cross-examined by this Tribunal cannot be relied because the same is doubtful.

Thus, the evidence of Sarpanch and co-workers remain rebutted. There is no reason before this Tribunal to doubt the findings of the committee that workman has visited to Dubai twice for employment. Thus, the issue is decided with the finding that workman visited unauthorizedly without permission Dubai twice for the period mentioned above and in that period he was not present in India.

Undoubtedly, the wages for the period when the workman was not in India were claimed. Sufficient material was before the committee that wages were claimed in connivance of the brother of the workman who was the member of the TMC.

It has also come before this Tribunal that the workman was not entitled for appointment of handling labour because he has not completed the days as required in para no. 3 of the statement signed on 5-4-95. As per para no. 3 of the said circular, only those workers who had been paid wages for 9 months during the last 12 months before April, 1995 will be allowed to continue under the prevalent direct payment system for providing linked price rate basis on no work no pay through TMC. The workman was not paid nine months wages during last 12 months before April, 1995 because he was in Dubai during this period and the wages if any, claimed in the name of the workman were fraudulently drawn. How it is possible that workman was working In Dubai as well as in FCI.

Principle of natural justice requires that fair and proper opportunity should be given to every person against the order is passed. As stated earlier, that proceedings before this Tribunal runs on the basis of equity, justice and good conscious. There is one more principle that he who pleads equity must do equity. If the workman was not present in India and he unauthorizedly absented from FCI and went abroad and during his absence the wages on his name were claimed fraudulently, whether he is entitled to

claim any relief on the ground of violation of the principle of natural justice. Where the very foundation of any claim is fraudulent and illegal, whether the law permits to subsidize the illegality on the ground of principle of natural justice? It is true that the committee constituted for passing a speaking order on application and notice of the workman has not given opportunity of being heard to the workman. But in my view, it was a fair enquiry conducted by the management on the application of the workman and the legal notice of the workman. In such type of cases, if the workman is provided relief on the ground of violation of principle of natural justice, the very purpose of law will be frustrated. The persons who commit illegality should not allow to claim the violation of principle of natural justice. This claim is available to the workman in ordinary course of nature but in case of fraudulent act he should not be permit to raise this plea. Moreover, management has also proved before this Tribunal that workman has visited abroad twice and was not present in India as mentioned by management. The management has also proved that the salary of period workman was in Dubai were fraudulently taken in convince of his brother who was the member of T.M.C.. All possible opportunity of being heard was given to the workman by the Tribunal.

The committee appointed by the management, conducted the enquiry had come to know that workman has visited Dubai twice unauthorizedly without consent. Even his presence was illegally shown and wages received fraudulently. Under such circumstances this Tribunal should not permit the workman to raise the plea of violation of principle of natural justice, whereas, in the opinion of this Tribunal the committee conducted a fair enquiry except to ask the workman regarding his step. At the cost of repetition, the person who commits illegality should not be benefited for his illegal acts and designed on the ground of principle of natural justice. Thus, it is not open for the workman to plead for the violation of principle of natural justice as he has illegally visited Dubai during the period in question and has claimed to be present and get wages from, FCI. Moreover, workman in his evidence has himself admitted that he has not completed 240 days of work in any of the calendar year before his dismissal. Under such circumstances, he was not entitled for the status of ancillary labour and the same was illegally/afforded on him. Thus, the management has rightly dismissed the workman from the services. It is not the case of inaction and laxity on the part of the workman but it is the case of illegally and committing fraud with the organization who has been providing the food and shelter to the workman.

On the basis of the above observation, I am of the view that workman is not entitled for any relief. He was rightly dismissed from the services by the management by conducting the enquiry in compliance of the order passed by the Hon'ble High Court to disposed of the representation of the workman and the legal notice given by him within

two months from the date of order. For the reasons mentioned in the body of this award, it is not open to the workman under the circumstance prevailing in this case to plead for the violation of the principle of natural justice by enquiry officer. The reference is accordingly answered. Let Central Government be approached for publication of award and thereafter, file be consigned to record room.

G. K. SHARMA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 30 जून, 2010

का. आ. 1840.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार डब्ल्यू. सी.एल. के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय, जबलपुर के पंचाट (संदर्भ संख्या 258/89) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 30-06-2010 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-22012/188/1989-आई आर(सी-II)]

अजय कुमार गौड़, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 30th June, 2010

S. O. 1840.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No.258/89) of the Central Government Industrial Tribunal -cum-Labour Court, Jabalpur as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of WCL and their workman, which was received by the Central Government on 30-06-2010.

[No. L-22012/188/1989-IR(C-II)]

AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR

No. CGIT/LC/R/258/89

Presiding Officer : Shri Mohd. Shakir Hasan

The General Secretary,
Rashtriya Koyla Khadan Mazdoor Sangh(INTUC),
Post Chandametta
Distt. Chhindwara (MP) ... Workman/Union

Versus

General Manager,
Western Coalfields Ltd.,
Kanhan Area, Post Dungaria,
Distt. Chhindwara (MP) ... Management

AWARD

Passed on this 16th day of June, 2010

1. The Government of India, Ministry of Labour vide its Notification No. L-22012(188)/89-IR (Coal-II) dated 30-11-89 has referred the following dispute for adjudication by this tribunal:-

“Whether the action of the General Manager, Western Coalfields Ltd., Kanhan Area, PO Durgaria, Distt. Chhindwara (MP) in relation to their Regional Workshop, in retiring Shri Lallan Pandey, Mechanical Fitter w.e.f. 6-7-1988 without considering their own records of service is justified? If not what relief the concerned workman is entitled to?”

2. The case of the Union/workman in short is that the workman was appointed on 1-7-1951 in the Ravanwara Khas Colliery where his age was recorded as 16-7-1930 and the same was also recorded in CMPF records. After nationalization, he was transferred to Regional Workshop, Kanhan. On 24-6-81, the management of Kanhan Area issued a circular notice to the workers to confirm the date of birth within 90 days. The workman is said to have immediately represented to rectify his date of birth from 16-7-1928 to 16-7-1930. It is alleged that the management had taken his signatures on different blank forms including Form B on the pretext to be sent to CMPF Commissioner. When his date of birth was not corrected he had again filed representation. Later the matter was taken up by the Union under I.R. System on 15-7-88 but the management refused to correct the date of birth and the workman was prematurely superannuated on 16-7-1988 instead of 16-7-1990 causing monetary loss of two years. The Union/workman claims monetary benefit till 16-7-90 with costs of the suit.

3. The management appeared and filed written statement. The case of the management in short is that the workman was initially appointed on 22-6-1959 in Delta Colliery wherein the record of his date of birth was recorded as 16-7-1928. Thereafter he was transferred to Ghorawari Colliery and there his same date of birth was recorded. In L.P.C. and Form B the same date of birth was recorded and the workman had put his signature on the record in token of acceptance of his age. It is an admitted fact that a notice was displayed in the Regional Workshop Kanhan to raise dispute, if any, with regard to the date of birth but the workman did not raise any objection. In 1987, the service details was circulated but the workman signed the service excerpts without any objection. The workman had not submitted any representation before 1988. It is submitted that the action of the management in retiring the workman w.e.f. 16-7-1928 is justified.

4. On the basis of the pleading of both the parties, the following issues are framed for adjudication-

- I. Whether the date of birth of the workman is 16-7-1930 instead of 16-7-1928?

II. If so, what relief the workman is entitled to?

5. Issue No. I

The Union has examined one witness, the workman in the case. He has stated that he was transferred to Regional Workshop, Kanhan Area and the L.P.C. was issued. The L.P.C. shows that his date of birth is 16-7-1928. He has admitted that service record was received by him which is marked as Exhibit M/1. The said service bears the signature of the workman and the date of birth was recorded as 16-7-1928. He has also admitted the signature on Form B which are marked as Exhibits M/2 and M/3. The document Exhibit M/2 is the Form -B of Ghorawari Colliery. This Form B shows that the date of birth is 16-7-28. There is no allegation that the management of Ghorawari Colliery had obtained his signature on blank papers. This was the place from where the workman was transferred. Thus the evidence of the workman also supports the fact that his date of birth is 16-7-1928. Moreover the evidence of the work does not corroborate the fact that before 1988, the workman had raised any objection regarding his age.

6. On the other hand, the management has also adduced oral and documentary evidence. Mr. Gulam Hussain was Personnel Manager, Kanhan Area. He has supported the case of the management. He has stated Shri Lallan Pandey was appointed in the year 1954 and his date of birth was recorded as 16-7-1928 in the Delta Colliery. He has further supported that in the statutory his age was recorded as 16-7-1928. The documents further support the case of the management that the date of birth is 16-7-1928. Thus I find and hold that the date of birth of the workman was 16-7-1928.

7. It is not out of place to say that during the course of proceeding the workman died and his legal representatives are substituted as party in the proceeding. However I find and hold that the workman superannuated rightly on his date of retirement. This issue is decided in favour of the management.

8. Issue No. II

On the basis of the discussion made above, it is clear that the workman was rightly retired and the management is justified in retiring him w.e.f. 16-7-1988. Accordingly the reference is answered.

9. In the result, the award is passed without any costs.

10. Let the copies of the award be sent to the Government of India, Ministry of Labour & Employment as per rules.

MOHD. SHAKIR HASAN, Presiding Officer

नई दिल्ली, 30 जून, 2010

का. आ. 1841.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार बैंक ऑफ

महाराष्ट्र के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, पुणे के पंचाट (संदर्भ संख्या 14/2008) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 29-06-2010 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-12011/114/2007-आई आर(बी-II)]
कमल बाखरू, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 30th June, 2010

S. O. 1841.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No.14/2008) of the Industrial Tribunal, Pune now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employees in relation to the management of Bank of Maharashtra and their workman, which was received by the Central Government on 29-06-2010.

[No. L-12011/114/2007-IR(B-II)]
KAMAL BAKHRU, Desk Officer
ANNEXURE

**BEFORE SHRIS. K. DESHPANDE, INDUSTRIAL
TRIBUNAL MAHARASHTRA AT PUNE**

Reference (IT) No. 14 of 2008

The Assistant General Manager,
Bank of Maharashtra, Pune Rular Region,
Kesariwada, Narayan Peth, Pune. ...First Party

AND

The General Secretary,
Bank of Maharashtra Karmchari Sangh,
185, Shaniwar Peth, Pune-30 ...Second Party

In the matter of reinstatement.

APPEARANCES

Both parties present.

AWARD

(Delivered on 29-04-2010)

This is a Reference made by the Commissioner of Labour Pune, vide order dtd. 29-08-07 in exercise of power conferred by Sec. 12(5) of the Industrial Disputes Act, 1947 in respect of dispute between Bank of Maharashtra and Bank of Maharashtra Karmchari Sangh over the demand as mentioned in the Schedule appended to the order of reference, for adjudication to this Tribunal.

It appears that the parties have settled their dispute out of court, therefore he does not want to proceed with the Reference further. The contents of pursis are explained to the second party and he has accepted the same as true & correct. This fact is also corroborated by the Dy. General Secretary of the union present before the court. In view of this the Reference is disposed off for want of prosecution. No order as to costs.

In the result I proceed to pass the following Award.

AWARD

1. Reference is answered in the negative.
2. The second party is not entitled for any relief as prayed.
3. No order as to costs.
4. Copies be sent to the appropriate authorities.

Pune :

Date : 29-04-2010

SHRIKANT K. DESHPANDE, Industrial Tribunal

नई दिल्ली, 30 जून, 2010

का. आ. 1842.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार बैंक ऑफ महाराष्ट्र के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय -2, मुम्बई के पंचाट (संदर्भ संख्या 93/2005) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 29-06-2010 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-12012/43/2005-आई आर(बी-II)]
कमल बाखरू, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 30th June, 2010

S. O. 1842.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award (Ref. No.93/2005) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court-2, Mumbai now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employees in relation to the management of Bank of Maharashtra and their workman, which was received by the Central Government on 29-06-2010.

[No. L-12012/43/2005-IR(B-II)]

KAMAL BAKHRU, Desk Officer

ANNEXURE

**BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2, MUMBAI**

PRESENT

A.A. LAD

PRESIDING OFFICER

Reference No. CGIT-2/93 of 2005

Employers in relation to the management of Bank of Maharashtra

The Dy. General Manager,
Bank of Maharashtra, Regional Office,
Mahabank Bhawan, B, 37, Wagle Ind. Estate,
Thane 400604.First Party

V/s.

Their workman

Shri Ladkya Chintaman Matera,
At & Post : Kasa, Tal. Dahanu,
Thane-401 607.

....Second Party

APPEARANCE:

For the Employer : Shri A.B. Anchani, Advocate

For the Workman : Shri V.J. Amberkar, Advocate

Date of reserving the Award : 23-4-2010

Date of passing the Award : 04-6-2010

AWARD

The matrix of the facts as culled out from the proceedings are as under :

1. The Government of India, Ministry of Labour by its Order No. L- 12012/43/2005-IR (B-II) dated 18th July, 2005 in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section 2(A) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 have referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :

“Whether the action of the management of Bank of Maharashtra, Thane Region office, in terminating the services of Shri Ladakya Chintaman Matera, PTS, on 13-03-2003 is proper, legal and justified? If not, what relief the workman is entitled to?”

2. Claim Statement is filed by the 2nd Party concerned workman at Exhibit 6 stating and contending that, he worked with 1st Party at Charoti Naka Kasa Branch, Post : Kasa, Taluka Dahanu, District Thane, with effect from 1-8-2000. According to him he worked continuously with 1st Party Branch. He states that, though he worked continuously, though by various letters artificial break was shown in his employment between 1-8-2000 to 12-3-2003, he worked continuously. According to him though he worked during the above period continuously artificial breaks were shown. He states that, he worked for more than 240 days and acquired permanency still he was terminated without following due process of law. According to 2nd Party he ought to have been continued in the employment of the 1st Party Branch, however, he was not considered. So he pray to direct 1st Party to reinstate him with benefits of back wages and continuity of service as he is its permanent employee.

3. This is disputed by the 1st Party by filing Written Statement at Exhibit 7 stating and contending that, the 2nd Party was never appointed on permanent basis. It is stated that, he was appointed as a casual worker. It is admitted that, he worked during the above period but worked with break. It is denied that, artificial break was shown in the employment of the 2nd Party. It is stated that, he was over age when he was interviewed on 10-12-2002. It is stated

that, before that no recruitment process was adopted by the Head Office of the 1st Party. According to 1st Party the age of the candidate to recruit should be between 18 and 28 years for General Category and there was relaxation of 5 years in the case of SC/ST candidates. It is stated that, the concerned workman was of SC category but he was more than 33 years when last interview was conducted on 10-12-2002. It is stated that, he is not qualified to be appointed. It is stated that, when he was not appointed on permanent basis and he worked purely on temporary basis he cannot claim permanency and pray for reinstatement.

4. Rejoinder is filed by the 2nd Party at Exhibit 9 stating and contending that, the stand taken by the 1st Party is not admitted to him and pray to reinstate him with benefit of back wages and continuity of service.

5. In view of the above Issues are framed at Exhibit 16 which I answer as follows :

ISSUES	FINDINGS
1. Does second party prove that, he worked more than 240 days?	No
2. Is he entitled to claim permanency?	No
3. Is workman entitled for reinstatement?	No
4. What order?	As per the order passed below.

REASONS :**ISSUES NOS. 1 TO 3 :**

6. By these proceedings 2nd Party pray to reinstate him with benefit of back wages and continuity of service stating and contending that, he worked continuously for more than 240 days from 1-8-2000 to 12-3-2003. According to him artificial break was shown but he worked continuously. According to him he is a qualified person. His services were terminated without following due process of law. It is denied by the 1st Party stating and contending that 2nd Party is not qualified. It is stated that, he was over age when last interview was conducted on 10-12-2002. It is denied that, he is a qualified person to continue in the employment of the 1st Party.

7. To prove that, 2nd Party placed reliance on his affidavit filed in lieu of his examination-in-chief, at Exhibit 18 where he narrated above story of his employment as stated in the Claims Statement. In the cross he states that, appointment letter was issued to him for a particular period. He admits that, last appointment letter was dated 23-1-2002 for 50 days. He admits that, he never worked for 240 days continuously. He admit that, each appointment was on contract basis. He admits his date of birth is 10-6-1969. He admits that, interview was taken on 10-12-2002 and he was over age at that time. He admit that, at that time he was six

months' over age. On that, he closed his evidence and filed closing purshis at Exhibit 20. Against that, 1st Party led evidence by filing affidavit of Mukund Narayan Joshi, in lieu of his examination-in-chief, at Exhibit 21, where claim of the 2nd Party is denied making out the case that, he was over age and cannot be reinstated. In the cross he admit that, he is deposing on the basis of the record. He admit the correspondence issued to the concerned workman produced from Serial Nos. 1 to 5, 14-16 Exhibit 10, pages 6-7 of Exhibit 11 as well as pages 1 to 5 and 14-16 of Exhibit 10 in. He admit that, 2nd Party was recruited through Employment Exchange still he was not considered for permanency since he was over age. On that 1st Party closed its evidence and filed closing purshis at Exhibit 23.

8. Written arguments are filed by the 2nd Party at Exhibit 24 and the same are replied by 1st Party by filing its written arguments at Exhibit 26.

9. Perused those and the evidence referred above. Here 2nd Party admit that, he did not work for 240 days continuously. Even he admit that, he was appointed on contract basis. He admit that, he was not considered because he was over age.

10. When qualifications like age, education etc. required for recruitment and it is not there with him. In this premises question arises whether he can be exempted from all these tests.

11. Here 2nd Party claims that, he must be reinstated since he worked from 2000 to 2003, more precisely from 1-8-2000 to 12-3-2003. At the same time documents produced by the bank with Exhibit 7 reveals that, various appointment letters were given to him during that period. Even 2nd Party admit those. The documents at Serial Nos. 9 to 19 of Exhibit 7 reveals that, various appointment letters were issued without interviews just to break period which means that, he was not appointed by following due process and he did not work continuously for 240 days in a year to claim permanency.

12. Besides when he was not taken on permanent basis and when he worked on contract basis, in my considered view, such an employee cannot be regularized unless and until he comes through proper channel and passes required tests which are made applicable to other employees and if some exemptions or some concession is given to such type of employees, which will affect on others, who are in the queue of recruit. Moreover ratio laid down by various courts including in the case of Umadevi v/s Karnataka State does not permit such type of employee to claim permanency.

13. In view of the discussions made above and considering all these appointments of the concerned workman with the 1st Party, and the nature of work and nature of his appointments, I conclude that, the concerned workman is not entitled for reinstatement as prayed. So I answer the above Issues accordingly and pass the following order :

ORDER

Reference is rejected
with no order as its costs.

A. A. LAD, Presiding Officer

Mumbai,
4th June, 2010

नई दिल्ली, 30 जून, 2010

का. आ. 1843.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार बैंक ऑफ महाराष्ट्र के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण/श्रम न्यायालय -2, मुम्बई के पंचाट पार्ट-I (संदर्भ संख्या 92 ऑफ 2005) को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 29-06-2010 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-12012/42/2005-आई आर(बी-II)]

कमल बाखरू, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 30th June, 2010

S. O. 1843.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) the Central Government hereby publishes the award Part-I (Ref. No.92 of 2005) of the Central Government Industrial Tribunal/Labour Court-2, Mumbai now as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employees in relation to the management of Bank of Maharashtra and their workman, which was received by the Central Government on 29-06-2010.

[No. L-12012/42/2005-IR(B-II)]

KAMAL BAKHRU, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2, MUMBAI

PRESENT

A.A. LAD

PRESIDING OFFICER

Reference No. CGIT-2/92 of 2005

Employers in relation to the management of Bank of
Maharashtra

The Dy. General Manager,
Bank of Maharashtra, Regional Office,
Mahabank Bhawan, B-37, Wagle Ind. Estate,
Thane 400604 ... First Party
V/s.

Their workmen
Shri S.J. Kamdi,
C/o Sukarya Jaru Kamdi,
Latish Gothengnar, Taluka Shahpur,
P.O. Khutgher, District Thane ... Second Party

APPEARANCE:

For the Employer : Shri A.B. Anchan, Advocate

For the Workman : Shri V.J. Amberkar, Advocate

Date of reserving the Award : 23-4-2010

Date of passing the Award : 2-6-2010

AWARD- PART I

The matrix of the facts as called out from the proceedings are as under :

1. The Government of India, Ministry of Labour by its Order No. L- 12012/42/2005-IR (B-II) dated 18th July, 2005 in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section 2(A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 have referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :

“Whether the action of the management of Bank of Maharashtra, Thane Region in discharging the services of Shri S.J. Kamdi, Ex-Sub-staff, Shahpur Branch, Bank of Maharashtra vide order dated 16-11-1995 is just, proper and proportionate? If not, to what relief the workman is entitled to?”

2. Claim Statement is filed by the 2nd Party concerned workman at Exhibit 6 stating and contending that, he is the employee of the 1st Party. He contends that there is one account holder by name Jogale having Savings Bank Account No. 4889. According to 2nd Party said Jogale is his friend. He contends that, he introduced Jogale to open the Account with the Branch of the 1st Party and on his recommendation Jogale became account holder of the said Branch. He contends that, Jogale is his childhood friend as well as neighbourer. It is alleged that, he was having good relations with said Jogale. He states that, as and when said Jogale was in need of money he was taking services of the 2nd Party and asking 2nd Party to withdraw or deposit the amount from his account. He contends that, even Jogale was asking 2nd Party to withdraw and deposit the amount in his account by signing necessary withdrawal or pay-in-slips.

3. He contends that, Bank charge sheeted him alleging that, he forged signatures of Jogale and fraudulently withdrawn the amount from the S.B. Account No. 4889 and thus deprived the Bank as well as Jogale and that, he committed misconduct. After issuing charge sheet enquiry was conducted. According to 2nd Party there was no evidence before the Enquiry Officer to conclude that, the charges levelled against him are proved against him. It is stated that, even Jogale did not complaint with Bank nor he was examined by the Bank to prove the charges levelled against the concerned workman. On the contrary 2nd Party examined Jogale as his defence witness who admitted signature of the various withdrawal slips and denied the signature. It is stated that, enquiry officer unnecessarily

referred the withdrawal slips to the hand writing expert and relied on the report of the hand writing expert. It is stated that, when Jogale had no complaint and when he did not complained with any point of time against the concerned workman either with the Bank nor with any authority it is stated that, Bank unnecessarily prosecuted the concerned workman, held enquiry and took action with the help of the Enquiry Officer who purposely supported Bank just to oblige the Bank. So it is prayed that, the finding given by the Enquiry Officer be declared as perverse and action taken by the 1st Party on the basis of the said findings be quashed and set aside with directions to 1st Party to reinstate him with benefits of back wages and continuity of service.

4. This is disputed by the 1st Party by filing Written Statement at Exhibit 7 stating and contending that, the enquiry was conducted against the concerned workman by issuing charge sheet and it is stated that, there was ample evidence against the concerned workman. It is alleged that, the concerned workman forged the signature of account holder, deprived the Bank as well as said Jogale. It is stated that, hand writing expert opined about signature referred for his opinion in which hand writing expert observed that, said signature was not of Jogale and was forged one. It is stated that, since Enquiry Officer was having evidence, the finding given by him holding concerned workman guilty of the charges levelled against him is just and proper and it is stated that, relying on the said finding action taken by 1st Party is just and proper and does not require any interference. It is stated that, since there was ample evidence before the Enquiry Officer it is prayed that, the enquiry be declared just and proper and finding not perverse.

5. Rejoinder is filed by 2nd Party at Exhibit 9 denying the stand taken by 1st Party and requesting to consider his prayer.

6. In support of his case 2nd Party filed his affidavit at Exhibit 17 in lieu of his examination-in-chief denying the stand taken by the 1st Party in the written statement and requesting to accept his case.

7. In view of the above Issues were framed at Exhibit 5. Out of those Issues Nos. 1 and 2 were treated as preliminary issues which I answer as follows :

ISSUES	FINDINGS
1. Is enquiry fair and proper?	Yes
2. Is findings perverse?	Yes

REASONS:**ISSUES NOS. 1&2 :**

8. As far as Enquiry is concerned 2nd Party admit that, the enquiry was fair and proper. Even 2nd Party is happy with the procedure followed by the Enquiry Officer

in conducting the enquiry. Even 2nd Party is happy with the documents produced by the 1st Party. He admit that, documents produced were supplied to him. Even he admit that, charge sheet was served on him. He admit that, he attended enquiry. He admit that, he was represented by his representative Ashok Gore. He admit that, witnesses examined by Bank were made available for his cross. He admit that, opportunity was given to him to lead evidence in support of his defence. Even he admit that, he was permitted to defend his case. As far as enquiry is concerned there is no much quarrel about fairness of the enquiry. So relying on the admissions given by the concerned workman about the enquiry I conclude that, enquiry is fair and proper.

9. There is dispute about the finding of the Enquiry Officer. 2nd Party contends that, finding is perverse. Whereas 1st Party contends that, finding is not perverse.

10. Admittedly concerned customer Jogale who is the account holder of the 1st Party against whom it is alleged by the 1st Party that, the 2nd Party forged his signature. As far as point of forging of signature is concerned by the concerned workman there is evidence of the hand writing expert. However, Jogale who is account holder of the Account No. 4889 is not examined by the Bank. Even it is admitted position that, he did not lodge any complaint with the Bank or anywhere. It is alleged that, said Jogale orally complained. However, no proof is produced by the Bank to show that, there was such a complaint filed by Jogale about the act of the 2nd Party of withdrawing the amount from his account. Even 1st Party examined its witness, Sr. Manager, Mukund Narayan Joshi, at Exhibit 20 who, in the cross, admit number of things. He admit that, there was no written complaint against 2nd Party made by the concerned customer. Even he admit that, no Police complaint was filed. He admit that, Jogale was not examined as witness of the Bank. Even he admit that, Jogale was examined as defence witness of concerned workman who admitted in evidence whenever he was in need of money he was asking the 2nd Party to withdraw the amount and was issuing signed withdrawals slips and giving it to the 2nd Party, the concerned workman to withdraw the amount from his account. Even said witness admit that, concerned workman is his neighbour. Even he admit that, the withdrawal slips and his signature on all those withdrawal slips. When that is the situation and when there is no complaint of the Jogale about the amount withdrawn and by the concerned workman from his account, in my considered view, no business was with the Bank to proceed against the concerned workman and prosecute him on the charge of misconduct under Clause 19(5)(j) of the Bipartite Settlement, 1966.

11. If we peruse the enquiry proceedings and findings of the Enquiry Officer we find that, there was no evidence before the Enquiry Officer to conclude that, the concerned

workman has forged the signature of the concerned account holder Jogale and committed misconduct as alleged. Even there was no complaint of Jogale about his signature fabricated by the concerned workman, except evidence of handwriting expert there was no evidence of any type against the concerned workman with the Bank. Concerned workman deposited the amount which was given to him by Jogale. Even Jogale admit that, he handed over the amount to the concerned workman to deposit it in his account when he heard about the prosecution initiated against the concerned workman.

12. However, when enquiry is fair and proper but finding appears perverse as Enquiry Officer does not have any evidence to hold the concerned workman guilty of the charges leveled against him.

13. In view of the above discussions I conclude that, the enquiry was fair and proper but finding perverse. So I answer the above Issues accordingly and pass the following order :

ORDER

a. I observe enquiry is fair and proper.

I also observe finding is perverse;

b. I direct 1st Party to justify its action to termination.

Mumbai,

2nd June, 2010

A. A. LAD, Presiding Officer

नई दिल्ली, 2 जुलाई, 2010

का. आ. 1844.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा-1 की उप धारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा 01 अगस्त, 2010 को उस तारीख के रूप में नियत करती है, जिसको उक्त अधिनियम के अध्याय -4 (44 व 45 धारा के सिवाय जो पहले से प्रवृत्त हो चुकी है) अध्याय-5 और 6 (धारा-76 की उपधारा-(1) और धारा-77, 78, 79 और 81 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) के उपबंध महाराष्ट्र राज्य के निम्नलिखित क्षेत्रों में प्रवृत्त होंगे, अर्थात् :

“जिला नागपुर के बूटीबोरी ग्राम पंचायत के महाराष्ट्र औद्योगिक विकास महामण्डल का औद्योगिक क्षेत्र (एम.आई.डी.सी) व जिला व तालुका नागपुर के राजस्व ग्राम रेंगापार, बोरी तथा नागपुर जिला के हिंगणा तालुका की ग्राम पंचायत व राजस्व सीमा के ऐसे क्षेत्र जिन में इस अधिनियम के संदर्भित उपलब्ध पहले से ही लागू हैं, के साथ-साथ, गांव तुरकमारी, सुकली, किन्ही, बीडगणेशवपूर, उमरी, आमगाव, वटेघाट, टेंभरी, पोही, किरमिटी, भारकस, सालईदाभा, गंगापुर, खापा, मांडवा, टाकलघाट में आने वाले क्षेत्र।”

[सं. एस-38013/23/2010-एस.एस. I]

एस.डी. जेवियर, अवर सचिव

New Delhi, the 2nd July, 2010

S. O. 1844.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 1 of the Employees State

Insurance Act, 1948 (34 of 1948) the Central Government hereby appoints the 1st August, 2010 as the date on which the provisions of Chapter IV (except Sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapter-V and VI (except sub-section (1) of Section 76 and Sections 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force) of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Maharashtra namely :-

"The areas comprising of Maharashtra Industrial Development corporation, Industrial area, Butiborigram Panchayats and revenue limits of Villages of Rengapur, Bori in Taluka and District Nagpur and Gram Panchayat and revenue limits of Villages of Turakmari, Sukali, Kinhi, Bidganeshpur, Umari, Amgaon, Vateghat, Tembhari, Pahi, Kirmiti, Bharkas, Salaidabha, Gangapur, Khapa, Mandwa, and Takalghat in Taluka Hingna, District Nagpur in Addition to the areas in which the said Provisions of the Act have already been brought into force".

[No. S- 38013/23/2010-S.S.I]

S.D. XAVIER, Under Secy.

नई दिल्ली, 5 जुलाई, 2010

का. आ. 1845.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा-1 की उप धारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा 01 अगस्त, 2010 को उस तारीख के रूप में नियत करती है, जिसको उक्त अधिनियम के अध्याय -4 (44 व 45 धारा के सिवाय जो पहले से प्रवृत्त हो चुकी है) अध्याय-5 और 6 (धारा-76 की उपधारा (1) और धारा-77, 78, 79 और 81 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) के उपबंध आन्ध्र प्रदेश राज्य के निम्नलिखित क्षेत्रों में प्रवृत्त होंगे, अर्थात् :

"आन्ध्र प्रदेश राज्य के वरंगल जिले के भूपालपल्ली मण्डल के, भूपालपल्ली, जंगेडु, कासिमपल्ली, कोपेल्ली, कुंदूरुपल्ली एवं पोल्लुरामय्यपल्ली राजस्व गांव में स्थित सभी क्षेत्र तथा घनपूर मण्डल के चेलपूर राजस्व गांव में स्थित सभी क्षेत्र" ।

[सं. एस-38013/24/2010-एस.एस. I]

एस.डी. जेवियर, अवर सचिव

New Delhi, the 5th July, 2010

S. O. 1845.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 1 of the Employees State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) the Central Government hereby appoints the 1st August, 2010 as the date on which the provisions of Chapter IV (except Sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapter-V and VI (except sub-section (1) of Section 76 and Sections 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force) of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Andhra Pradesh, namely :-

"All the areas falling in the revenue Villages of Bhupalpally, Jangedu, Kasimpally, Kompelli, Kundurupally, and Polluramaiahpally in Bhupalpally Mandal and Chelpur in Ghanpur Mandal in Warangal District of Andhra Pradesh."

[No. S-38013/24/2010-S.S.I]

S.D. XAVIER, Under Secy.

शुद्धि पत्र

नई दिल्ली, 14 जुलाई, 2010

का. आ. 1846.—भारत के राजपत्र के भाग II, खण्ड 3 (ii) में 20 मार्च, 2010 को प्रकाशित सां. आ. संख्या 766 में केन्द्र सरकार की संदर्भ संख्या उस पर प्रकाशित अनुबंध से ठीक पहले एल-22012/39/2008-आईआर (सीएम-II) का बजाय एल-22012/63/2008-आईआर (सीएम-II) पढ़ी जाए ।

[फा.सं. एल-22012/63/2008-आईआर (सीएम-II)]

अजय कुमार गौड़, डेस्क अधिकारी

CORRIGENDUM

New Delhi, the 14th July, 2010

S. O. 1846.—In S.O. No. 766 published in Part II section 3(ii) of Gazette of India dated 20th March 2010, the Central Government reference number may be read as L-22012/63/2008-IR (CM-II) instead of L-22012/39/2008-IR (CM-II) just before the Annexure published thereat.

[F.No. L-22012/63/2008-IR (CM-II)]

AJAY KUMAR GAUR, Desk Officer